रांची
हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
www.vananchaleye@gmail.com
हर खबर पर पहली नजर
₹5
PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:35 मंगलवार,07 अक्टूबर

एनडीए और महागठबंधन के बीच जंग में छोटी पार्टियों का रोल अहम

परिवर्तन का बिगुल बजा : तेजस्वी

14नवम्बर 2025 ! इस तारीख को हम सभी को याद कर लेना है। परिवर्तन का बिगुल बज चुका है, जनता की जीत का शंखनाद हो चुका है। बस अब पूरे मनोयोग, समस्त ऊर्जा का संचय कर प्रत्येक बिहारवासी को जुट जाना है, महागठबंधन की सरकार बनाने के लिए।

बिहार चुनाव के मुद्दों और समीकरणों को समझिए

संवादाता

पटना : बिहार का विधानसभा चुनाव इस बार विकास, जातीय समीकरण और भरोसे की त्रिकोणीय जंग बन चुका है। एनडीए जहां 'डबल इंजन सरकार' के कामों को अपनी सबसे बड़ी पूंजी बता रहा है, वहीं महागठबंधन बेरोजगारी, पलायन और महंगाई को बड़ा मुद्दा बनाकर मैदान में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जोड़ी पर एनडीए भरोसा जता रहा है। भाजपा अपने संगठन, हिंदुत्व की अपील और केंद्र की योजनाओं–उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, पेंशन व बिजली सब्सिडी–को जनता के सामने पेश कर रही है। जद(यू) नीतीश के 'लव-कुश' (कुर्मी- कोइरी), अति पिछड़े और महादलित वोट बैंक पर दांव लगा रहा है।लोजपा (रामविलास) और हम(से) दलित वोटों के सहारे गठबंधन को मजबूती दे रहे हैं। एनडीए ने ब्याज मुक्त छात्र ऋण, कौशल विकास, पेंशन और 'औद्योगिक निवेश पैकेज 2025' जैसे वादों के साथ चुनावी एजेंडा तय किया है। वहीं, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन युवाओं को रोजगार और शिक्षा के मुद्दों पर लामबंद करने की कोशिश में है। राजद का 'अति पिछड़ा न्याय संकल्प'–आरक्षण बढ़ाने, सरकारी ठेकों में हिस्सेदारी और नियामक निकाय की स्थापना–के जरिये पिछड़े वर्गों को साधने का प्रयास है। कांग्रेस राहुल गांधी के अभियानों के सहारे बेरोजगारी और शिक्षा पर फोकस कर रही है, हालांकि संगठनात्मक कमजोरी और सीमित पहुंच उसके लिए चुनौती है। वाम दल और वीआईपी सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों को उठाकर अपनी जमीन तलाश रहे हैं।गठबंधन में नेतृत्व और सीट बंटवारे को लेकर अस्पष्टता बनी हुई है। तेजस्वी को सर्वमान्य चेहरा बनाने पर कांग्रेस की अनिच्छा और प्रशांत किशोर के जन सुराज अभियान से संभावित वोट कटाव की आशंका भी महागठबंधन के लिए सिरदर्द बनी हुई है। राजद को 'जंगलराज' और भ्रष्टाचार के पुराने आरोपों से उबरने की चुनौती है,

अच्छा आदमी ही जीतना चाहिए : प्रशांत किशोर

बिहार मेंबदलाव के लिए वोट पड़ेंगे और जिस सपने को लेकर हम यहां आए हैं कि आने वाले 10 साल में इस देश के 10 अग्रणी राज्यों में बिहार को शामिल कराएं, उस शुरूआत के लिए वोट पड़ेगा...बिहार की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है...इस बार बिहार के लोगों को संकल्प लेना है कि अच्छा आदमी ही जीतना चाहिए।

जंगल राज न आने देंगे : नड्डा

चुनावतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। यह देश व प्रदेश को विकास और सुशासन के पथ पर अग्रसर रखने का प्रमुख माध्यम है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बिहार में एनडीए सरकार जनकल्याणऔर सुशासन का पर्याय बनी है। यह चुनाव प्रदेश को घुसपैठिया मुक्त करने और जंगलराज को फिर से आने से रोकने का चुनाव है।

ब्रीफ न्यूज

17 जिलों में आज ठनका गिरने की आशंका

एजेंसी

रांचीवः झारखंड के 17 जिलों में मंगलवार को गर्जन के साथ तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। इस दौरान कहीं कहीं पर हल्की बारिश भी हो सकती है। यह जानकारी मौसम विभाग ने सोमवार को दी। विभाग के अनुसार जिन जिलों में गर्जन के साथ तेज हवा चलने की आशंका है उनमें झारखंड के उत्तर पूर्वी जिलों (देवघर, दुमका,जामताड़ा, सिमडेगा, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा) को छोड़कर शेष सभी जिले शामिल हैं। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और गुनगुनी धूप खिली रही। ऐसे में लोगों को लगातार हो रही बारिश से राहत मिली और लोगों ने अपना दिनचर्या पूरा किया।

कटक में हुए पथराव में अब तक आठ अरेस्ट

एजेंसी

ओडिशाः ओडिशा केकटक शहर में दुर्गा पूजा विसर्जन शोभायात्रा के दौरान पथराव, हिंसा, तोड़फोड़ और सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाओं में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर एस. देवदत्त सिंह ने सोमवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों से आरोपियों की पहचान की गई। वे फिलहाल पूछताछ के लिए हिरासत में हैं। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि एक रैली के दौरान पुलिस पर पथराव के बाद शहर में 36 घंटे का कर्फ्यू लगाया गया था। स्थिति अब सामान्य है और कोई नई घटना की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि उपद्रवियों की पहचान कर ली गई है और गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है। अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, वहीं कुछ लोग एफआईआर दर्ज कराने भी आगे आए हैं। वर्तमान में कटक के 13 थानों के अंतर्गत कर्फ्यू लागू है।

झारखंड में तीन कफ सिरप पर लगा बैन

एजेंसी

रांचीवः : मध्यप्रदेश और राजस्थान में कफ सिरपके सेवन से 14 बच्चों की मौत की गंभीर घटनाओं के बाद झारखंड सरकार ने स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इन ब्रांड के कफ सिरप के उपयोग और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इस आदेश के साथ आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया और कहा, ह्यस्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों को किसी भी हाल में नहीं छोड़ा जाएगा। डॉक्टर को स्वास्थ्य मंत्री की कुर्सी नहीं दी गई हैताकि स्वास्थ्य से समझौता।

बजा चुनावी बिगुल : इलेक्शन की घोषणा से लेकर काउंटिंग तक की प्रक्रिया 40 दिनों में होगी पूरी

बिहार में दो चरणों में पूरा होगा चुनाव

छठ के आठ दिन बाद 243 विधानसभा सीटों पर 6 और 11 नवंबर को होगी वोटिंग, 14 को आएंगे नतीजे

एजेंसी

पटना:सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह घोषणा की कि बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 2 फेज में वोटिंग होगी। मतदान 6 और 11 नवंबर को और नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। चुनाव के ऐलान से काउंटिंग तक की प्रक्रिया 40 दिन चलेगी। पहले फेज की वोटिंग छठ के 8 दिन बाद होगी। पहले फेज में 121 व दूसरे में 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। गौरतलब है कि सभी राजनीतिक दलों ने वोटिंग की तारीखें दीपावली और छठ के बाद रखने की अपील की थी। 2010 में इलेक्शन प्रोसेस 61 दिन, 2015 में 60 दिन और 2020 में 47 दिन चली थी। इस तरह पिछले 15 साल में इस बार चुनाव सबसे कम अवधि में पूरे कराए जाएंगे।

भाजपा और राजद ने की थी दो चरणों में मतदान की मांग : उल्लेखनीय है कि बिहार में 40 साल बाद दो फेज में चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले 1985 में चुनाव 2 फेज में हुए थे। भाजपा और आरजेडी ने 2 फेज में चुनाव कराने की मांग की थी। जेडीयू ने एक फेज में चुनाव कराने को कहा था। पिछले चुनाव यानी 2020 में 3 फेज में 20 अक्टूबर से 7 नवंबर के बीच वोटिंग हुई थी। 10 नवंबर को नतीजे घोषित हुए थे। इससे पहले 2015 में 5 फेज में 12 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच वोटिंग और 8 नवंबर को नतीजेआए थे।चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, करीब 7.42 करोड़ वोटर हैं। इनमें 100 साल ऊपर के 14 हजार वोटर शामिल हैं। पोलिंग बूथ जाने में असमर्थ लोग फॉर्म 12डी भरकर घर से वोट डाल सकेंगे। राज्य में 14 लाख लोग पहली बार वोट डालेंगे। इस बार वोटर बूथ तक मोबाइल ले जा सकेंगे। नर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 90,712 मतदान केंद्र बनाए गए।

- 40 साल बाद दो फेज में होने जा रहे चुनाव
- 2010 में 61, 2015 में 60 और 2020 में 47 दिनों में पूरी हुई थी चुनाव प्रक्रिया
- साल 1985 के बाद पहली बार दो चरणों में होगा चुनाव
- पिछले 15 सालों में इस बार सबसे कम अवधि में पूरे कराए जाएंगेचुनाव

पहली बार 14 लाख वोटर करेंगे मतदान

चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, करीब 7.42 करोड़ वोटर हैं। इनमें 100 साल ऊपर के 14 हजार वोटर शामिल हैं। पोलिंग बूथ जाने में असमर्थ लोग फॉर्म 12डी भरकर घर से वोट डाल सकेंगे। राज्य में 14 लाख लोग पहली बार वोट डालेंगे। इस बार वोटर बूथ तक मोबाइल ले जा सकेंगे। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 90,712 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां औसतन प्रति केंद्र 818 मतदाता रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 76,801 मतदान केंद्र ग्रामीण इलाकों में हैं, जबकि 13,911 शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था (100 प्रतिशत) की गई है।साथ ही, 1350 मॉडल मतदान केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, ताकि मतदाताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज्ञानेश कुमार ने कहा,जो सारी बातें

सात राज्यों में उप-चुनाव का भी किया गया एलान

चुनाव आयोग ने 7 राज्यों में विधानसभा सीटों पर उप चुनाव का एलान भी किया। जम्मू-कश्मीर में बडगाम और नागरोटा, राजस्थान में अंता, झारखंड में घाटसिला, तेलंगाना की जुबली हिल्स, पंजाब की तरनतारन, मिजोरम की डंपा और ओडिशा की नुआपाडाविधानसभा

घाटशिला उप-चुनाव के लिए 11 नवंबर को डाले जाएंगे वोट

रांची : निर्वाचन आयोग ने बिहारविधानसभा चुनाव के साथ झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर उप-चुनाव की भी घोषणा कर दी है। घाटशिला में 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। गौरतलब है कि रामदास सोरेन के निधन के बाद घाटशिला सीट खाली हुई थी, इसलिए यहां उप-चुनाव हो रहा है। चुनाव आयोग के अनुसार, उपचुनाव की अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 20 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नामांकह पत्रों का जांच 22 अक्टूबर तक होगी। उम्मीदवार 24 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र मेंकुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 2,55,820 हो गई है।चुनाव आयोग ने झारखंड विधानसभा

रांची की 6 सीटों पर कब होगी वोटिंग, चुनाव आयोग ने कर दिया ऐलान

चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। प्रदेश की कुल 81 सीटों पर 2 चरणों में मतदान होगा। इस दौरान झारखंड की 6 विधानसभा सीटों पर भी वोटिंग की तारीख का ऐलान हो गया है।

ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर रूम में लगी आग

जयपुर के अस्पताल में लगी आग, आठ की मौत

एजेंसी

राजस्थान:राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात लगी आग से आठ मरीजों की जान चली गई गई। मृतकों में तीन महिलाएं भी हैं। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत एकत्रित किए। अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, रात लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर रूम में आग लगी। स्टोर में पेपर, मेडिकल उपकरण और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे हुए थे। देखते ही देखते आग ने आईसीयू को अपनी चपेट में ले लिया और पूरेवार्ड में धुआं फैल गया मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों एवं अधिकारियों से जानकारी ली और त्वरित राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मरीजों की सुरक्षा, इलाज औरप्रभावित लोगों की देखभाल के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

चीफ जस्टिस की ओर वकील ने फेंका जूता

एजेंसी

नई दिल्ली : देश की सर्वोच्च अदालत में सोमवार को अभूतपूर्व हंगामा देखने को मिला। एक वकील ने सुनवाई के दौरान सीजेआई बी.आर. गवई की ओर जूता फेंकने की कोशिश की, हालांकि जूता बेंच तक नहीं पहुंच पाया। अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने वकील को तुरंत काबू में कर लिया और बाहर ले गए। घटना उस वक्त हुई जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। बाहर ले जाए जाते समय वकील ने नारा लगाया– ''सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।'' कोर्ट रूम में माहौल तनावपूर्ण हो गया, लेकिन सीजेआई गवई नेअद्भुत संयम दिखाया। उन्होंने उपस्थित वकीलों से कहा, ''आप अपनी दलीलें जारी रखें। मैं परेशान नहीं हूं। ऐसी घटनाओं से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।'' घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने आरोपी वकील राकेश किशोर कुमार का लाइसेंस रद्द कर दिया। उनका रजिस्ट्रेशन वर्ष 2011 का है। साथ ही, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने भी उन पर तुरंत निलंबन की कार्रवाई की। बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि यह कृत्य ''वकीलों के आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन'' है। उन्होंने बताया कि आरोपी वकील को 15 दिन के भीतर शो कॉज नोटिस जारी किया जाएगा ।

न्यूज स्टडी

मैरी ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को मिला पुरस्कार

तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल

एजेंसी

मास्को:स्टॉकहोम (एजेंसी)। वर्ष 2025 के चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार विजेताओं को नाम का ऐलान किया है। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को चिकित्सा क्षेत्र का नेबोल पुरस्कार मिला है। परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (पेरिफेरल इयून टॉलरेंस) से संबंधित खोजों के लिए तीनों को नोबेल का मिला है। चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। यह स्मान 1901 से 2024 के बीच 115 बार 229 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किया जा चुका है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक वि?टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म 'आरएनएइ (राइबोन्यू?लिक एसिड) की खोज के लिए दिया गया था। नोबेल की वसीयत- नोबेल पुरस्कार, स्वीडिश इंजीनियर और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत द्वारा स्थापित सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों का एक समूह है, जिन्हें डायनामाइट की खोज के लिए जाना जाता है। अपनी 1895 की वसीयत में नोबेल ने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा उन वार्षिक पुरस्कारों के लिए छोड़ दिया था। मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा 13 अ?टूबर को होगी। इसके बाद 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। नोबेल पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और नोबेल फाउंडेशन की ओर से विंपोषित एक नकद पुरस्कार मिलता है, जो नोबेल निधि का प्रबंधन करता है। इस वर्ष का पुरस्कार 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर ($1.2 मिलियन) का है। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को रातोंरात प्रसिद्धि मिलने का मौका भी देता है। नोबेल की वसीयत- नोबेल पुरस्कार, स्वीडिश इंजीनियर और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत द्वारा स्थापित सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों का एक समूह है, जिन्हें डायनामाइट की खोज की।

मैरी ई. ब्रंको फ्रेड रामस्डेल शिमोन साकागुची

शांति का नोबेल शुक्रवार को

मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा 13 अ?टूबर को होगी। इसके बाद 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। नोबेल पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और नोबेल फाउंडेशन की ओर से विंपोषित एक नकद पुरस्कार मिलता है, जो नोबेल निधि का प्रबंधन करता है। इस वर्ष का पुरस्कार 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर ($1.2 मिलियन) का है। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को रातोंरात प्रसिद्धि मिलने का मौका भी देता है।

झारखंड के छात्रों को समय पर मिलेगी डिग्री, राज्यपाल ने जारी किए निर्देश, एनपीयू का तीसरा दीक्षांत समारोह संपन्न

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश जारी किए गए हैं कि छात्रों को उनकी डिग्रियां समय पर मिलें. राज्यपाल संतोष गंगवार ने नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में यह बात कही. उन्होंने कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को नियमित कक्षाओं और डिग्रियां प्रदान करने के संबंध में निर्देश जारी किए जा रहे हैं. नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय की स्थापना को 16 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन दीक्षांत समारोह केवल तीन बार ही आयोजित किए गए हैं. इससे पता चलता है कि छात्रों को समय पर डिग्रियां नहीं मिली हैं. उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को समय पर डिग्रियां प्रदान करने के निर्देश जारी किए गए हैं. राज्य में गोल्ड मेडल विजेताओं में सबसे अधिक संख्या लड़कियों की है, जो एक विकसित भारत का प्रतीक है. राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि सभी को साथ लेकर चलना भी है. नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय का एक समृद्ध इतिहास है और आज के युवाओं को इससे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है.

उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले भी बने विधायक और सांसद- वित्त मंत्री राधाकृष्णन

वित्त मंत्री राधाकृष्णन ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि सच्ची शिक्षा का मूल भाव सम्मान है. सभी छात्रों को बधाई. सभी को समाज और पलामू क्षेत्र का नाम रोशन करें. समाज में नफरत और वैमनस्य की भावना को खत्म करने में शिक्षा अहम भूमिका निभाती है. सभी समान हैं. उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद लोग कहते हैं कि वे उच्च पदस्थ अधिकारी बनना चाहते हैं, लेकिन कोई यह नहीं कहता कि वे विधायक या सांसद बनना चाहते हैं. उन्होंने सभी से आग्रह किया कि राजनीति में भी भाग लें. उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विधानसभा और संसद में आएं. जानकारी और ज्ञान बहुत जरूरी है. उन्होंने आगे कहा कि 18 वर्षों में केवल 157 लोगों ने पीएचडी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है, जो दुखद है. विश्वविद्यालय को आगे बढ़ना चाहिए. उन्होंने आगे पूछा कि पलामू में जल संचयन के लिए विश्वविद्यालय के भूतत्व विभाग ने क्या सोचा है? पलामू का इलाका सूखाग्रस्त है. यूनिवर्सिटी कुछ अलग और हट कर काम करे. पलामू क्षेत्र में केवल 16 प्रतिशत छात्र ही इंटरमीडिएट पास करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं. झारखंड में एक यूनिवर्सिटी कमीशन का गठन किया जाएगा जो शिक्षकों की नियुक्ति करेगा.

77 छात्रों को मिला मेडल

नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में 77 छात्रों को मेडल प्रदान किए गए, इनमें से 41 छात्राएं और 31 छात्र थे. वहीं पांच पीएचडी छात्र हैं. 72 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए. नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय की स्थापना 2009 में हुई थी. दीक्षांत समारोह इससे पहले दो बार आयोजित किया जा चुका है. बता दें कि झारखंड के पहले विधानसभा स्पीकर इंदर सिंह नामधारी भी मंच के नीचे वीआईपी दीर्घा में बैठे थे. जिसके बाद राज्यपाल की अनुमति से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इंदर सिंह नामधारी को मंच पर आमंत्रित किया. इस दौरान पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम, चतरा के सांसद कालीचरण सिंह, उपायुक्त समीरा एस., पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन और जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह सहित कई अधिकारी दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहे. दीक्षांत समारोह में छात्र संगठनों की नाराजगी भी देखी गई. छात्र नेता कुर्सी पीछे मिलने से नाराज थे. उनका कहना था कि उनकी उपेक्षा की जा रही है और विश्वविद्यालय जानबूझकर छात्रों को कार्यक्रम से दूर रख रहा है. बाद में, छात्र संगठनों के नेताओं ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया और नारेबाजी करते हुए बाहर निकल गए. इससे पहले, विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र संघ नेताओं से बातचीत की और उन्हें मनाने की कोशिश की.

झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान देने की मांग, डीसी को सौंपा गया ज्ञापन

रांची, संवाददाता ।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने सोमवार को डीसी मंजूनाथ भजन्त्री को एक ज्ञापन सौंपा. इस ज्ञापन के जरिये झारखंड अलग राज्य आंदोलन के पुरोधाओं को गजट नोटिफिकेशन कर झारखंड आंदोलनकारी के रूप में सम्मानित करने की मांग की गई है.

आंदोलनकारियों के संघर्ष-बलिदान को सम्मान दे सरकार

मोर्चा ने कहा कि राज्य के निर्माण में अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले आंदोलनकारियों, उनकी विधवा पत्नियों और यतीम बच्चों की आज स्थिति बेहद दयनीय है. सरकार को चाहिए कि वे उनके संघर्ष और बलिदान को उचित सम्मान दे और उन्हें समाज में स्वाभिमान से जीने का अधिकार सुनिश्चित करे.

मोर्चा ने रखी ये मांगें

- दिशोम गुरु शिबू सोरेन को झारखंड आंदोलनकारी के रूप में गजट नोटिफिकेशन द्वारा सम्मानित किया जाए.
- झारखंड आंदोलनकारियों को राजकीय मान-सम्मान और अलग पहचान दी जाए.
- आंदोलनकारियों के बच्चों को सौ प्रतिशत रोजगार और नियोजन की गारंटी मिले.
- जेल जाने की बाध्यता खत्म करते हुए सभी आंदोलनकारियों को 50 हजार रुपये मासिक सम्मान पेंशन दी जाए.
- आंदोलनकारियों को 15 लाख रुपये का समूह बीमा और 10 लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सीय सुविधा सपरिवार दी जाए.
- आंदोलनकारियों को यात्रा कूपन की सुविधा दी जाए.
- 3 जनवरी को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जयंती को झारखंड आंदोलनकारी दिवस और 11 जनवरी को दिशोम गुरु शिबू सोरेन जयंती को महाजनी प्रथा विरोधी दिवस घोषित किया जाए.
- राज्य के हर जिले में झारखंड आंदोलनकारी कॉरिडोर बनाया जाए और आंदोलन के शहीदों के नाम से शिला पट स्थापित किए जाएं.

प्रमुख सड़कों का नाम झारखंड आंदोलन के नायकों के नाम पर रखें

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने राज्य की प्रमुख सड़कों का नाम झारखंड आंदोलन के नायकों के नाम पर रखने की मांग की है.

- रांची-दुमका मार्ग : दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन मार्ग
- रांची-चाईबासा मार्ग : देवेंद्र मांझी मार्ग
- रांची-टाटा मार्ग : शहीद निर्मल महतो पथ
- रांची-धनबाद मार्ग : बाबू विनोद बिहारी मार्ग
- रांची-गुमला मार्ग : सी.पी. तिर्की मार्ग
- रांची-लोहरदगा मार्ग : कमल किशोर भगत पथ
- रांची-हजारीबाग मार्ग : मंजूर हसन पथ

मोर्चा ने कहा कि यदि इन मांगों पर सरकार शीघ्र निर्णय लेती है तो यह न केवल आंदोलनकारियों के सम्मान की पुनर्स्थापना होगी, बल्कि झारखंड की अस्मिता और मूल्यों को भी मजबूती मिलेगी.

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का छात्रावास जर्जर, खतरे को दे रहा निमंत्रण

रांची, संवाददाता ।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (जिला स्कूल), के छात्रावास की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है. जिन बच्चों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण माहौल मिलना चाहिए, वे खस्ताहाल इमारत में रहकर रोज खतरे का सामना कर रहे हैं. दीवारों से लगातार पानी रिसता है. नमी और गंदगी के कारण दीवारें बदरंग हो चुकी हैं. कई कमरों की छत क्षतिग्रस्त है. जगह-जगह से प्लास्टर झड़ रहा है. बच्चों को छत गिरने का डर सताता रहता है. यहां करीब सौ छात्र रहते हैं. 10 कमरों में हर कमरे में 10 बच्चे ठहरे हुए हैं. इतनी भीड़ में न तो सही वातावरण मिल पाता है, न ही सुरक्षा. बिजली व्यवस्था सबसे बड़ी समस्या है. तार बेतरतीब ढंग से खुले पड़े हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. बारिश में यह खतरा और बढ़ जाता है. कई वर्षों से स्थिति जस की तस है. अधिकारियों को कई बार कहा गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. खिड़कियां, दरवाजे और वेंटिलेटर क्षतिग्रस्त हैं. बिजली की हालत भी बेहद खराब है, जिससे छात्र-छात्राओं को परेशानी होती है. बाथरूम का फर्श पूरी तरह खराब हो चुका है. बारिश में फिसलन हो जाती है. कई जगह फर्श टूट गया है. छत नहीं होने से विद्यार्थियों को बारिश में भीगते हुए बाथरूम जाना पड़ता है. छात्रावास परिसर में स्थित कुआं कई महीनों से धंसा हुआ है. जिला प्रशासन ने इसकी मरम्मत के लिए 1.60 लाख रुपये की राशि 28 जून 2025 को स्वीकृत की थी. लेकिन आज तक काम शुरू नहीं हुआ. हाल की बारिश में बची-खुची दीवार भी गिर चुकी है, जिससे कुआं के धंसने का खतरा बढ़ गया है. फिर भी प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया. स्कूल की प्राचार्या यास्मीन गलेरिया ने जून में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीइओ) को पत्र लिखकर छात्रावास की मरम्मत की मांग की थी.

40वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप : झारखंड की टीम घोषित, ये होंगे टीम कप्तान

रांची, संवाददाता ।

10 से 14 अक्टूबर तक भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में 40वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है. इसके लिए झारखंड की 52 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है. इस चैंपियनशिप का आयोजन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली और उड़ीसा एथलेटिक्स संघ द्वारा किया जा रहा है. राज्य के टीम की घोषणा झारखंड एथलेटिक्स संघ के सचिव एसके पांडे ने की. उन्होंने बताया कि टीम का चयन खेलकूद युवा कार्य विभाग द्वारा 11 से 21 सितंबर तक आयोजित विशेष कोचिंग कैंप और 22 से 24 सितंबर तक आयोजित 36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के प्रदर्शन और इंडिया कैंप के आधार पर किया गया है. इस बार झारखंड टीम की कमान हजारीबाग के अंतरराष्ट्रीय एथलीट अफरोज अहमद के हाथों में होगी. सचिव ने बताया कि झारखंड के एथलीट लगातार राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ा रहे हैं. इस बार भी झारखंड टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है. सचिव एसके पांडे ने कहा कि झारखंड की टीम में युवाओं का जोश और मेहनत झलकती है और यह दल भुवनेश्वर में राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा.

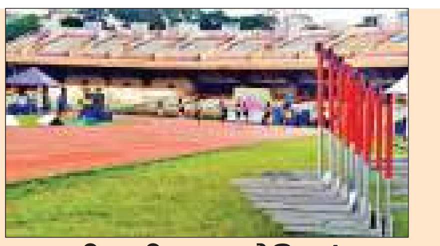

टीम की प्रमुख श्रेणियां

बालक अंडर 14: संतोष मुर्मू (साहिबगंज) - ट्रायथलॉन ग्रुप अ, आसिफ शेख (बोकारो) - ट्रायथलॉन ग्रुप इ, आदित्य कुमार (रांची) - ट्रायथलॉन ग्रुप उ.

बालक अंडर 16: अनीत उरांव (लातेहार) - 60मी., 80मी. हर्डल्स, मेडले रिले; ऋतुराज दत्ता (पूर्वी सिंहभूम) - 60मी. रवि उरांव (गुमला) - 600मी., मेडले रिले. एमानुएल किस्कू (साहिबगंज) - 80मी. हर्डल्स; राजन राज मरांडी (बोकारो) - ऊंची कूद.

परमा हांसदा (साहेबगंज) - लंबी कूद, पेंटाथलॉन. विमल राज (रामगढ़) - शॉटपुट, लंबी कूद. विष्णु मुर्मू (देवघर) - जेवलिन थ्रो.

बालक अंडर 18: शुभम एक्का (रांची) - 100मी., मेडले रिले. विक्की लोहरा (बोकारो) - 200मी. आकाश दीप किंडो (गुमला) - 400मी. मो. साजिद (बोकारो) - 110मी. हर्डल्स. विवेक यादव (साहेबगंज) - जेवलिन थ्रो. हिमांशु सिंह (पूर्वी सिंहभूम) - ऊँची कूद.

बालक अंडर 20: पार्थ सिंह (रांची) - 100मी., लंबी कूद.मनीष कुमार (गिरिडीह) - 400मी., मिक्स रिले. राहुल उरांव (चतरा) - 800मी., 1500मी. विवेक पाल (बोकारो) - 1500मी., 3000मी. दीपक महतो (हजारीबाग) - 3000मी., 5000मी. रितेश कुमार (रामगढ़) - 400मी. हर्डल्स. समीर उरांव (रांची) - ट्रिपल जंप; अफरोज अहमद (हजारीबाग) - ऊंची कूद.

बालिका वर्ग

अंडर 14: नैना सिंह (रांची) - ट्रायथलॉन उ.

अंडर 16: ममता मेरी मुर्मू (पूर्वी सिंहभूम), पृथ्वी उरांव (हजारीबाग), सपना यादव (रांची).

अंडर 18: पुतुल बास्की (दुमका), पूनम कुमारी (रांची), अनामिका उरांव (बोकारो), आशा कुमारी (धनबाद), दशमी कंडुलना (रांची), सविता मुर्मू (जामताड़ा), शिल्पा कुमारी (रांची).

अंडर 20: आकांक्षा कुमारी (पलामू), नेहा कुमारी (हजारीबाग), हुस्नारा परवीन (साहिबगंज), प्रीति लकड़ा (हजारीबाग), शिवानी कुमारी (रांची), अमनदीप कौर (पूर्वी सिंहभूम).

कोचिंग स्टाफ और प्रबंधन टीम

कोच: योगेश यादव (साहिबगंज), प्रभात रंजन तिवारी, नरेश कुजूर (रांची), अनुकंपा रुंडा (हजारीबाग). टीम मैनेजर: सिकंदर महतो (सरायकेला).

नागा बाबा खटाल से पिस्का मोड़ तक अतिक्रमण पर चला निगम का बुलडोजर

रांची, संवाददाता ।

रांची नगर निगम की प्रवर्तन टीम और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से सोमवार की सुबह शहर में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. यह अभियान नागा बाबा खटाल से लेकर पिस्का मोड़ तक चलाया गया. इस दौरान सड़क किनारे लगे ठेले, गुमटी और अवैध निमार्णों को हटाया गया. अभियान के दौरान पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था या विरोध की स्थिति न बने. प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने और यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है. वर्षों से इस मार्ग पर सड़क किनारे ठेले-खोमचे और अस्थायी दुकानों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे आम लोगों को परेशानी होती थी. दुकानदारों ने निगम की कार्रवाई पर नाराजगी जताई है. उनका कहना है कि हम सालों से यहां दुकान लगाते हैं. यही हमारा रोजगार है. अचानक सब कुछ हटा दिया गया. अब हम कहां जाएं? कहा कि सरकार को दुकान हटाने से पहले कोई स्थायी जगह देनी चाहिए। ताकि हमारी रोजी-रोटी ना छिने. कई अन्य फुटपाथ विक्रेताओं ने भी संयुक्त रूप से प्रशासन से वेंडर जोन या ठेला बाजार में स्थायी जगह देने की मांग की।

सदर अस्पताल रांची में पहली बार बाईं ओर के गॉलब्लैडर का सफल ऑपरेशन

रांची, संवाददाता ।

सदर अस्पताल, रांची के लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग ने एक बार फिर चिकित्सा इतिहास में नई उपलब्धि दर्ज की है. अस्पताल में पहली बार ऐसे मरीज का ऑपरेशन किया गया, जिसके शरीर के सभी प्रमुख अंग अपनी सामान्य स्थिति से उल्टी दिशा में थे. चिकित्सा विज्ञान में इसे कंप्लीट साइटस इनवर्सस कहा जाता है. यह अत्यंत दुर्लभ स्थिति है, जो लगभग 10 हजार से 20 हजार मरीजों में से किसी एक में पाई जाती है. इस जटिल केस का सफल ऑपरेशन अस्पताल के एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ अजीत कुमार के नेतृत्व में किया गया. मरीज बी बाड़ा, जो बेड़ो थाना क्षेत्र के ईंटा चिंद्ररी, रांची की निवासी हैं और वर्तमान में मोराबादी में रहती हैं, पिछले दो से तीन महीनों से पेट दर्द से परेशान थीं.

जांच में पता चला कि उन्हें एक्यूट पेनक्रिएटाइटिस हुआ है और उनके गॉलब्लैडर (पीत की थैली) में कई पत्थर हैं. विशेष बात यह थी कि उनका गॉलब्लैडर शरीर के बाएं हिस्से में स्थित था, जबकि सामान्य रूप से यह दाईं ओर होता है. बाद में ईको और सीटी स्कैन से पुष्टि हुई कि मरीज को कंप्लीट साइटस इनवर्सस है. उनका हृदय दाईं ओर था और अन्य आंतरिक अंग भी उल्टी दिशा में स्थित थे. इस कारण सर्जरी तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि सर्जन को सामान्य स्थिति के विपरीत दिशा से खड़े होकर ऑपरेशन करना पड़ा. सदर अस्पताल की टीम ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को पूरी सफलता के साथ अंजाम दिया. ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति स्थिर बताई गई है. सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरी तरह निःशुल्क की गई. मरीज के पति श्री जोसेफ उरांव, जो किसान हैं, ने सदर अस्पताल प्रशासन और डॉ अजीत कुमार की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में उन्हें मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिला। जिसके लिए वे सदर अस्पताल के सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को धन्यवाद देते हैं. ऑपरेशन टीम में डॉ अजीत कुमार (एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन), डॉ वसुधा गुप्ता और डॉ विकास बल्लभ (एनेस्थेटिस्ट), सिस्टर स्नेह लता, एवं ओटी स्टाफ संदीप, संतोष, सृष्टि, सुरेश, अमन, विरंजन, कल्पना आदि थे।

सीयूजे में खेलोत्सव पुरस्कार समारोह आज

रांची, संवाददाता ।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स विंग द्वारा खेलोत्सव पुरस्कार समारोह 2025 का आयोजन 7 अक्तूबर को किया जाएगा. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास की अध्यक्षता में होने वाले इस भव्य समारोह में खेल प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी किशोर कौशल और अंजनी कुमार झा उपस्थित रहेंगे जो करीब 300 विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे. इन सभी अतिथियों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पदक (स्वर्ण, रजत, कांस्य), प्रमाण पत्र, स्मृति चिह्न और टी-शर्ट प्रदान किए जाएंगे. पुरस्कार प्राप्त करने वालों में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, अधिकारियों सहित शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी भी शामिल होंगे. खेलकूद प्रभारी डॉ राजेश कुमार ने बताया कि यह पुरस्कार उन प्रतिभागियों को दिए जाएंगे जिन्होंने खेलोत्सव एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के दौरान उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है. इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ तीन स्कूलों, सर्वश्रेष्ठ तीन एम्प्लोयी, स्पोर्ट्स वालंटियर्स और एलुमनी को भी विशेष सम्मान से नवाजा जाएगा. कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल खेल भावना, टीमवर्क और अनुशासन को बढ़ावा देना है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाओं की खोज और उन्हें तराशने की दिशा में एक सशक्त पहल भी है.

ये होंगे विशिष्ट अतिथि

- मधुमिता कुमारी - एशियन गेम्स पदक विजेता एवं झारखंड खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त
- सुजाता भगत - अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग पदक विजेता एवं स्ट्रॉन्गेस्ट वुमन ऑफ इंडिया 2014
- चंचल भट्टाचार्य - भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के कोच एवं झारखंड खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त

सीआईएसएफ : दीपक वर्मा ने संभाला सीआईएसएफ पूर्वी क्षेत्र रांची मुख्यालय का महानिरीक्षक पद

रांची, संवाददाता ।

दीपक वर्मा ने 1 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय, रांची में महानिरीक्षक के रूप में पदभार संभाला. वे 1993 में सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से सीआईएसएफ में शामिल हुए थे. महानिरीक्षक बनने से पहले उन्होंने पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के हवाई अड्डा क्षेत्रों में उप महानिरीक्षक के रूप में 20 हवाई अड्डों की निगरानी की. उनके प्रयासों से गुवाहाटी हवाई अड्डे पर विमानन सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान (एएसटीआई) स्थापित हुआ, पटना हवाई अड्डे पर नया एकीकृत टर्मिनल भवन प्रबंधित किया गया और लेंगपुई, आइजोल, मिजोरम में सीआईएसएफ को शामिल किया गया. दीपक वर्मा ने अपनी शिक्षा में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से एमए और एमफिल किया. रांची विश्वविद्यालय के सेंट कोलंबस कॉलेज से भूगोल में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए. उन्होंने जेआरएफ/नेट भी पास किया और व्याख्यान व छात्रवृत्ति के पात्र रहे. अपने 32 वर्षों के करियर में उन्होंने बंदरगाह, तेल, करेंसी नोट प्रेस, बिजली, इस्पात, प्रशिक्षण अकादमी और हवाई अड्डा क्षेत्रों में यूनिट कमांडर के रूप में काम किया. त्रिपुरा/असम और मिदनापुर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी संभाली.

वे सीआईएसएफ परामर्श शाखा के नियुक्त सलाहकार हैं और आईआईटी खड़गपुर, एनआईटी दुर्गापुर, टिस्को जमशेदपुर, अल्माटी बांध, विक्टोरिया मेमोरियल, ताज महल, बीएसपी भिलाई, ओएनजीसी नाजिरा, बीएसएनएल शिलांग, विश्व भारती शांति निकेतन, बीआरबीएमएमएल सल्बोनी जैसी संस्थाओं की सुरक्षा परामर्श में योगदान दे चुके हैं. उन्होंने बोस्टन (यूएसए) में पोस्ट ब्लास्ट जांच और आत्मघाती हमलों को रोकने का प्रशिक्षण लिया. हैदराबाद में राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का नेतृत्व भी किया. उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें 2018 में सीआईएसएफ स्थापना दिवस पर महानिदेशक की प्रशंसा डिस्क से सम्मानित किया गया. उन्होंने नई दिल्ली में बल मुख्यालय में डीआईजी/टेक्निकल और डीआईजी/खुफिया शाखा में काम किया और संगठन में अपनी मेहनत और विशेषज्ञता से योगदान दिया. दीपक वर्मा की विशेषज्ञता और मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि के कारण सीआईएसएफ राष्ट्र की महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और नई ऊंचाइयों को हासिल करने के लिए लगातार प्रयासरत है.

झारखंड में लंबे समय से ओबीसी छात्रों को नहीं मिली है छात्रवृत्ति, आंदोलन का ऐलान

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के ओबीसी छात्रों को लंबे समय से छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिल रहा है. इसके विरोध में छात्र संगठनों ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है. अब सवाल है कि कब से छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है. छात्रों को कितनी राशि मिलती है. छात्रवृत्ति की कौन कौन से कैटेगरी है. छात्रवृत्ति क्यों नहीं मिल रही है कहां फंसा है पेंच. इस मामले में विभाग का क्या स्टैंड है.

कल्याण आयुक्त के दफ्तर पर जुटान

छात्रहित सर्वोपरी मंच ने आंदोलन खड़ा करने की तैयारी की है. मंच ने 8 अक्टूबर को मोरहाबादी स्थित कल्याण आयुक्त के दफ्तर पर छात्रों के जुटान और महाआंदोलन की घोषणा कर दी है. इसके लिए सोशल मीडिया पर कैंपेन भी शुरू कर दिया गया है. खास बात है कि इस कैंपेन को जेएलकेएम, रांची के नाम से बने एक्स हैंडल से प्रचारित किया जा रहा है. इस बारे में जेएलकेएम विधायक जयराम कुमार महतो के निजी सचिव संजय कुमार का कहना है कि छात्रों की ओर से सहयोग के बाबत ज्ञापन मिलने पर छात्र हित में पार्टी हर तरह से सहयोग करेगी. मंच की ओर से लिखा गया है कि झारखंड सरकार अबतक ओबीसी की ई-कल्याण स्कॉलरशिप (2024-25) जारी नहीं कर पाई है. इसी को लेकर 8 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे कल्याण कॉम्प्लेक्स, रांची में महाआंदोलन किया जाएगा. छात्रों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है.

छात्रवृत्ति क्यों नहीं मिल रही

इस सवाल का जवाब लेने के लिए ईटीवी भारत की टीम ने कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी से संपर्क किया. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को फंड अलॉट करने के लिए पत्राचार किया गया है. लेकिन उसपर किसी तरह का रिस्पॉस नहीं मिला है. जबतक केंद्र से फंड नहीं मिलता, तबतक ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति देना संभव नहीं है. एक अनुमान के मुताबिक ओबीसी छात्रवृत्ति मद में 700 करोड़ से ज्यादा की राशि की जरुरत है. आंदोलन के बाबत कल्याण आयुक्त ने कहा कि उन्हें भी सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी मिली है.

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति में केंद्र और राज्य की हिस्सेदारी

छात्रवृत्ति को दो कैटेगरी में बांटा गया है. पहला है प्री-मैट्रिक और दूसरा है पोस्ट मैट्रिक. प्री-मैट्रिक में कक्षा 1 से 10वीं तक छात्रों को लाभ दिया जाता है. इसमें कक्षा 1-8 तक के छात्रों का भुगतान राज्य सरकार करती है. जबकि कक्षा 9वीं से 10वीं तक के छात्रों को प्रति वर्ष 4,500 रु. दिए जाते हैं. इसमें एससी कैटेगरी के लिए 60 प्रतिशत केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार देती है. ओबीसी कैटेगरी के लिए भी यही रेसियो रहता है. एसटी कैटेगरी के लिए केंद्र सरकार 75 प्रतिशत पैसे देती है. शेष 25 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करती है.

नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन

यह उपाधि प्रमाण पत्र नहीं बल्कि सपनों का संघर्ष है : माननीय राज्यपाल

संवाददाता । रांची

रांची। माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार आज पलामू स्थित नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ह्लयह उपाधि केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि आपके सपनों, संघर्ष और जिम्मेदारियों का प्रतीक है। आप सभी को केवल अपने कैरियर तक सीमित न रहकर समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए संकल्पित होना है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय महान स्वतंत्रता सेनानी नीलाम्बर एवं पीताम्बर के नाम पर स्थापित है, उन्होंने इन वीर सपूतों को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन सबको साहस, कर्तव्य और त्याग की प्रेरणा देता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में सदैव तत्पर रहें।

राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालयों को नियमित कक्षाएँ संचालित करने, समय पर परीक्षा आयोजित करने और विद्यार्थियों को बिना विलम्ब डिग्री प्रदान की बात कही। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह का विलम्ब केवल विद्यार्थियों ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों और पूरे समाज को प्रभावित करता है। विश्वविद्यालयों को हर हाल में अकादमिक कैलेण्डर का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि उनका स्पष्ट निदेश है कि विद्यार्थियों को हर हाल में गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा राज्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभी बहुत पीछे है। राज्य के बाहर के विद्यार्थी यहाँ नामांकन तो नहीं ही लेते हैं, साथ ही ये भी देखने को मिलता है कि यहाँ के अनेक विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए बाहर पलायन करते हैं। इस स्थिति को बदलना अत्यंत आवश्यक है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश विकसित भारत@2047ह्व के संकल्प की ओर अग्रसर है और इसमें युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदृष्टि से बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षा को रोजगारोन्मुख, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप बना रही है।

माननीय राज्यपाल ने इस तथ्य का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में छात्राओं की संख्या छात्रों की अपेक्षाकृत अधिक देखने को मिल रही है, जो महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत की सशक्त झलक प्रस्तुत करती है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि ज्ञान ही सबसे बड़ी पूँजी है और इसी पूँजी से राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाया जा सकता है। शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में स्वच्छ, सुन्दर और अच्छा माहौल की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल और प्रतिभा का उपयोग समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि झारखंड के युवा विकसित भारत के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएँगे।

इससे पूर्व माननीय राज्यपाल-सह-कुलाधिपतिमहोदय ने विश्वविद्यालय परिसर में महर्षि विश्वामित्र केन्द्रीय पुस्तकालय का लोकार्पण किया।

रॉंची विश्वविद्यालय के दिवाकर और दीक्षा महामहिम राष्ट्रपति महोदया से सम्मानित हुए

संवाददाता । रांची

रॉंची, 06 अक्टूबर 2025रॉंची विश्वविद्यालय, झारखंड राज्य के डोरंडा महाविद्यालय, रॉंची के दिवाकर आनंद एवं रॉंची विमेंस महाविद्यालय की दीक्षा कुमारी को आज राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के कर कमलों से राष्ट्रीय सेवा योजना का सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आज का दिन रॉंची विश्वविद्यालय के साथ ही साथ पूरे झारखंड राज्य के लिए गौरवान्वित करने का पल है।

इनको मिले सम्मान पर आर यू के कुलपति डॉ डी के सिंह ने कहा कि दिवाकर और दीक्षा ने एन एस एस के माध्यम से सामाजिक कार्यों में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है जिसके कारण उन दोनों को सर्वोच्च पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्होंने दोनों के ऐतिहासिक उपलब्धि पर कहा कि आज रॉंची विश्वविद्यालय के उपलब्धियों में एक और अध्याय जुड़ गया है। उन्होंने दोनों को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पुरस्कार दोनों को आगे भी सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर भाग लेने की प्रेरणा मिलती रहेगी।

आर यू के एन एस एस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने बताया कि आज दिवाकर और दीक्षा के साथ पूरे देश के 30 एन एस एस स्वयंसेवकों को महामहिम राष्ट्रपति महोदया के हाथों एन एस एस का सर्वोच्च सम्मान मिला है।दोनों के इस महान उपलब्धि पर रॉंची विश्वविद्यालय के वित्त परामर्शी अजय कुमार, डी एस डब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहू, कुलानुशासक डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, सी सी डी सी डॉ पी के झा, वित्त पदाधिकारी डॉ दिलीप प्रसाद, कुलसचिव डॉ गुरु चरण सिंह, उपकुलसचिव डॉ अजय लकड़ा, पूर्व डी आर 1 डॉ प्रीतम कुमार, डोरंडा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजकुमार शर्मा, रॉंची विमेंस महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ विनीता सिंह के साथ ही साथ एन एस एस के कार्यक्रम पदाधिकारी क्रमशः डॉ कुमारी उर्वशी, डॉ कंचन मुंडा ने बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर हुए हमले की कड़ी निंदा

संवाददाता । रांची

रांची। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के पोलित ब्यूरो ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर जूता फेंकने की निंदनीय घटना की कड़ी भर्त्सना की है। यह घटना न केवल न्यायपालिका की गरिमा पर हमला है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति बढ़ती असहिष्णुता का गंभीर संकेत भी है।यह अत्यंत आपत्तिजनक और स्तब्ध कर देने वाली बात है कि सर्वोच्च न्यायालय की खुली अदालत में एक अधिवक्ता द्वारा मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंका गया और ह्लसनातन धर्मह्व के नाम पर नारेबाजी की गई। यह कृत्य न्यायालय की गरिमा और शुचिता पर सीधा प्रहार है।पार्टी ने मांग की है कि इस घटना में शामिल अधिवक्ता, जो सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन में पंजीकृत हैं और जिन्हें हिरासत में लिया गया है, के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पोलित ब्यूरो ने कहा कि हाल के दिनों में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और पार्टी नेताओं द्वारा खुलेआम किए जा रहे जातिवादी, मनुवादी और सांप्रदायिक बयानों ने ऐसे असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहित किया है। समाज में नफरत और विभाजन फैलाने वाले ये विचार न्यायपालिका सहित सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बनाने और उन्हें ध्वस्त करने की साज़िश का हिस्सा हैं।

सीपीएम का मानना है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता, गरिमा और संविधान के मूल मूल्यों की रक्षा करना हर नागरिक और राजनीतिक दल का दायित्व है। पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए देशभर के लोकतांत्रिक जनों से अपील करती है कि वे ऐसे हमलों और नफरत फैलाने वाले विचारों के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएं।

राज्यस्तरीय कला उत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ

कला संस्कृति से जुड़े लोग हमेशा खुश रहते हैं - श्री अजय नाथ शाहदेव, अध्यक्ष, झारखंड राज्य क्रिकेट संघ

संवाददाता । रांची

बच्चों को कला और संस्कृति में रुचि है तो उन्हें अवश्य प्रोत्साहित किया जाना चाहिए - श्री शशि रंजन, झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक

? झारखंड में सांस्कृतिक उलगुलान की आवश्यकता है - श्री सुरेन्द्र सोरेन, अध्यक्ष, झारखंड प्रेस क्लब ? जो कला संस्कृति से जुड़ा नहीं है, उसका जीवन शून्य के समान है - पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख

? कला उत्सव केवल रंगों का खेल नहीं, यह मनुष्य की आत्मा की भाषा है - श्री धीरसेन ए. सोरेंग, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, जेईपीसी

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा झारखंड शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी), रातू में 6 अक्टूबर 2025 को राज्य स्तरीय कला उत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी 24 जिलों से लगभग 700 प्रतिभागी शामिल हुए, जिन्होंने संगीत गायन, नृत्य, वादन, दृश्य कला, पारंपरिक कथा वाचन एवं नाटक सहित 12 विभिन्न कला विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री धीरसेन ए. सोरेंग ने मुख्य अतिथि श्री अजय नाथ शाहदेव, अध्यक्ष झारखंड राज्य क्रिकेट संघ सहित सभी विशिष्ट अतिथियों का पौधा, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

अपने संबोधन में श्री अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि कला और संस्कृति से जुड़े लोग हमेशा खुश रहते हैं, क्योंकि कला बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाती है और व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने कहा कि बच्चों में यदि कला संस्कृति के प्रति रुचि है, तो उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। नई शिक्षा नीति में बच्चों के रचनात्मक विकास पर विशेष बल दिया गया है और विभाग का यह प्रयास है कि सरकारी विद्यालयों के

मरकजी जमीयतुल मोमिनीन रांची हिंदपीढ़ी का विस्तार

संवाददाता । रांची

रांची ।मरकजी जामियातुल मोमिनीन हिंदपीढी, रांची की एक अहम बैठक बक्सा कारखाना हिंदपिढी, रांची में हुई जिसकी सदारत जनाब हसीबुर रहमान साहब ने किया।

आज इस बैठक में हिंदपिढी क्षेत्र के मोमिन पंचायत के प्रतिनिधि शामिल हुए और आपसी सहमति से चुनाव संपन्न हुआ जिसमें निम्नलिखित सदस्य चुने गये।सदर - जनाब अतीकुर रहमान महासचिव -जनाब मो अकील अख्तर नायब सदर- मो नकीब, फिरोज अंसारीसंयुक्त सचिव- सरताब आलम, आजाद अंसारीकोषाध्यक्ष-मो ईनायतुललाहजिसका कार्यकाल 3 माह रखा गया है उसके बाद मरकजी का विस्तार किया जयेगा 'मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी रांची का विस्तार मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी रांची, हिंदपीढ़ी के मोमिन पंचायतो का मरकज है जिसमें हर पंचायत के सदर और महासचिव शूरा सदस्य हैं जिनका मकसद पंचायतो को मजबूत करना और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक मुद्दे पर पंचायतो का साथ देना और हिन्दपिरी के पंचायतो तंजीमो के साथ मिलकर मकसद को पूरा करना।1. मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी रांची के शूरा सदस्य आपसी सहमती से जूडे हुये पंचायत के सदर से एक सदर और महासचिव से एक महासचिव चुनेंगे जो मरकजी का सदारत करेंगे '2. साथ ही 5 प्रतिनिधि को आपसी सहमती से चुना जयेगा ?। चुनाव काराया जयेगा (एक पंचायत से 2 से जादा नही होंगे, कम से कम टं३१ू पास और 50 वर्ष से कम हो)3. कार्यकाल 3 वर्ष का होगा 4. टीम जमीअतुल मोमिनीन चौरासी झारखण्ड सरपरस्त और मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी रांची के शूरा सदस्य के निगरानी मे रहेगी 5. बाकी प्रक्रिया शूरा सदस्य तय करेंगे चयनित सदस्यों की सूची को जमिअतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड के सरपरस्त कमिटी के पास अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। अनुमोदन के बाद चयनित सदस्यों का इस्तकबाल का प्रोग्राम होगा जिसकी सूचना जल्द ही दी जाएगी।

40वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, उड़ीसा के लिए झारखंड की 52 सदस्यीय टीम घोषित

संवाददाता । रांची

रांची। 22 से 24 सितम्बर तक झारखंड एथलेटिक्स संघ एवं खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग,झारखंड ,रांची द्वारा आयोजित 36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के परिणाम एवं इंडिया कैंप के आधार पर एथलीटों की सूची जारी की गई

हजारीबाग के अंतरराष्ट्रीय एथलीट अफरोज अहमद झारखंड टीम के होंगे टीम कप्तान

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया,नई दिल्ली एवं उड़ीसा एथलेटिक्स संघ द्वारा आगामी 10 से 14 अक्टूबर तक कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर में आयोजित होने वाली 40वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए झारखंड राज्य की 52 सदस्यीय टीम की घोषणा झारखंड एथलेटटिक्स संघ के सचिव एस के पांडे ने किया। उन्होंने बताया कि

खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग, खेल निदेशालय झारखंड, रांची द्वारा 11 से 21 सितम्बर तक आयोजित विशेष कोचिंग कैंप एवं

22 से 24 सितम्बर तक झारखंड एथलेटिक्स संघ एवं खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड ,रांची द्वारा आयोजित 36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के परिणाम एवं इंडिया कैंप के आधार पर एथलीटों का चयन किया गया है।

(बालक अंडर 14)

संतोष मुर्मू (साहेबगंज)- ट्रायथलॉन ग्रुप ए,

आसिफ शेख (बोकारो)- ट्रायथलॉन ग्रुप बी

आदित्य कुमार (रांची)- ट्रायथलॉन ग्रुप सी

(बालक अंडर 16)

अनीत उरांव(लातेहार) 60 मी.,80 मीटर हर्डल्स ,मिडले रिले,ऋतु राज दत्ता - (पूर्वी सिंह भूम)- 60 मी, रवि उरांव (गुमला)- 600 मीटर, मिडले रिले,

एमानुएल किस्कू (साहेबगंज)- 80 मीटर हर्डल्स, मिडले रिले,राजन राज मरांडी (बोकारो)- ऊंची कूद,परमा हांसदा (साहेबगंज)- लंबी कूद, पेंटाथलान, मिडले रिले,विमल राज (रामगढ़) शाटपुट,लंबी कूद ,विष्णु मुर्मू (देवघर)- जेवलिन थ्रो,जय दीप उरांव (गुमला) पेंटाथलान,मेडले रिले

बालक अंडर 18 वर्ष

शुभम एक्का (रांची)100 मी,मिडले रिले, विक्की लोहरा (बोकारो)200 मीटर,मिडले रिले, आकाश दीप किंडो (गुमला)400 मीटर ,मिडले रिले,

मो साजिद (बोकारो) 110 मीटर हर्डल्स,दीपक मुंडा (रांची), विवेक यादव (साहेबगंज) जेवलिन थ्रो,हिमांशु सिंह (पूर्वी सिंह भूम) ऊंची कूद

बालक अंडर 20 वर्ष

पार्थ सिंह,(रांची),100 मीटर एवं लंबीकूद,

मनीष कुमार (गिरिडीह)400मी.,मिक्स रिले, प्रतीक उरांव (गुमला)400 मीटर, मिक्स रिले ,राहुल उरांव (चतरा) (चतरा),800 मीटर,1500 मीटर, विवेक पाल (बोकारो)1500 मीटर,3000 मीटर, दीपक महतो (हजारीबाग)3000 मीटर,5000 मीटर,

रितेश कुमार (रामगढ़)400 मीटर हर्डल्स, संदीप कुमार (रांची) लंबी कूद,संजीव भारती (बोकारो)110 मीटर हर्डल्स, समीर उरांव (रांची) ट्रिपल जंप, अफरोज अहमद (हजारीबाग) ऊंची कूद

बालिका 14 वर्ष

नैना सिंह (रांची)ट्रायथलॉन सी,

बालिका अंडर 16

ममता मेरी मुर्मू (पूर्वी सिंह भूम)60 मीटर, पृथ्वी उरांव (हजारीबाग)60 मीटर, लंबीकूद, सपना यादव (रांची) पेंटाथलन,लंबी कूद

बालिका अंडर 18 पुतुल बास्की (दुमका)100 मीटर, रिले,पूनम कुमारी (रांची)200 मीटर,400 मीटर, रिले, अनामिका उरांव (बोकारो)200, मिडले रिले, आशा कुमारी (धनबाद),400 मीटर, मिडले रिले, दशमी कंडुलना (रांची)100 मीटर हर्डल्स,मिडले रिले, सविता मुर्मू (जामताड़ा) जेवलिन, शिल्पा कुमारी (रांची) जेवलिन बालिका अंडर 20 आकांक्षा कुमारी-(पलामू)200,400, मिक्स रिले, नेहा कुमारी

ब्रीफ न्यूज

झारखंड के घाटशिला में उपचुनाव 11 नवंबर को, नतीजे 14 नवंबर को घोषित होंगे

संवाददाता । रांची

रांची :रांची ।रांची : निर्वाचन आयोग ने झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर उपचुनाव (बाय-इलेक्शन) की तारीखों का ऐलान कर दिया है। यह उपचुनाव 11 नवंबर 2025 को कराया जाएगा, और नतीजे 14 नवंबर 2025 को घोषित किए जाएंगे ।यह उपचुनाव घाटशिला से विधायक रहे रामदास सोरेन के निधन के कारण कराया जा रहा है। रामदास सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा (खटट) के वरिष्ठ नेता थे और इलाके में एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि माने जाते थे ।निर्वाचन आयोग ने बताया कि घाटशिला सीट के लिए नामांकन, स्क्रूटनी और नाम वापसी की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। चुनाव के साथ ही राज्य में इस सीट के लिए आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई है ।मतदाताओं से अपील की गई है कि वे लोकतंत्र के इस उपचुनाव में पूरे उत्साह से भाग लें और मतदान करें।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में मंदबुद्धि निराश्रितों की सेवा एवं कराया गया भोजन

संवाददाता । रांची

रांची :परमहंस डा० संत शिरोमणी श्री श्री 108 स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य मे श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वाधान मे संचालित विगत 21 माह से चल रहे पीड़ित मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) राँची में आज एस.डी.ए. ग्रुप के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 40 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी का विधिवत आश्रम के किचन में भोजन बनवाकर भोजन खिलाया गया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 10 सितंबर से 6 अक्टूबर तक 27 दिनों मे 5560 निराश्रित प्रभुजी एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम सदगुरू कृपा अपना घर (सत्य-प्रेम सभागार) में- रेणु देवी, ललिता पोद्दार, मंजू देवी अग्रवाल, सुशील ड्रोलिया, मुरलीधर प्रसाद, भरत कुमार, अजय बजाज, पवन अग्रवाल, मंजू देवी बोडा, शिव भगवान अग्रवाल, डूंगरमल अग्रवाल, अंजनी अग्रवाल, रोहित कुमार चौधरी, अनीश गुप्ता, नील कौशल, मुकेश जालान, निर्मल छावनिका, रोहित कुमार, पंकज कुमार, प्रीति मकवाना, निर्भय कुमार सिंह, सीताराम जी, लक्की सिन्हा, कविता अग्रवाल, ओमप्रकाश हेलीवाल, नंदकिशोर पाटोदिया,के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिलाकर सेवा की गई। सभी ने ट्रस्ट के सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद एवं अपना अमूल्य आशीर्वाद दिया। प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों को समाज के हर वर्ग का सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, मधुसूदन जाजोदिया,पवन कुमार पोद्दार, विष्णु सोनी, सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

कल्याण मंत्री श्री चमरा लिंडा ने की छात्रवृत्ति वितरण की अद्यतन स्थिति की उच्चस्तरीय समीक्षा

संवाददाता । रांची

रांची :कल्याण मंत्री श्री चमरा लिंडा ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के भविष्य और शिक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और अवसर की समानता का प्रतीक है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए गंभीर है कि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित न रहे। कल्याण मंत्री श्री चमरा लिंडा सोमवार को रांची के मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्प्लेक्स में कल्याण आयुक्त श्री कुलदीप चौधरी एवं अन्य अधिकारियों के साथ प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति वितरण की अद्यतन स्थिति की उच्चस्तरीय समीक्षा कर रहे थे ।समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक पिछड़ा वर्ग प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत कुल 11,34,183 छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अब तक 7,45,557 छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में ?1202.89 करोड़ की राशि का ऑनलाइन हस्तांतरण सफलतापूर्वक किया जा चुका है ।मंत्री श्री चमरा लिंडा को जानकारी दी गई कि केंद्र सरकार से लगभग ?900 करोड़ की बकाया राशि अब तक प्राप्त नहीं हो सकी है, जिसके कारण शेष पात्र विद्यार्थियों को लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। श्री लिंडा ने कहा कि राज्य सरकार ने इस संबंध में केंद्र सरकार को औपचारिक रूप से अवगत कराते हुए बकाया राशि शीघ्र उपलब्ध कराने का आग्रह किया है, ताकि छात्रवृत्ति वितरण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो।

पलामू में जेवर साफ करने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

संवाददाता । रांची

पलामू : मेदिनीनगर पुलिस ने जेवर साफ करने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पलामू एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान रविवार को बस स्टैंड के पास से पुलिस ने चार संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। बिना नंबर प्लेट की दो बाइक पर सवार चार युवक संदिग्ध अवस्था में दिखे। पुलिस उन्हें पकड़कर थाना ले गई। कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने ठगी की कई वारदातों में शामिल होने की बात कबूल की। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शंभु कुमार साह, शशि भूषण,

छड़वा डैम का फाटक टूटने से जलापूर्ति पर मंडराया संकट, मरम्मत के अभाव में जर्जर हुआ था फाटक

हजाररीबाग, संवाददाता

कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र का प्रसिद्ध छड़वा डैम, जो वर्ष 1952 में दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के अधीन बनाया गया था, इन दिनों गंभीर संकट से जूझ रहा है। डैम का एक फाटक टूट जाने से जलस्तर में तेजी से गिरावट की आशंका बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार अब डैम में मात्र 19 से 20 फीट पानी ही शेष रह जाएगा, जबकि इसकी कुल क्षमता 33 फीट है।मरम्मत के अभाव में जर्जर हुआ फाटकः- कंचनपुर पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि डैम पर पुल निर्माण के बाद लोहे का गेट लगाया गया था, लेकिन पिछले कई दशकों से उसकी मरम्मत नहीं हुई। नतीजतन फाटक पूरी तरह जर्जर हो चुका था और अंततः एक फाटक टूट गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत कर दी जाती, तो आज यह संकट नहीं उत्पन्न होता।

गोंदा डैम बना टूटने का कारणः

जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में गोंदा डैम से छड़वा डैम में अत्यधिक जल प्रवाह होने के कारण दबाव बढ़ गया, जिससे यह फाटक टूट गया। लगातार बारिश और बढ़ते जलस्तर ने भी इस समस्या को और गंभीर बना दिया।क्षेत्रफल और प्रबंधन में घटावः-निर्माण के समय छड़वा डैम का क्षेत्रफल लगभग 1500 एकड़ में फैला हुआ था, लेकिन अब यह घटकर 1400 एकड़ रह गया है। डैम की लीज नगर निगम के पास है, जबकि जल संरक्षण विभाग, हजारीबाग के माध्यम से शहर में जलापूर्ति की जाती है।वही लीज धारक पप्पू कुशवाहा ने बताया कि फाटक टूटने से लगभग 25 लाख रुपये का बीज (मछली पालन हेतु) बह गया ।

इस संबंध में उन्होंने नगर निगम को दूरभाष पर सूचना दी है और शीघ्र ही लिखित आवेदन देकर नुकसान की भरपाई की मांग करने की बात कही है।शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट का खतराः- डैम का फाटक टूटने से हजारीबाग शहर में पेयजल आपूर्ति पर बड़ा संकट मंडरा जाएगा। अनुमान है कि दो से तीन दिनों में पानी का स्तर 20 फीट तक घट जाएगा। ऐसे में हजारीबाग शहर के हजारों लोगों के साथ-साथ कटकमसांडी प्रखंड के तीन पंचायतों में भी जलापूर्ति प्रभावित होगी। अगर अक्टूबर माह में जलस्तर 20 फीट पर पहुंच गया, तो दिसंबर तक जलापूर्ति के मामले में गर्मी जैसे हालात बन सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एक महीने के अंदर शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में गंभीर जल संकट देखने को मिल सकता है।स्थानीय लोगों की मांग है कि शीघ्र मरम्मत व नियमित निरीक्षण हो ।ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने सरकार से मांग की है कि छड़वा डैम की तत्काल मरम्मत कराई जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित तकनीकी निरीक्षण एवं रखरखाव की व्यवस्था की जाए। साथ ही, पुराने लोहे के फाटकों को आधुनिक स्टील गेट से बदलने की मांग भी उठाई गई है।

डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित हुए राजीव आनंद बधाई का लगा तांता

हजाररीबाग, संवाददाता

हजारीबाग। शहर के निवासी राजीव आनंद बिगत दो दशक से समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी महती भूमिका निभा रहे है. इसी कड़ी में बिश्व संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण आयोग नई दिल्ली के द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गयी है साथ ही साथ इन्हे आयोग का आजीवन सदस्य बनाया गया है. इसी वर्ष इन्हे नेताजी स्मृति पुरस्कार एवं नेल्सन मंडेला एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है. इससे पूर्व भी इन्हे गैट अंतराष्ट्रीय अवार्ड से नवाज जा चूका है जो समाज सेवा के क्षेत्र का अति सम्मानित अवार्ड है. जिला एवं राज्य स्तर पर इन्हे अनेक मंच पर अनेक पुरस्कार से सम्मानित किया जा चूका है.बतौर आनंद 2001 से बिभिन्न स्वयं सेवी संस्था से जुड़ के स्वास्थ्य के क्षेत्र में समाज सेवा का कार्य प्रारम्भ किया. तत्पश्चात पत्रकारिता में भी अपनी निरंतर सेवा देते रहे. बिगत 06 वर्षो से लायंस क्लब इंटरनेशनल से जुड़ के आदिम जनजाति, एवं वंचित परिवार के लिये मुख्य रूप से काम कर रहे है.वर्त्तमान में राजीव लायंस क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन, ह्यूमन राइट एवं सोशल जस्टिस मिशन के राज्य अम्बेसडर, आर टी आई एक्टिविस्ट एसोसिएशन के संरक्षक सदस्य, अखिल भारतीय कायस्थ मिशन के सक्रिय सदस्य समेत अनेक अनेक संस्था से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े है.सम्मान के संदर्भ में राजीव ने बताया की सम्मान पाकर अभिभूत हूँ एवं इससे कार्य करने में गति प्रदान होती है इसके लिए सभी सहयोगी एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करता हूँ. सम्मान प्राप्त होने पर सांसद हजारीबाग मनीष जायसवाल समेत अनेक जनप्रतिनिधि समेत क्लब के सदस्य ने बधाई दी है.

हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में उपाधीक्षक ने हर दिन बेडशीट बदलने का दिया निर्देश

पलामू, संवाददाता

अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में मरीजों की सुविधा और अस्पताल की व्यवस्था सुधारने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया गया है। अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार रवि ने स्वच्छता और अनुशासन को ध्यान में रखते हुए सप्ताह के हर दिन अलग-अलग रंग की बेडशीट लगाने की व्यवस्था शुरू की है। अस्पताल में सप्ताह के दिन के नाम के अनुसार सूची भी अस्पताल परिसर लगाई गई है, जिसमें यह उल्लेख है कि सोमवार से रविवार तक किस दिन कौन-से रंग की बेडशीट बिछाई जाएगी। इससे मरीज व उनके परिजन आसानी से जान सकते हैं कि आज का रंग कौन-सा है और बेडशीट समय पर बदली गई है या नहीं। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य अस्पताल में स्वच्छता, पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि अब मरीजों को भरोसा रहेगा कि उनकी बेडशीट रोजाना बदली जा रही है। यह व्यवस्था न केवल अस्पताल की साफ-सफाई सुनिश्चित करेगी, बल्कि स्टाफ को भी अपनी जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करेगी। अस्पताल प्रशासन के इस पहल पर अस्पताल आने वाले लोगो व मरीजों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पहले अस्पताल में एक ही रंग की बेडशीट होने के कारण यह पता नहीं चलता था कि कब उसे बदला गया है। अब सप्ताह के अलग अलग दिनों में अलग-अलग रंगों की वजह से यह साफ नजर आता है कि अस्पताल में साफ-सफाई पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि यह पहल मुख्य रूप से मरीजों की संतुष्टि और स्वच्छता को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से की गई है। आगे अस्पताल में अन्य सुधारात्मक कदम भी उठाए जाएंगे, ताकि मरीजों को बेहतर सुविधा और साफ-सुथरा माहौल मिल सके।

महिला समूह को स्थान नहीं दिया गया तो धनबाद नगर निगम का दरवाजा खटखटाएंगे : पूनम पंडित

धनबाद, संवाददाता

रविवार को झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड धनबाद नगर निगम द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र बिरसा समिति सामुदायिक भवन में शहाबुद्दीन के द्वारा महिलाओं का प्रशिक्षण के लिए आवेदन पत्र जमा किया जा रहा था। सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में 30 महिलाओं का प्रशिक्षण केंद्र चलाया जाता है जिसमें सैकड़ों आवेदन पत्र जमा किया गया है।

उन्नति महिला समूह अध्यक्ष पूनम पंडित ने बताया कि हम सभी महिलाएं कई वर्षों से महिला समूह चला रहे हैं जिससे महिला समूह को स्थान मिलना चाहिए वैसा नहीं होता है। कई बार धनबाद नगर निगम नगर आयुक्त को आवेदन पत्र दिए फिर भी इस पर ध्यान नहीं दिया गया है। महिलाओं ने कहा कि महिला समूह को स्थान नहीं दिया गया तो फिर से धनबाद नगर निगम का दरवाजा हम सभी मिलकर खटखटाएंगे। जिसमें मुख्य रूप से अध्यक्ष पूनम पंडित कोषाध्यक्ष सरिता पंडित रेणु देवी सीमा देवी पूनम देवी आशा कुमारी सीता देवी प्रतिमा देवी पूजा देवी प्रियंका चंद्र जी आशा रानी अल्पना मुखर्जी किरण देवी सेमी कुमारी सिंह कुमारी रागिनी शर्मा लक्ष्मी देवी यदि शामिल थी।

परिजन बोले हुई हत्या ग्रामीणों के सहयोग से किया सड़क जाम, वाहनों की लगी लंबी कतार, पुलिस ने समझाकर जाम हटवाया

कोडरमा, संवाददाता

डोमचांच प्रखंड के पुरनाडीह निवासी अशोक राणा उर्फ कारु राणा पिता स्वर्गीय बद्री राणा उम्र लगभग 40 वर्ष का शरीर अचेत अवस्था में पुरनाडीह जल मीनार के पास पाया गया। परिजन के बताते अनुसार अशोक राणा उर्फ कारू राणा विगत रविवार की सुबह करीब 9:00 बजे दिन अपने घर से निकला और शाम को घर नहीं लौटा ऐसे में उनके घर वाले उसकी खोजबीन करने में जुटे थे। अचानक सोमवार को पुरनाडीह नवनिमार्णाधीन जल मीनार के पास अशोक राणा घायल अवस्था मे ग्रामीणों द्वारा देखा गया।इसके बाद परिजन आनंद-फानन में टेंपो पर उन्हें सदर अस्पताल कोडरमा ले गए। जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। जिसके बाद पीड़ित परिजन ग्रामीणों के सहयोग से कोडरमा गिरिडीह मुख्य मार्ग में पुरनाडीह समीप सड़क को जाम कर दिया और कहने लगे कि जब तक अपराधी का पता नहीं चलेगा। तब तक जाम नहीं हटेगा. घटना एवं जाम की सूचना मिलते ही नवलशाही थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार अपने दल बल के साथ जाम स्थल पर पहुंचे मृतक के परिजन से बात किये। मृतक की पत्नी और मां ने पुलिस प्रशासन को घटना की जानकारी दिया। कहा की अशोक राणा को बेरहमी से मार कर घायल अवस्था मे फेंक दिया गया। वही अस्पताल से शव का पोस्टमार्टम होकर आया तब भी सड़क जाम ही था। वहीं मृतक के पुत्र अंकित के द्वारा नवलशाही थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाया है। लगभग 5 घंटे का जाम से सड़क के दोनों और दो किलोमीटर में सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। नवलशाही थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार के अथक प्रयास एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कोडरमा के दूरभाष से आश्वासन के बाद मृतक के परिजन एवं ग्रामीण ने जाम को हटा लिया। मौके पर मुखिया पप्पू कुमार, पूर्व मुखिया ईश्वर साव, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि पवन राना, संजय साव मुन्ना पंडित, पवन पासवान, बैजनाथ राणा सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

झारखण्ड पुलिस अकादमी में सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स निरीक्षकों का दो सप्ताह के प्रशिक्षण का शुभारंभ

हजारीबाग। झारखण्ड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स अकादमी, जोनल कैम्पस, कोलकाता के 150 सीमा शुल्क एवं अप्रत्यक्ष कर निरीक्षकों का दो सप्ताह का प्रशिक्षण का शुभारम्भ सोमवार को अखिलेश कुमार झा निदेशक, झारखण्ड पुलिस अकादमी हजारीबाग ने किया। जानकारी दी गई कि यह प्रशिक्षण 6 अक्टूबर से 18 नवंबर तक संचालित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में नये आपराधिक कानून 2023 के तहत भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, पीटी, ड्रिल, शस्त्र प्रशिक्षण, फायरिंग आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मौके पर अखिलेश कुमार झा, निदेशक, झारखण्ड पुलिस अकादमी हजारीबाग ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के संबंध में बताया कि वह स्वयं तत्परता से अनुशासित तरीके से उपस्थित रहकर अपने पूरे मनोयोग से प्रशिरक्षण को पूर्ण करें। यह प्रशिक्षण उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने साथ ही प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।उद्घाटन समारोह में अंजनी कुमार झा वरीय उप-निदेशक, किसलय, एडिशनल असिसटेंट डायरेक्टर, राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स अकादमी, जोनल कैम्पस, कोलकाता,रोशन गुड़िया, उप-निदेशक, संजय कुमार, सहायक निदेशक (बाह्य), विजय रंजन कुमार, सहायक निदेशक (अंतः) विकास कुमार सिंह, परिचारी प्रवर तथा इस संस्थान के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

दो दिन से लापता विवाहिता की तलाश में परिजन परेशान, पुलिस से लगाई गुहार

लोहसिंघना थाना क्षेत्र के मंडई खुर्द पंचायत की घटना

हजाररीबाग, संवाददाता

लोहसिंघना थाना क्षेत्र के मंडई खुर्द पंचायत से एक विवाहिता के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। लापता महिला की पहचान प्रिया कुमारी, पति दिनेश कुमार, निवासी लोहसिंघना के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, 4 अक्टूबर की शाम लगभग 4 बजे प्रिया कुमारी गुलाबी रंग की साड़ी पहनकर घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद से वह अब तक घर नहीं लौटी है। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां काफी खोजबीन की, लेकिन कहीं से कोई पता नहीं चल सका।

पति ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

विवाहिता के पति दिनेश कुमार ने इस संबंध में लोहसिंघना थाना में लिखित आवेदन देकर पत्नी की खोजबीन की मांग की है। आवेदन में उन्होंने आशंका जताई है कि कहीं कोई अनहोनी न हो गई हो।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

विवाहिता के एक बेटा और एक बेटी हैं। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर प्रिया कुमारी को सकुशल बरामद करने की मांग कर रहे हैं।

पुलिस जांच में जुटी

लोहसिंघना थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खोजबीन शुरू कर दी है। आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है और मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास जारी है। पुलिस का कहना है कि हर संभव प्रयास किया जा रहा है ताकि लापता महिला का जल्द से जल्द सुराग लगाया जा सके।

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के उदासीनता के बाद ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा कर सड़क का किया मरम्मती कार्य

हजारीबाग, संवाददाता

बरही प्रखंड के दुलमाहा पंचायत के लखना गांव के बडका लखना गिरि मुहल्ला में विकास के इस दौर में भी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों की उदासीनता के चलते कोसों दूर है। ग्रामीणों ने वर्षो से कच्ची गड्ढानुमा जर्जर सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक गुहार लगाई परंतु किसी के द्वारा सुनी नहीं गई। अंततः ग्रामीणों ने मजबुरन 5 सितम्बर को आपस में बैठकर आपसी चंदे के द्वारा सड़क मरम्मत करने का निर्णय लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने आपस में चंदा इकट्ठा कर सड़क निर्माण कार्य शुरू किया है। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि वर्षो से जर्जर व गड्ढानुमा सड़क में जान जोखिम में डालकर आवागमन करने पर मजबूर थे। बरसात के दिनों में ठेहूना भर किचड़ में गिरते हुए आना जाना करना पड़ता है। खास कर स्कूली बच्चों के लिए यह सड़क जान का जंजाल था। कोई भी स्कूल गाड़ी इस सड़क में आना नहीं चाहते थे जिसके कारण बच्चों को आधा किलोमीटर पैदल जा कर स्कूल गाड़ी पकडना पड़ता है।एम्बूलेंस भी गांव नहीं पहुंच पाती है। मरीजों को कंधे पर उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है। ग्रामीणों की इस पहल से जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।सड़क का निर्माण व मरम्मती को लेकर कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर बड़े अधिकारियों तक गुहार लगाया गया परंतु किसी के द्वारा पहल नहीं हुआ।इस गांव में लगभग 30 घर की 150 की आबादी है। तथा अधिकांश किसानों का खेती भी यही सडक में पड़ता है।अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के उदासीनता के बाद आखिरकार ग्रामीणों ने गांव में चंदा इकट्ठा कर इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य का बीड़ा उठाया।सडक की कुल लम्बाई लगभग दो किलोमीटर है जिसमें लगभग 300 मीटर काफी जर्जर है।ग्रामीणों में रामु यादव, संतोष गिरि,छोटी गिरि, राजेश यादव,कलिंदर यादव, वीरेंद्र यादव,मंटु यादव,अरुण गिरि सहित कई लोगों ने बताया कि मुख्य सड़क से गांव तक जाने वाली इस महत्वपूर्ण सड़क आजादी के दशकों बाद से यूंही जर्जर अवस्था में है। गांव में स्कूल व लोगों को मुख्य बाजार जाने के लिए इस सड़क में लोगों का आवाजाही लगा रहता है। गांव में चंदा करने के साथ साथ श्रमदान कर इस महत्वपूर्ण सड़क का मररती का कार्य शुरू किया गया। इस कार्य में मुख्य रूप से रामु यादव संतोष गिरि छोटी गिरि,नरेश गिरि, मंटु यादव अरुण गिरि, राजेश यादव,कलिंदर यादव, वीरेंद्र यादव सहित आदि दर्जनों लोगों ने शामिल होकर श्रमदान किया।

घटवार/घटवाल आदिवासी महासभा के बैनर तले गोविंदपुर डाक बंगला में जिला स्तरीय बैठक संपन्न

धनबाद, संवाददाता

धनबाद जिले के गोविंदपुर प्रखंड स्थित डाक बंगला परिसर में घटवार/घटवाल आदिवासी महासभा के बैनर तले जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता दल गोविंद सिंह ने की, जबकि संचालन बहादुर राय ने किया। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए महासभा के मुख्य पदाधिकारी, महिला-पुरुष जागरूक सदस्य एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक के दौरान वक्ताओं ने सामाजिक संगठन, सामाजिक शक्ति, सामाजिक जागरूकता, एकता और संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। साथ ही, आरक्षण एवं अनुसूचित जनजाति में शामिल किए जाने की लंबित मांग को लेकर समाज के लोगों से एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि घटवार/घटवाल समाज पिछले कई वर्षों से आदिवासी सूची में शामिल होने की मांग को लेकर लगातार आंदोलनरत है। इस विषय पर आगे की रणनीति एवं आंदोलन की रूपरेखा पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में मासिक बैठक आयोजित की जाएगी और जल्द ही नए सिरे से जिला स्तरीय समिति का पुनर्गठन किया जाएगा। मौके पर गंगाधर राय, विष्णु राय, रामकिशोर राय, मधुसूदन राय, सुभाष राय, संजय राय, रामप्रसाद सिंह, शीतलराय, लाल बिहारी राय, विक्की राय, किशोर राय, शीतलराय, परमेश्वर मनीषराय , विकास राय ,राय, पूरन राय, शंभू राय, ललित राय, रेशमा राय, मीनू राय, विजय सिंह, रमेश राय महादेव राय बिट्टू राय, भगतू राय मदन मोहन राय, गोपाल राय, सपन बीरबल राय एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आईएनएस आन्द्रोत में इस्पात की आपूर्ति कर सेल ने रचा नया इतिहास

बोकारो, संवाददाता

देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात निमार्ता और महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने एक बार फिर अपनी तकनीकी दक्षता और स्वदेशी क्षमता का लोहा मनवाया है। सेल ने आईएनएस आन्द्रोत के लिए विशेष ग्रेड स्टील की पूरी आपूर्ति की है। यह युद्धपोत 6 अक्टूबर 2025 को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल हुआ, जो देश की नौसैनिक शक्ति और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है। आईएनएस आन्द्रोत, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) श्रृंखला का दूसरा जहाज है। इस श्रृंखला का पहला जहाज आईएनएस अनार्ला 18 जून 2025 को नौसेना में शामिल हुआ था। इन युद्धपोतों का निर्माण गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। सेल ने इन आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट के लिए आवश्यक एचआर शीट्स और प्लेट्स सहित विशेष ग्रेड स्टील की संपूर्ण आपूर्ति की है। यह स्टील सेल के भिलाई, बोकारो और राउरकेला इस्पात संयंत्रों से तैयार कर भेजा गया। आईएनएस आन्द्रोत का नौसेना में शामिल होना भारत की समुद्री क्षमताओं को और सशक्त बनाएगा। इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया है कि सेल देश की रणनीतिक रक्षा अवसंरचना को मजबूत करने में एक भरोसेमंद और महत्वपूर्ण सहयोगी है।

शांतिपूर्ण दुर्गा पूजा संपन्न कराने पर गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार को सम्मानित किया गया

बोकारो, संवाददाता

दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण समापन और पूरे आयोजन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार एवं उनकी टीम को सोमवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और मुक्ति फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र प्रदान कर प्रशंसा की गई। विहिप के प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार सिन्हा उर्फ पिंकू ने कहा कि दुर्गा पूजा और मेला के दौरान लाखों श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन के लिए आते हैं, ऐसे में विधि-व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन उपायुक्त बोकारो, आरक्षी अधीक्षक बोकारो, बेरमो एसडीएम और बेरमो डीएसपी के निर्देशन में गोमिया पुलिस ने शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूजा सम्पन्न कराई। थाना प्रभारी रवि कुमार ने सम्मान के लिए सभी संगठनों का आभार जताते हुए कहा कि यह सफलता वरीय अधिकारियों, पूजा समितियों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों के सहयोग का परिणाम है। इस अवसर पर विहिप प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार सिन्हा, अरविंद कुमार नायक, जिला मंत्री महेश कुमार स्वर्णकार, शिशु ठाकुर, दिलीप कुमार प्रजापति, प्रकाश प्रजापति, श्याम प्रसाद जायसवाल, नंदलाल महतो, विवेकानंद पांडेय, संतोष साव, आकाश ठाकुर, रोहित राम, रवींद्र यादव, संजय रजवार, मोहित यादव, रौशन जायसवाल, धीरज यादव, शुभम महतो, संतोष जायसवाल, प्रिंस कुमार समेत कई लोग मौजूद रहे।

आरपीएफ बोकारो ने वंदे भारत में मिली छह लाख की पर्स ईमानदारी से लौटाई

बोकारो, संवाददाता

रेलवे सुरक्षा बल बोकारो की टीम ने ऑपरेशन अमानत के तहत लगभग छह लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहनों से भरी एक महिला यात्री की पर्स उसके परिजन को लौटा दी। उप निरीक्षक रोजमत अंसारी, हेड कांस्टेबल रवि कुमार और रामाश्रय यादव 5 अक्टूबर को वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 21896) में एस्कॉर्ट ड्यूटी पर थे। इसी दौरान कोच ए1 की सीट संख्या 21-22 पर एक अनक्लेम्ड पर्स मिली। पूछताछ के बावजूद कोई यात्री मालिक नहीं निकला। यात्रियों, टीटीई सुशील कुमार और कोच अटेंडेंट गोविंद कुमार की उपस्थिति में वीडियोग्राफी के साथ पर्स की जांच की गई। पर्स में एक मंगलसूत्र, जिटिया लॉकेट, पायल, चश्मा और इनहेलर मिला। एक ज्वेलरी शॉप की पर्ची से संपर्क कर समस्तीपुर निवासी शाइनी ठाकुर का पता चला, जो ट्रेन में पर्स भूल गई थीं। अगले दिन उनकी बहन मोनालीषा कश्यप बोकारो आरपीएफ पोस्ट पहुंचीं और सत्यापन के बाद पर्स सुपुर्द की गई। उन्होंने आरपीएफ की ईमानदारी की प्रशंसा की।

न्यूज ब्रीफ

बाढ़ को लेकर मंत्री ने दिया सभी डीएम को पीड़ितों को सहयोग करने का दिया निर्देश

अररिया : बिहार में चुनाव की तिथि घोषित होने के साथ ही आचार संहिता लागू हो गया है लेकिन अररिया जिला समेत अन्य जिलों में मूसलाधार बारिश के कारण हुए जानमाल की क्षति को लेकर बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री विजय कुमार मंडल ने सभी डीएम को बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों को राहत और सहयोग करने का निर्देश दिया। सभी डीएम को मंत्री विजय कुमार मंडल ने बाढ़ पीड़ितों को सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी बाढ़ पीड़ितों को किसी तरह का कष्ट नहीं होने दिया जाएगा और उन्हें समुचित सहयोग प्रदान किया जाएगा।आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री विजय कुमार मंडल ने बाढ़ से फसल क्षति का भी आकलन कर समुचित मुआवजा दिए जाने का निर्देश दिया है। मंत्री विजय कुमार मंडल ने निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की तिथि के घोषणा किए जाने पर कहा कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। जनता पूरी तरह मूड बना चुकी है और एनडीए की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी।

तेज रफ्तार ई-रिक्शा की टक्कर से वृद्ध महिला की मौत

भागलपुर : जिले के घोघा थाना क्षेत्र के पक्की सड़क के पास सोमवार एक सड़क दुर्घटना में वृद्ध महिला प्रभा देवी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि प्रभा देवी सुबह अपने घर से सब्जी खरीदने के लिए बाजार गई थीं। सब्जी लेकर वापस लौटने के दौरान अचानक तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही प्रभा देवी सड़क पर गिर गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जुटे लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी घोघा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विधायक ने 17 करोड़ की विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

भागलपुर : बिहपुर विस के भाजपा विधायक सह सत्तारूढ़ दल के सचेतक इं.शैलेंद्र ने सोमवार को विस क्षेत्र के नारायणपुर प्रखंड में करीब पौने 17 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। विधायक ने नारायणपुर के विभिन्न गांवों में लगभग पौने पांच करोड़ की लागत से बनने वाले 13 सड़कों में तीन में पुलिया और गार्डवाल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। वहीं गनौल-मौजमा में मुख्यमंत्री सेतु योजना मद के करीब 12 करोड़ की राशि से पुल के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह पुल नारायणपुर प्रखंड को गंगा दियारा के बैकठपुर, दुधैला समेत पूरे गंगा दियारा क्षेत्र को प्रखंड मुख्यालय से जोड़ेगा।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

पूर्वी चंपारण : एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी 47वीं वाहिनी रक्सौल, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण तथा स्वच्छ संस्था के तत्वावधान में सोमवार को कस्तूरबा बालिका उच्च विद्यालय परिसर में मानव व्यापार, बाल यौन शोषण, बाल विवाह एवं बाल श्रम की रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग इंस्पेक्टर विकास कुमार ने की। उन्होंने बच्चियों को मानव व्यापार के खतरों पर जानकारी दी। शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दूरी बनाएं। उनके झांसे में न आएं। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ने भी बच्चियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मानव तस्कर बहला-फुसलाकर नौकरी दिलाने के नाम पर बच्चियों की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। खासकर सोशल मीडिया के जरिए बच्चियों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। उन्होंने बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई। साथ ही बताया कि लड़कियों की शादी की उम्र 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष तय है। कम उम्र में विवाह करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने बच्चियों से कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या प्रयास संस्था हेल्पलाइन 9289692023 पर दें।

पटना में दौड़ी मेट्रो ट्रेन, सीएम ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

पटना : बिहार में मेट्रो ट्रेन चलने का इंतजार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही बिहार को पहली मेट्रो ट्रेन की सौगात मिल गई है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को पटना मेट्रो का उद्घाटन करने के बाद खुद मेट्रो ट्रेन में बैठकर पहले सफर का अनुभव किया।

उद्घाटन के दौरान मेट्रो में राज्य सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने आज कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखी। मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार द्वारा उद्घाटन के बाद मेट्रो पाटलिपुत्र आईएसबीटी के पास बने डिपो से निकली और सबसे पहले न्यू आईएसबीटी स्टेशन पहुंची। यह पटना मेट्रो का पहला स्टेशन होगा। वहां से मेट्रो जीरो माइल स्टेशन होते हुए भूतनाथ स्टेशन तक चलेगी। फिलहाल इसी तीन स्टेशनों के बीच परिचालन शुरू किया जा रहा है। पटना मेट्रो का संचालन सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए हर 20 मिनट के अंतराल पर प्रत्येक स्टेशन पर मेट्रो उपलब्ध रहेगी। प्रतिदिन मेट्रो 40 से 42 फेरे लगाएगी। पटना मेट्रो में 3 कोच वाली रैक चलाई जाएगी, जिसकी कुल क्षमता 945 यात्रियों की है। प्रत्येक कोच में लगभग 305 यात्री सफर कर सकते हैं। एक कोच में 147 यात्री बैठकर और शेष खड़े होकर यात्रा कर सकेंगे। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए हर कोच में 12 सीटें आरक्षित रखी गई हैं। मेट्रो फिलहाल न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से जीरो माइल होते हुए भूतनाथ स्टेशन तक चलेगी। इसी साल इसका विस्तार खेमनीचक और मलाही पकड़ी तक की जाएगी।

पूरा परिचालन शुरू होने पर तीन कोच वाली मेट्रो में प्रति ट्रिप लगभग 900 यात्री यात्रा कर सकेंगे। किराए की बात करें तो आइएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपये, वहीं न्यू आइएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपए तय किया गया है। यानी पटना मेट्रो का फिलहाल न्यूनतम किराया 15 रुपये और अधिकतम किराया 30 रुपये रहेगा। मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। कोचों में गेट, खिड़कियों और अंदरूनी हिस्सों पर गोलघर, महावीर मंदिर, महाबोधि वृक्ष, बुद्ध स्तूप और नालंदा के खंडहर जैसे बिहार के विश्वप्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के आकर्षक स्टिकर लगे हैं। मेट्रो ट्रेन के इस उद्घाटन के साथ पटना में आधुनिक यातायात का नया युग शुरू हो गया है, जो शहरवासियों के लिए रोजमर्रा की यात्रा को आसान और सुविधाजनक बनाएगा।

62 हजार महिलाओं को भेजी गई 10-10 हजार की राशि

भागलपुर : मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत सोमवार को भागलपुर जिले की 62 हजार महिलाओं के खाते में 10 हजार की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। यह राशि पटना से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा सीधे लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर की गई। इस अवसर पर भागलपुर के समीक्षा भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने की। पटना से हो रहे सीधा प्रसारण को समीक्षा भवन में उपस्थित अधिकारियों और लाभार्थी महिलाओं ने देखा। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत तीसरी किस्त की राशि भेजी गई है। उन्होंने कहा कि अब तक भागलपुर जिले की करीब साढ़े तीन लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है।

अनुकम्पा के आधार पर 52 अभ्यर्थियों को मिली नियुक्ति

दरभंगा : दरभंगा जिला अंतर्गत माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अनुकम्पा के आधार पर कुल 52 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इनमें 44 विद्यालय लिपिक एवं 8 विद्यालय परिचारी के पद शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी कौशल कुमार ने नियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा विभाग में नियुक्त यह कर्मी अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि अनुकम्पा पर मिली नियुक्ति केवल अवसर नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसका निर्वहन पूरी निष्ठा से किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुंगेर के असरगंज में 2.08 करोड़ रुपये की लागत बनेगा विवाह भवन

एजेंसी

पटना : बिहार में मुंगेर जिला के असरगंज में 2.08 करोड़ रुपये की लागत से विवाह भवन बनेगा। इस बात की जानकारी बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को दी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि मुंगेर जिले के असरगंज नगर पंचायत क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए कुल 2.08 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी मिल गई है।

योजना के अंतर्गत विवाह भवन, जूता-चप्पल स्टैंड, बाउंड्री वॉल, गेट तथा पेभर ब्लॉक का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना का क्रियान्वयन नगर पंचायत असरगंज, मुंगेर द्वारा ई-

टेंडरिंग प्रक्रिया से कराया जाएगा। वहीं, परियोजना की गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला पदाधिकारी द्वारा पर्यवेक्षण और निर्देशन समय-समय पर किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि काम की जगह पर एक सूचना बोर्ड लगाया जाएगा, जिसमें इस योजना पर कितना खर्च होगा, क्या-क्या काम होंगे और कब तक काम पूरा किया जाएगा। यह सब साफ-साफ लिखा रहेगा।

इससे लोगों को पूरी जानकारी मिलती रहेगी और निगरानी भी आसान होगी। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं के बनने से असरगंज में सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर जगह मिलेगी, शहर की सुविधाएं सुधरेंगी और सार्वजनिक स्थानों की उपलब्धता बढ़ेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि तय नियमों और शर्तों का पालन करते हुए काम समय पर पूरा किया जाएगा, जिससे असरगंज में नागरिक सुविधाओं का बेहतर और सुगठित ढांचा तैयार होगा।

चुनाव की अधिसूचना जारी होने पर पुलिस का हुआ फ्लैग मार्च

एजेंसी

अररिया : विधान बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा चुनाव की तिथि की घोषणा करने के साथ ही आचार संहिता लागू हो गई है। निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है और इसी कड़ी में सोमवार को अररिया जिला पुलिस की ओर से पूरे शहर में फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च में जिला पुलिस के साथ पारा मिलिट्री फोर्स के जवान मौजूद रहे।एसपी अंजनी कुमार के निर्देश पर निकले पैदल फ्लैग मार्च बस स्टैंड,चांदनी चौक,महादेव चौक,काली मंदिर चौक सहित अन्य स्थानों पर गई।फ्लैग मार्च का नेतृत्व सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सहित नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक कर रहे थे।अररिया सहित विभिन्न इलाकों में स्थानीय थाना और ओपी पुलिस के द्वारा भी फ्लैग मार्च किया गया।

राजद की ओर से दलित महादलित अधिकार सम्मेलन का आयोजन, एकजुटता पर जोर

एजेंसी

अररिया : फारबिसगंज के राम मनोहर लोहिया पथ स्थित राजद कार्यालय में सोमवार को राजद की ओर से दलित महादलित अधिकार सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मनोज सदा ने की।

जबकि संचालन प्रो.साबिर इरशाद ने किया। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के क्रांति कुंवर, विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व जिला पार्षद मायानन्द ऋषिदेव, किरण भारती, अरुण यादव, प्रो.उद्यानंद यादव,

देवेश ठाकुर, मनोज झा, लालू देव, दिलीप यादव, राजा अली समेत व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अमित पूर्वे अतिथि के रूप में मौजूद रहे। दलित महादलित अधिकार सम्मेलन में बड़ी संख्या में दलित महादलितों ने भाग लिया।

वक्ताओं ने सम्मेलन में शिरकत कर रहे दलित महादलितों से एकजुटता के साथ रहने और लोकतंत्र की मजबूत नींव रखने की अपील की।

मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राजद नेता क्रांति कुंवर ने बिहार में राजद की सरकार बनने पर तेजस्वी प्रसाद की ओर से घोषित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजा हो या रंक सबों को मताधिकार का अधिकार प्राप्त है और सबों के वोट की वैल्यू एक ही होती है। इसलिए विधानसभा चुनाव में वोट के समय अपने अधिकारों का सही इस्तेमाल करने की सलाह और महागठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

बिहार चुनाव अगर बुर्का चलेगा तो घुघंट भी चलेगाः कृष्ण नंदन

एजेंसी

पूर्वी चंपारण : बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर नेताओं की बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा ने मतदान केंद्रों पर बुर्का पर बैन लगाने की मांग की थी जो अब एक राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है। मतदान केंद्रों पर बुर्का बैन की भाजपा की मांग पर विपक्षी दलों ने हमले करना शुरू कर दिया है। विपक्षी दलों को जवाब देते हुए भाजपा के विधायक और गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर मतदान केंद्रों पर चुनाव आयोग बुर्का पर बैन नहीं

लगाता है और उन्हें मतदान केंद्र पर जाने की अनुमति मिलती है तो फिर घुंघट वाली महिलाओं को भी समान छूट मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी का बुर्का हटा कर चेहरा देखना उनके नियम के विरुद्ध है या फिर बेइज्जती का भाव उत्पन्न करता है तो फिर घुंघट हटा कर चेहरा देखना भी उसी भाव के अंतर्गत आता है।

कारोबार

सप्ताह के पहले दिन ही मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

निवेशकों को 2.01 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली : आईटी, हेल्थ केयर और बैंकिंग सेक्टर में हुई जोरदार खरीदारी तथा मजबूत ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में पहुंच गए। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का

जोर बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल लगभग पूरे दिन तेज बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत पर निफ्टी 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और मीडिया सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.82 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.01 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

नीति आयोग को भारत-अमेरिका के बीच जल्द व्यापार समझौते की उम्मीद

- आयोग ने नई दिल्ली में 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' के चौथे संस्करण का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली : नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं। नीति आयोग के सीईओ ने राजधानी नई दिल्ली में

तिमाही आधार पर व्यापार विश्लेषण पर रिपोर्ट (ट्रेड वॉच क्वार्टरली) जारी करते हुए यह बात कही।

सुब्रह्मण्यम ने कहा कि अच्छी बात यह है कि दोनों पक्ष अभी भी एक व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने बातचीत हुई थी, इसलिए मुझे लगता है कि दोनों पक्षों को उम्मीद है।

सुब्रह्मण्यम ने ये भी कहा कि भारत को शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना चाहिए और विनिर्माण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए अपने बाजारों को खोलना चाहिए।

फ्लैट लिस्टिंग के बाद एमपीके स्टील्स के शेयरों में आई तेजी, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली : स्ट्रक्चरल स्टील प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी एमपीके स्टील्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 79 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर इसकी लिस्टिंग 1.20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 84 रुपये के अपर

सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली के कारण हुई बिकवाली के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद एमपीके स्टील्स के शेयर 83.50 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.70 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। एमपीके स्टील्स का 25.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.54 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 19.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

भारत में विनिर्माण और गुणवत्ता केंद्र के लिए एक अरब डॉलर का निवेश करेगी एली लिली

एजेंसी

नई दिल्ली : वैश्विक दवा निर्माता एली लिली एंड कंपनी भारत में एक अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। यह निवेश अनुबंध विनिर्माण को बढ़ाने के लिए अगले कुछ वर्ष में होगा, जिससे भारत में कंपनी की आपूर्ति श्रृंखला क्षमताओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारत में नई अनुबंध निर्माण

सुविधाएं और हैदराबाद में एक विनिर्माण एवं गुणवत्ता केंद्र स्थापित करने के लिए एक अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश करने की योजना है। इस रणनीतिक निवेश से कंपनी की निर्माण एवं आपूर्ति क्षमताओं को और मजबूती मिलेगी, जिससे उसके विकसित होते खंड को समर्थन मिलेगा। एली लिली इंटरनेशनल के अध्यक्ष पैट्रिक जॉनसन ने कहा कि हम दुनियाभर में विनिर्माण और दवा आपूर्ति क्षमता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निवेश कर रहे हैं।

कंपनी के मुताबिक हैदराबाद हब देशभर में कंपनी के अनुबंध निर्माण नेटवर्क के लिए तकनीकी निगरानी प्रदान करेगा। नई सुविधाओं के लिए भर्ती प्रक्रिया तुरंत शुरू होने की उम्मीद है, जिसमें इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, विश्लेषणात्मक विज्ञान, गुणवत्ता नियंत्रण और आश्वासन, और प्रबंधन भूमिकाओं में रिक्तियां शामिल होंगी। कंपनी ने 2020 से मधुमेह, मोटापा, अल्जाइमर रोग, कैंसर, ऑटोइम्यून स्थितियों और अन्य उपचारों के लिए दवाओं का समर्थन करने के लिए विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण, विस्तार और अधिग्रहण में वैश्विक स्तर पर 55 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

जयपुर के अस्पताल में लगी आग, आठ की मौत

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात लगी आग से आठ मरीजों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं भी हैं। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठे किए। अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ट्रॉमा सेंटर में आग लगने की घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। अधिकारियों के अनुसार रविवार रात लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर रूम में आग लगी। स्टोर में पेपर, मेडिकल उपकरण और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे हुए थे। देखते ही देखते आग ने आईसीयू को अपनी चपेट में ले लिया और पूरे वार्ड में धुआं फैल गया। फायर विभाग के कर्मचारी अवधेश पांडे के अनुसार अलार्म बजते ही टीम मौके पर पहुंच गई, लेकिन धुएं के कारण अंदर जाना संभव नहीं था। टीम ने बिल्डिंग की दूसरी ओर से खिड़कियों के शीशे तोड़कर पानी की बौछार की और लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सभी मरीजों को बेड सहित सड़क पर शिफ्ट किया गया। भरतपुर निवासी शेरू ने बताया कि आग लगने से करीब 20 मिनट पहले वार्ड में धुआं दिखाई देने लगा था। उन्होंने स्टाफ को सूचना दी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। थोड़ी देर बाद प्लास्टिक की ट्यूबें पिघलने लगीं और वार्ड बॉय बाहर निकल गए। उन्होंने बताया कि अपने मरीज को उन्होंने स्वयं बाहर निकाला, लेकिन आग के दो घंटे बाद ही उन्हें ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया गया। ट्रॉमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉक्टर डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि आग जिस आईसीयू में लगी, वहां 11 मरीज भर्ती थे। इनमें से छह की मौके पर मौत हो गई। आईसीयू में गैस चैंबर होता है। इस वजह से धुएं और जहरीली गैसों के बाहर निकलने में बाधा आई। गैस तेजी से भीतर फैली और मरीजों की दम घुटने से मौत हो गई। अस्पताल के पास अपने अग्निशमन उपकरण मौजूद थे और उनका प्रयोग किया गया, परंतु जहरीली गैस की अधिकता के कारण स्टाफ को बार-बार बाहर आना पड़ा। इससे बचाव कार्य में विलंब हुआ। धाकड़ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को ही आग का मुख्य कारण माना जा रहा है। मामले की विस्तृत जांच के लिए समिति गठित की गई है। ट्रॉमा सेंटर के उपाधीक्षक डॉ. जगदीश मोदी ने बताया कि आग लगते ही ऑन-ड्यूटी रेजिडेंट डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने मरीजों को बाहर निकालना शुरू कर दिया।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने एसएमएस अस्पताल में आग की घटना पर दुख जताया

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने की घटना में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने की घटना में हुई मौतों की खबर बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

राष्ट्रपति ने 'माई भारत' - राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशभर के विभिन्न राज्यों से कुल 10 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाइयों और उनके कार्यक्रम अधिकारी तथा 30 एनएसएस स्वयंसेवकों को वर्ष 2022-23 के लिए ये श्रेणियों में एनएसएस पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में कार्यक्रम अधिकारी व एनएसएस इकाइयों की श्रेणी में प्रो. लोकेश नाइक के (कर्नाटक), डॉ. सुनीश पीवू (केरल), डॉ. करमवीर (हरियाणा), डॉ. रत्ना श्यामकिशोर नाशिने (छत्तीसगढ़), डॉ. एस. जवाहरकुमारी (तमिलनाडु), श्यामल डे (त्रिपुरा), डॉ. भुवन च. छुटिया (असम), अर्जुन प्रधान (सिक्किम), मनप्रीत कौर (चंडीगढ़) और एन.जी. मैगी साजा (मणिपुर) को पुरस्कार प्रदान किए गए। स्वयंसेवक श्रेणी में प्रियांशु हजारिका (असम) अरुंधती पाणिग्राही (ओडिशा), संजय कुमार बीराहर शामिल हैं। मेरा भारत - राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है।

न्यूज ब्रीफ

वीएलजीसी की पहली यात्रा आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक: सोनोवाल

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय पोत परिवहन, बंदरगाह और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने अति विशाल गैस वाहक (वीएलजीसी) शिवालिक के विशाखापत्तनम बंदरगाह पर आने को भारत की समुद्री शक्ति के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह जहाज आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समुद्री क्षेत्र में हो रहे बदलावों का प्रतीक है। सोनोवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत की समुद्री शक्ति के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है।

माउंट एवरेस्ट पर 200 से अधिक एवरेस्ट पर्वतारोही फंसे

तिब्बत (एजेंसी) : तिब्बत के माउंट एवरेस्ट क्षेत्र में रविवार को आए भयंकर बर्फीले तूफान में लगभग 1,000 पर्वतारोही फंस गए। हिमालय में असामान्य रूप से भारी बर्फबारी और बारिश के कारण बर्फबारी में फंसे कई पर्वतारोहियों को बचावकर्मियों ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। रॉयटर्स ने चीनी सरकारी मीडिया के हवाले से बताया कि रविवार तक 350 ट्रैकर्स कुदांग नामक छोटे से कस्बे में पहुंच चुके थे, जबकि शेष 200 से अधिक ट्रैकर्स से संपर्क स्थापित हो चुका था।

रायबरेली में युवक की हत्या पर कांग्रेस ने की एसआईटी जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी) : कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक युवक की हत्या पर राज्य सरकार से पीड़ित परिवार के लिए एक करोड़ रुपये का मुआवजा, सरकारी नौकरी और विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग की। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि राज्य में पिछले 10 सालों में दलित उत्पीड़न की घटनायें तेजी से बढ़ी हैं। देश में दलित उत्पीड़न की घटनाओं में सबसे अधिक अपराध 5 राज्यों में हुए हैं। इन 5 राज्यों में दलित उत्पीड़न की 75 फीसदी घटनाएं हुई हैं। गौतम ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में देशभर में दलितों के खिलाफ 57,789 अपराध दर्ज किए गए, जबकि उत्तर प्रदेश में दलितों के खिलाफ सबसे अधिक 15,130 मामले दर्ज हुए। उल्लेखनीय है कि 3 अक्टूबर को रायबरेली में हरिओम पासवान नाम के युवक की हत्या की खबर आई थी। इसके बाद तीन हत्या के वीडियो सामने आए। वीडियो में युवक को लाठियों और बेल्टों से पीटा जा रहा था। एक वीडियो में जिनमें से एक में युवक की लाश रेलवे ट्रैक के पास पड़ी हुई थी, जबकि दूसरे में उसकी पिटाई की जा रही थी। इस घटना के बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और ऊंचाहार कोतवाल संजय कुमार का ट्रांसफर कर दिया है।

विसर्जन शोभायात्रा पर पथराव, हिंसा अब तक आठ गिरफ्तार

तैनातभुवनेश्वर (एजेंसी) : ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा विसर्जन शोभायात्रा के दौरान पथराव, हिंसा, तोड़फोड़ और सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाओं में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर एस. देवदत्त सिंह ने सोमवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों से आरोपियों की पहचान की गई। वे फिलहाल पूछताछ के लिए हिरासत में हैं। पुलिस पर पथराव के बाद शहर में 36 घंटे का कर्फ्यू लगाया गया था।

अंतरराष्ट्रीय जल विज्ञान संघ की 12वीं वैज्ञानिक सभा का हुआ उद्घाटन

हरिद्वार (एजेंसी) : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय जल विज्ञान संघ (आईएएचएस) की बारहवीं वैज्ञानिक सभा का उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने उद्घाटन किया। सप्ताहभर चलने वाले इस कार्यक्रम में 49 देशों के 627 से अधिक प्रतिभागी और 682 वैज्ञानिक शामिल हो रहे हैं। इस सभा में जल विज्ञान संबंधी नवाचारों एवं जलवायु परिवर्तन पर विचार-विमर्श होगा।

विकसित भारत 2047 के विजन के तहत आयोजित होगा ईएसटीआई कॉन्क्लेव

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत द्वारा विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने भविष्य को आकार देने की दिशा में 3 नवंबर से 5 नवंबर तक इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी-2025) का आयोजन किया जाएगा। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 13 मंत्रालयों की भागीदारी रहेगी। सोमवार को नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित पूर्वावलोकन कार्यक्रम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों में, दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक भारत की यात्रा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर राजनीतिक दूरदर्शिता और नेतृत्व द्वारा समर्थित, निर्णायक तकनीकी और नवाचार-संचालित प्रयासों द्वारा संचालित रही है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन उभरती और अग्रणी प्रौद्योगिकियों- सेमीकंडक्टर, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक, अंतरिक्ष और स्वच्छ ऊर्जा जैसे 11 चिन्हित विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन युवा नवप्रवर्तकों, मार्गदर्शन प्राप्त करने और उद्योग एवं हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

शिक्षा और नवाचार आधारित अनुसंधान से ही विकास संभवः गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका प्रशिक्षित, कुशल और प्रतिभाशाली युवा वर्ग है। यदि युवा शक्ति को संसाधनों और अवसरों से जोड़ा जाए तो भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को जल्दी हासिल कर सकता है। शिक्षा और नवाचार आधारित अनुसंधान से ही देश के विकास को गति मिल सकती है। गडकरी ने यहां आयोजित 20वें फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा किसी भी देश के भविष्य की नींव होती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में इसकी अहम भूमिका होगी। दुनिया में जो देश आज विकसित हैं, उन्होंने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के बल पर ही अपनी ताकत बढ़ाई है। शिक्षा व्यवस्था को भविष्योन्मुखी बनाया जाए और इसे जिला एवं राज्य स्तर पर स्थानीय जरूरतों और संसाधनों के आधार पर अनुसंधान से जोड़ा जाए। अगर हमारे विश्वविद्यालय और संस्थान यह देखें कि उनके क्षेत्र की क्या आवश्यकताएं हैं और कौन-कौन से संसाधन उपलब्ध हैं, तो वे शिक्षा को स्थानीय विकास से जोड़ सकते हैं। गडकरी ने कहा कि भारत में पहले जहां प्रतिदिन केवल 2 किलोमीटर सड़क बनती थी, अब यह आंकड़ा 40 किलोमीटर प्रतिदिन तक पहुंच गया है। हम देश में बड़े पुल, सुरंगें और मेट्रो प्रोजेक्ट्स बना रहे हैं, लेकिन टनल बोरिंग मशीन और टनल निर्माण की विशेषज्ञता अब भी हमारे पास नहीं है। उन्होंने स्वीडन, ज्यूरिख और जर्मनी जैसे देशों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां टनलिंग को लेकर विशेष संस्थान हैं, जबकि भारत में इस क्षेत्र में रिसर्च और उपकरण निर्माण की भारी कमी है। गडकरी ने कहा कि मलेशिया में हाल ही में एक नई निर्माण तकनीक विकसित की गई है, जो अवसंरचना क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित हो सकती है। इस तकनीक में किसी पुल या मेट्रो लाइन के निर्माण के दौरान सामान्यतः दो पिलर के बीच की दूरी उसे बढ़ाकर 120 मीटर तक किया जा सकता है। यह तकनीक स्टील फाइबर प्रीकास्ट संरचनाओं पर आधारित है, जिसमें दोनों तरफ पिलर खड़े किए जाते हैं और उनके बीच स्टील फाइबर का प्रीकास्ट स्लैब रखा जाता है।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में बाढ़ग्रस्त इलाकों के दौरे पर गए सांसद और विधायक पर हमला

एजेंसी

कोलकाता : उत्तर बंगाल में बाढ़ की तबाही का जायजा लेने पहुंचे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद खगेन मुर्मु और विधायक शंकर घोष पर सोमवार को हमला हुआ। भीड़ के बीच हुई इस घटना में सांसद खगेन मुर्मु घायल हो गए, जबकि शंकर घोष की गाड़ी पर पथराव किया गया, जिससे उसके शीशे टूट गए। खगेन मुर्मु का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। भाजपा के अनुसार, यह घटना नागराकाटा के बामनडांगा क्षेत्र में तब हुई जब मालदा उत्तर के सांसद खगेन मुर्मु और सिलिगुड़ी के विधायक शंकर घोष राहत कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। दोनों नेता सुरक्षा कर्मियों के घेरे में बाढ़ग्रस्त क्षेत्र की ओर पैदल जा रहे थे, तभी भीड़ में से कुछ लोगों ने अचानक धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इसी दौरान एक व्यक्ति ने पीछे से शंकर घोष को धक्का दे दिया। हालात बिगड़ते देख सुरक्षा कर्मियों ने नेताओं को सुरक्षित निकालने की कोशिश की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भगदड़ के बीच सांसद खगेन मुर्मु को पीछे से मारा गया।

जम्मू और कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

श्रीनगर : जम्मू और कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने तीन अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं, जिनमें चुनाव की समय-सारिणी की रूपरेखा दी गई है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों से संसद के उच्च सदन के लिए सदस्यों का चुनाव करने का आह्वान करने के बाद ये अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। चुनाव आयोग ने नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर तय की है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 14 अक्टूबर को होगी। उम्मीदवार 16 अक्टूबर तक अपने नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं। चुनाव आयोग ने 24 अक्टूबर को मतदान की तारीख तय की है। यदि आवश्यक हुआ, तो उसी दिन मतगणना भी होगी। अधिसूचना के अनुसार चार सीटों के लिए तीन अलग-अलग चुनाव हो रहे हैं। पहली और दूसरी सीटों के लिए दो अलग-अलग चुनाव होंगे, जबकि बाकी दो सीटों के लिए एक साथ चुनाव होंगे।

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू का इस्तीफा

पेरिस (एजेंसी): फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने अपने मंत्रिमंडल के औपचारिक रूप से गठन के एक दिन के अंदर ही आज इस्तीफा दे दिया। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि सोमवार सुबह लेकोर्नू ने राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ एक घंटे तक बैठक की जिसके बाद एलिसी पैलेस ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की घोषणा की। यह घटनाक्रम पूर्व प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बेयरू की पिछली सरकार के पतन के बाद लेकोर्नू को प्रधानमंत्री नियुक्त किए जाने के मात्र 26 दिन के भीतर हुआ है। फ्रांस की नेशनल असेंबली में सभी दलों ने लेकोर्नू के मंत्रिमंडल के गठन की कड़ी आलोचना की थी, जिसमें अधिकतर सदस्य बेयरू के मंत्रिमंडल के थे और उसी मंत्रिमंडल को हटाने के लिए ही दबाव बनाया गया था। राजनीतिक दलों ने लेकार्नू सरकार को मतदान के जरिए अपदस्थ करने की धमकी दी थी। अब कई दल जल्द चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। कुछ राष्ट्रपति मैक्रों के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। हालांकि मैक्रों ने स्पष्ट किया है कि वह 2027 में अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले पद नहीं छोड़ेंगे। जुलाई 2024 में हुए संसदीय चुनावों के परिणामस्वरूप खंडित जनादेश के कारण फ्रांसीसी राजनीति अत्यधिक अस्थिर रही है। इस कारण किसी भी प्रधानमंत्री के लिए विधेयकों और वार्षिक बजट को पारित कराने के लिए आवश्यक समर्थन जुटाना मुश्किल हो गया है। राष्ट्रपति मैक्रों के वफादार एवं पूर्व सशस्त्र बल मंत्री लेकोर्नू दो साल से भी कम समय में आए फ्रांस के पांचवें प्रधानमंत्री थे।

ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के बीच ऐतिहासिक रक्षा संधि

एजेंसी

कैनबरा : ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव को कम करना और ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र के जरिए चीन द्वारा उसके शक्ति प्रदर्शन को रोकना माना जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने यहां संसद भवन में पुकपुक संधि पर हस्ताक्षर किए। संधि का मुख्य उद्देश्य दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव को कम करना और ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र के जरिए चीन द्वारा उसके शक्ति प्रदर्शन को रोकना माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह समझौता दोनों देशों के दीर्घकालिक संबंधों को एक औपचारिक गठबंधन में बदल देगा। पापुआ न्यू गिनी मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह ही इस ऐतिहासिक समझौते को औपचारिक रूप से मंजूरी दी थी।

बाढ़ग्रस्त इलाके में आरएसएस बने संकटमोचक

एजेंसी

कोलकाता : लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने उत्तर बंगाल के कई जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। अनेक क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई घर जलमग्न हो चुके हैं और सड़कों पर आवाजाही ठप पड़ गई है। इस प्राकृतिक आपदा में जब प्रशासन राहत कार्य में जुटा है, वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक त्वरित रूप से राहत और बचाव कार्य में सक्रिय हो गए हैं।

जैसे ही खबर आई कि जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, मालबाजार और दार्जिलिंग के तराई इलाकों में लोग बाढ़ और बारिश से बुरी तरह प्रभावित हैं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बिना किसी देरी के राहत सामग्री लेकर क्षेत्र पर पहुंच गए। स्वयंसेवकों ने प्रभावित इलाकों में जाकर, खाद्य सामग्री, पीने का पानी, कंबल, दवाइयाँ, और अन्य आवश्यक वस्तुएं जरूरतमंदों तक पहुँचाईं। कई जगहों पर वे प्रशासन और स्थानीय नागरिक रक्षा बलों के साथ मिलकर फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य भी कर रहे हैं। विशेषकर निचले इलाकों में बाढ़ के पानी में फंसे बुजुर्गों, उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों से सैकड़ों स्वयंसेवक राहत अभियान में शामिल हैं। स्वयंसेवकों ने कहा कि 'यह मानवता की सेवा का समय है – जब देश का कोई हिस्सा संकट में हो, तो हर स्वयंसेवक का कर्तव्य है कि वह निस्वार्थ भाव से लोगों के बीच पहुंचे।'

समुद्री बेड़े में दूसरा उथला जल पोत आईएनएस 'एंड्रोथ' शामिल

भारतीय नौसेना को तटीय क्षेत्रों में शत्रुओं का मुकाबला करने में अब आसानी होगी

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना ने सोमवार को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में दूसरे पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) आईएनएस एंड्रोथ को अपने समुद्री बेड़े में शामिल कर लिया। यह पोत अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और संचार प्रणालियों से लैस है, जिससे यह सतह के नीचे के खतरों का सटीकता से पता लगा सकता है। इस वजह से नौसेना की समुद्री जल क्षमता बढ़ेगी और तटीय क्षेत्रों में शत्रुओं का मुकाबला करने में आसानी होगी। नौसेना ने आईएनएस एंड्रोथ को 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ भारत की समुद्री आत्मनिर्भरता का एक चमकदार प्रतीक बताया है। आईएनएस एंड्रोथ को 77 मीटर लंबाई और लगभग 1500 टन विस्थापन क्षमता के साथ तटीय और उथले पानी में पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है।

यह पोत अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और संचार प्रणालियों से लैस है, जिससे यह सतह के नीचे के खतरों का सटीकता से पता लगाकर उन्हें बेअसर कर सकता है।

तकनीकी रूप से उन्नत मशीनरी और नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित यह पोत उथले पानी में लंबे समय तक संचालन कर सकता है। कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में निर्मित यह पोत समुद्री डीजल इंजनों से संचालित होगा। इसकी क्षमताएं समुद्री निगरानी, खोज और बचाव, तटीय रक्षा मिशन और निम्न तीव्रता वाले समुद्री अभियानों तक विस्तृत हैं। आईएनएस एंड्रोथ की भूमिका तटीय क्षेत्रों में शत्रुओं के खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण होगी। इस जहाज का नौसेना में शामिल होना स्वदेशीकरण, नवाचार और क्षमता संवर्धन पर निरंतर जोर देने के साथ ही भारत की समुद्री सुरक्षा संरचना को मजबूत करने में जीआरएसई के महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है।

जहाज का नाम लक्षद्वीप समूह के सबसे उत्तरी द्वीप एंड्रोथ के नाम पर रखा गया है, जो भारत के समुद्री क्षेत्र में अपने ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व के लिए जाना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय शांति दूत प्रेम रावत को अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी ने डी.लिट् की उपाधि से नवाजा

एजेंसी

हैदराबाद : तेलंगाना के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री जिष्णु देव वर्मा ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के 26वें दीक्षांत समारोह में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वक्ता, लेखक एवं शांति दूत श्री प्रेम रावत को डॉक्टर ऑफ लेटर्स की मानद उपाधि से सम्मानित किया। यह समारोह भवन्नम वेंकटम सभागार में आयोजित हुआ। यह सम्मान श्री प्रेम रावत को शांति और मानवीय क्षमता को बढ़ावा देने के प्रति उनके आजीवन समर्पण के लिए प्रदान किया गया। उन्होंने अपनी पुस्तकों, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संसद जैसे वैश्विक मंचों पर दिए गए व्याख्यानों तथा पीस एजुकेशन प्रोग्राम – जो आज 80 देशों के 1,500 शैक्षणिक संस्थानों और 890 जेलों में संचालित है – के माध्यम से दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री प्रेम रावत ने कहा, यह विश्वविद्यालय छात्रों के लिए ऐसे द्वार खोलता है, जिनसे वे जीवन में अपनी इच्छानुसार आगे बढ़ सकें। मैं भी अपनी ओर से द्वार खोलने का प्रयास करता हूं – शांति और आंतरिक क्षमता के लिए। एक प्रकार से हम दोनों का एक ही अतुल्य ध्येय है। गौरतलब है कि श्री प्रेम रावत अब तक 110 से अधिक देशों में शांति संदेश दे चुके हैं। वे न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलर पुस्तकके लेखक हैं और तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स उनके नाम दर्ज हैं।

बढ़ते शिशु के आहार को न करें नजरअंदाज

अगर छह महीने के बाद शिशु को सम्पूरक महिला के जीवन में बच्चे को जन्म देना सबसे ज्यादा खुशी के पलों में से एक है. किसी व्यक्ति ने तो यहां तक कहा है कि संतान को जन्म देना किसी भी महिला के जीवन में अध्यात्म की गंभीर शुरुआत होती है. आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

अगर छह महीने के बाद शिशु को सम्पूरक आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और बच्चे के शरीर में पोषण-संबंधी कमी आ सकती है. महिला के जीवन में बच्चे को जन्म देना सबसे ज्यादा खुशी के पलों में से एक है. किसी व्यक्ति ने तो यहां तक कहा है कि संतान को जन्म देना किसी भी महिला के जीवन में अध्यात्म की गंभीर

शुरुआत होती है. पहले दिन से ही शिशु और मां एक अटूट बंधन में बंध जाते हैं, जो स्तनपान द्वारा और अधिक मजबूत होता जाता है.

स्तनपान से बच्चों को मिलती है संतुष्टि

मशहूर ब्रिटिश प्रसूति विशेषज्ञ ग्रैंटली डिक-रीड ने कहा है कि नवजात शिशु की केवल तीन मांगें होती हैं. वह अपनी मां की बाजुओं की गर्माहट चाहता है, उसके स्तनों से अपना आहार चाहता है और उसकी उपस्थिति में अपनी सुरक्षा का भान चाहता है. स्तनपान तीनों की संतुष्टि करता है. हालांकि, एक ऐसा समय आता है जब मां का दूध बढ़ते शिशु की पोषण-संबंधी आवश्यकताएं पूरी करने के लिए पर्याप्त नहीं होता. छह माह की आयु से शिशु की अच्छी सेहत, बढ़त और विकास के लिए ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोत और अन्य आवश्यक पुष्टिकर जरूरी हैं.

जब बच्चा छह महीने का हो जाए तब मां के दूध के साथ अर्ध ठोस एवं ठोस खाद्य पदार्थ भी जरूरी हो जाते हैं, इसे कॉम्प्लीमेंट्री फीडिंग कहते हैं. यद्यपि डॉक्टरों का परामर्श है कि अनुपूरक आहार न तो बहुत जल्दी शुरू करना चाहिए और न ही इसमें देरी करनी चाहिए क्योंकि ऐसा करने पर बाद में सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पो

पोषण की जरूरत

फोर्टिस हॉस्पिटल्स के बाल रोग विभाग के निदेशक और विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल नागपाल के अनुसार छह महीने से लेकर 18-24 महीने का वक्त किसी भी बच्चे के लिए अतिसंवेदनशील समय होता है. इंसान के शरीर का सबसे तीव्र विकास शिशुवस्था में होता है और शारीरिक वजन की प्रति इकाई के आधार पर पोषण की जरूरत उच्चतम स्तर पर होती है. यही वह वक्त है जब कई बच्चों में कुपोषण की शुरुआत होने लगती है. केवल छह महीने की उम्र में ही बच्चे की पाचन प्रणाली इस काबिल हो पाती है कि वह अर्ध ठोस और ठोस आहार को पचा पाए. 4 से 6 माह के दौरान उसके पेट और गुर्दे का परिपक्व हो जाता है, जिससे मां के दूध के अलावा अन्य आहार को प्रोसेस करने में उसे मदद मिलती है और इस कार्य को सुरक्षित तरीके से करने के लिए इस उम्र तक उसके मोटर स्किल्स भी विकसित हो जाते हैं.

ठोस आहार वक्त से पहले न दें

इसीलिए चिकित्सा विशेषज्ञों का सर्वसम्मति से यह मानना है कि छह महीने की आयु से बच्चे को सम्पूरक आहार देना शुरू करना चाहिए. ठोस आहार वक्त से पहले खिलाने पर मोटापे, मधुमेह, उदर रोग, एलर्जी तथा अन्य विकृतियों (जैसे बचपन के बाद के वर्षों में खाज) का जोखिम बढ़ जाता है. किंतु माताओं में जानकारी की कमी के चलते समय से पहले ठोस आहार देने का चलन जारी है.

वास्तव में, 4 से 5 महीने के 30 प्रतिशत शिशुओं को अनुपूरक आहार दिया जाता है, जबकि चिकित्सकीय सलाह इसके विपरीत है. इसी तरह, अगर छह महीने के बाद सम्पूरक आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

केवल मां का दूध पर्याप्त नहीं

बच्चे के शरीर में पोषण-संबंधी कमी आ सकती है क्योंकि अब केवल मां का दूध उसकी सभी पोषण आवश्यकताओं पूरा करने में सक्षम नहीं होता. सम्पूरक आहार की अवधि हेतु पोषण-संबंधी सलाह, इस कॉन्सेप्ट पर आधारित है कि मां के दूध से 6 महीने के शिशु की ऊर्जा, प्रोटीन और माइक्रोन्यूट्रीएंट्स संबंधी जरूरतें पूरी नहीं होतीं.

इस उम्र के बाद भी जिन बच्चों को केवल मां के दूध पर ही पोषित किया जाता है उनमें पोषण की कमी रह जाती है और पेचिश व निमोनिया जैसे रोके जा सकने वाले रोगों के खिलाफ प्रतिरक्षा कम हो जाती है.

तनाव की वजह आपका ही घर तो नहीं!

जब किसी घर में रहने वाले लोग गलत दिशा में सोना शुरू कर देते हैं तो उन्हें चिंता घेर लेती हैं. सामान्य कारणों के लिए आपा खोना, नौकरी छूटने के डर के साथ जीना, स्टॉक मार्केट क्रैश के बारे में लगातार सोचना या किसी बीमार पारिवारिक सदस्य या दोस्त के बारे में सोचना हमारी रोजाना की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं. हम सब अनिश्चितता की स्थितियों के बारे में सोचते हैं. ये स्थितियां ही सामान्य चिंता, ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर, सामाजिक चिंता और पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस जैसी बीमारियों के कारण हैं.

हममें से कई ने इन बीमारियों के मूल कारण को जानने की कोशिश किये बिना तनाव, चिंता और डिप्रेशन के साथ जीना सीख लिया है. हमें पता है कि इस हालात का पहले ही इलाज कर लेना चाहिए, फिर भी हम ऐसा तभी करते हैं, जब ये स्ट्रोक्स, हार्ट अटैक, ओबेसिटी, इनफर्टिलिटी जैसे बुरे रूप अख्तियार कर लेते हैं और ये सब लंबे समय तक चलने वाले तनाव, चिंता और डिप्रेशन के परिणाम हैं.

आश्चर्यजनक तो यह है कि हममें से अधिकतर को इस बात का पता तक नहीं है कि इन बीमारियों के मुख्य कारणों में से एक की जड़ें हमारे अपने घर में ही हैं. हमारे घर में हमारे आसपास फैली निगेटिव एनर्जी का परिणाम चिंता और तनाव के रूप में सामने आता है. वास्तुशास्त्र का कहना है कि यदि हमारा घर यूनिवर्सल एनर्जी सिस्टम के आधार पर बना हो तो कोई भी बाहरी तत्व वहां रहने वालों को तनावपूर्ण या चिंतित नहीं कर सकता. वास्तु शास्त्र के अनुसार बनाया गया घर यह सुनिश्चित करता है कि वहां रहने वाले लोग हमेशा शांति महसूस करेंगे, उनकी रोजाना की जिंदगी में आने वाली निगेटिविटी घर की पॉजिटिव एनर्जी से खत्म हो जाती है.

वास्तुशास्त्र ने घर में की जाने वाली हर गतिविधि के लिए कुछ दिशाओं का वर्गीकरण किया है. ये वर्गीकरण हर दिशा में मौजूद एनर्जी के स्तर के अनुसार किये गये हैं. जब किसी घर में रहने वाले लोग मन मंथन वाली दिशा यानी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में सोना शुरू कर देते हैं तो उन्हें चिंता घेर लेती है. चिंता का दूसरा कारण इस जोन में योग या प्रार्थना करना भी है. पिछले 20 वर्षों में वास्तु के क्षेत्र में किये गये शोध एक आश्चर्यजनक तथ्य सामने लेकर आये हैं. इनके अनुसार, डायबिटीज और हाई ब्लडप्रेशर से जूझ रहे अधिकतर लोगों का किचन इसी दिशा क्षेत्र में होता है. इन लोगों के घरों में जब हमने महावास्तु बार चार्ट तकनीक के अनुसार पूर्व-दक्षिण-पूर्व की क्षेत्रीय शक्ति का विश्लेषण किया तो हमें यह पता चला कि इस क्षेत्र की एनर्जी किस तरह वहां रहने वाले लोगों के मन को प्रभावित करती है और व्यक्ति बेचैन हो जाता है. वह सही निर्णय ले पाने की क्षमता खो देता है और उसे कई मामलों में नुकसान का सामना करना पड़ता है. इससे कई स्तरों पर उसकी चिंता और भी बढ़ जाती है. ठीक इसी तरह, इस क्षेत्र का बढ़ा होना किसी भी व्यक्ति को अधिक विश्लेषणात्मक बना देता है.

इस क्षेत्र में सोने से व्यक्ति की चिंता का स्तर बढ़ने के कारण उसे उलझते रिश्ते और खराब स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है. उसके दिमाग में विचारों की उधेड़बुन चलती रहती है. इसलिए आदर्श स्थिति में, पूर्व-दक्षिण-पूर्व में बेडरूम नहीं होना चाहिए. वास्तुशास्त्र केवल आदर्श दिशा के बारे में ही नहीं बताता बल्कि आपको यह भी बताता है कि यदि आपके घर में वास्तु दोष है तो किस तरह निगेटिव एनर्जी को खत्म किया जा सकता है. यह शास्त्र केवल दोषों का पता नहीं लगाता, यह समस्याओं का समाधान भी बताता है.

उदाहरण के लिए, यदि आपका बेडरूम पहले से पूर्व-दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में है तो आपको इसके नकारात्मक प्रभाव को ठीक करने की जरूरत है.

दीवारों को लाइट क्रीम या हल्के पीले रंग के शेड की ओर या पेस्टल ग्रीन के लाइट टोन में करके इस नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है. दीवारों पर ये रंग काफी हद तक तनाव और चिंता को सोख लेते हैं. प्रैक्टिकल केस स्टडीज के आधार पर वास्तु के सरल फार्मुलों को सीख कर आप चिंता से छुटकारा पाने के अलावा उत्साह और फुर्ती से आगे बढ़ सकते हैं. इससे आपको घर से हर निगेटिविटी दूर करने में मदद मिलती है और शांति, समृद्धि और खुशहाली का आवागमन होता है.

इस तरह बनें ग्लैमरस

आप अपनी वार्डरोब देखकर परेशान हो रही होंगी कि इनमें से एक भी पहनने लायक नजर नहीं आ रहा। सभी के साथ यह प्रॉब्लम रहती ही है, वजह है कम्पलीट गाइडेंस की कमी। जबकि थोड़ी सी जानकारी हो तो आप अपने मौजूदा आऊटफिट्स के सही कॉम्बिनेशन से ही प्रेजेंटेबल नजर आ सकती हैं।

आमतौर पर आप सिंपल रहना पसंद करती हैं, लेकिन आप इस केजुअल लुक को पूरी तरह बदलकर ग्लैमरस नजर आ सकती हैं। इसके लिए विशेष मेहनत की जरूरत भी नहीं होगी। बस आपको चाहिए कुछ फिटिंग वाली ड्रेसेज और क्लासिक एसेसरीज, गजब का मेकअप और राइट एटीट्यूड। वॉर्डरोब को मैनिज करने के लिए पहले अपने कलेक्शन को लिमिटेड करें और बेहद जरूरी चीजों को अलग रखें। इनमें ब्लैक फॉर्मल ट्राउजर, बेज कलर में ट्राउजर, ब्लू जींस, वाइट शर्ट या ब्लाउज, ब्लैक टॉप और फुटवियर्स में वेजेस रखें। इंडो-वेस्टर्न में ऑफिस में पहने जाने वाले कुर्ते या कुर्तियों को डिफरंट बॉटमवियर मसलन जींस, ट्राउजर, स्कर्ट वगैरह के साथ मैच करें।

लिटिल ब्लेक ड्रेसेज

कहीं भी हों, अपने आस-पास के लोगों को नोटिस करें कम से कम दस-पन्द्रह लोग ऐसे मिल जाएंगे, जिन्होंने ब्लेक पहना हुआ होगा। यही वह रंग है जिसे लोग हर मौके पर पहनने को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए जब कुछ न जंचे तो ब्लेक पहन लीजिए।

वेल फिटेड डार्क डेनिम जींस

वार्डरोब में एक जोड़ी वेल फिटेड डेनिम जींस का होना हर महिला के लिए जरूरी है। अवसर के मुताबिक आप जिस तरह से नजर आना चाहती हैं वैसे ही किसी भी तरह के टी, टॉप या ट्यूनिक या फिर लिनिन ब्लाउज को इसके साथ मैच किया जा सकता है। इसके साथ ब्राइट कलर्ड स्कार्फ कैरी कर आऊटफिट को ग्लैमरस लुक दिया जा सकता है।

क्लासिक साड़ी

पारंपरिक प्योर सिलक साड़ी को अच्छे स्टायलिश और फिटेड ब्लाउज के साथ मैच करें। ज्वेल टोन वाली कॉकटेल साड़ी को नूडल स्ट्रेप ब्लाउज के साथ ट्राय करें। साड़ी के बिना किसी भी भारतीय महिला की वार्डरोब अधूरी ही होगी। सिंपल किटी हो या शादी का मौका यह हर अवसर के लिए अनुकूल है। साड़ी कभी भी आऊट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकती, हर बार इसे पहनने का तरीका बदलकर दूसरों को भी नयेपन का अहसास करा सकती हैं।

अनूठी एसेसरीज नया लुक

एसेसरीज के बिना कोई लुक कम्पलीट नहीं हो सकता। अवसर के मुताबिक पहनी गई एसेसरीज आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगा देती हैं। जरूरी नहीं कि यह महंगी ही हो या डिजाइनर बैग्स और शूज ब्रांडेड ही हो। कई बार सिंपल एसेसरीज और बैग्स भी आपको डिफरेंट लुक दे देते हैं। यह इतने भारीभरकम भी न हो कि आपकी पर्सनैलिटी पर भारी नजर आने लगे। सही तरीके से चुनी और पहनी गई एसेसरीज आपको भीड़ में भी अलग पहचान देगी।

फाइंड द राइट

- सबसे पहले तय करें कि आप पर किस तरह की चीजें सूट करेंगी। आऊटफिट्स और एसेसरीज का चुनाव करते समय क्लीयर होना चाहिए कि आपको क्या चाहिए। यह सब आपके बॉडी शेप के मुताबिक ही हो।
- अगर आप लंबी और दुबली हैं तो अल्ट्रा फिटेड लायक्रा आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। यह बॉडी शेप के मुताबिक ढल जाती है।
- अगर आपका फिगर परफेक्ट नहीं हैं, टमी भी बढ़ी हुई नजर आ रही है या बैक पोर्शन हेवी है तो बैलून ड्रेस ट्राय करें।
- अगर आपकी बांहे और कंधे चौड़े हैं तो आपको हॉल्टर नेक ड्रेस पहननी चाहिए। इनके साथ शेंडेलियर इअररिंग्स और ऊंचे और पतली शेप वाले शूज या बैलीज पहनें। यह सब सिंपल और क्लासी हो, और ड्रेसेज का फेब्रिक मौसम के अनुकूल हो।
- वूल और वूल ब्लेंड्स सर्दियों के लिए उचित रहते हैं वहीं सेटिन, सिल्क और रेयोन साल के बाकी महीनों के लिए।

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिजाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दर्शार्ता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया,मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं। 2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है। ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगस्त में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी।नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है।

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिजाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दशार्ता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है । तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू स्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है। , कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और लाइव-री अभ्यास भी हुए हैं - कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर झ जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है । नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है । भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिजाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था। हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैं: तनाव नियंत्रण, बाहरी हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा। 1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अस्तित्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमजोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए।

संपादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खचीर्ली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दशार्ते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है।

सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है।

कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सियासी शतरंज की बिसात पर नया दौर

विनोद कुमार सिंह

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 की चुनावी बिगुल बज चुकी है। चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर औपचारिक रूप से तिथियों की घोषणा कर दी। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों–6 और 11 नवंबर-में संपन्न होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष–दोनों ही गठबंधन–अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।

एनडीए और महागठबंधन दोनों में सीटों के बँटवारे को लेकर मंथन जारी है। एनडीए खेमे में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान करीब 40 सीटों की माँग कर रहे हैं, जबकि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के नेता जीतन राम मांझी गयाझऔरंगाबाद जैसे क्षेत्रों में अपने प्रभाव के अनुरूप अधिक सीटें चाहते हैं।

दोनों नेताओं ने संकेत दिए हैं कि यदि माँगें नहीं मानी गईं तो वे स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ सकते हैं–जो एनडीए की एकजुटता के लिए चुनौती बन सकता है।वहीं महा गठबंधन ने भी अपनी तैयारी तेज कर दी है। राजद, कांग्रेस और वामदलों ने मिलकर 'बदलाव और बेरोजगारी के खिलाफ जनसंग्राम' का नारा दिया है।

एनडीए की सबसे बड़ी ताकत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की साझा छवि है।

केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सत्ता में रहने का लाभ एनडीए को मिल सकता है।

भाजपा 'स्थिर सरकार, मजबूत बिहार' के संदेश के साथ जनता तक पहुँचने की कोशिश में है।

नीतीश कुमार का प्रशासनिक अनुभव अब भी कई वर्गों को प्रभावित करता है, हालांकि उनके लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों से कुछ मतदाताओं में असमंजस भी है।

चिराग पासवान, जिन्होंने 2024 में पाँच लोकसभा सीटें जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की, अब विधानसभा में भी निर्णायक भूमिका चाहते हैं। मांझी की पार्टी भले सीमित सीटों पर प्रभावशाली हो, परंतु कुछ क्षेत्रों में उनका जनाधार परिणाम तय कर सकता है।

महागठबंधन की मुहिम : जनता बनाम सत्ता - महागठबंधन ने इस बार 'जनता बनाम सत्ता' का मुद्दा केंद्र में रखा है।

तेजस्वी यादव बेरोजगारी, पलायन और शिक्षा जैसे विषयों पर युवाओं को जोड़ने की मुहिम चला रहे हैं, जबकि कांग्रेस राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित कर रही है।

वामदलों का फोकस किसानों- मजदूरों पर है - महागठबंधन की कोशिश है कि पारंपरिक मुस्लिम-यादव (MY) समीकरण के साथ अति पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों तक भी पहुँच बनाई जाए।

नीतीश कुमार के लगातार 'पाला बदलने' से विपक्ष को 'विश्वसनीयता' का मुद्दा मिला है, जिसे वह भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा।

गाँव से शहर तक प्रचार युद्ध जारी है

ग्रामीण इलाकों में जातीय और स्थानीय समीकरण अब भी निर्णायक हैं। एनडीए 'लाभार्थी वर्ग' को साध रहा है-वे लोग जिन्हें केंद्र या राज्य की योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। भाजपा-जदयू कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकारी योजनाओं की उपलब्धियाँ गिना रहे हैं।

महागठबंधन 'रोजगार और सम्मान' को केंद्र में रखकर युवाओं से संवाद कर रहा है।सोशल मीडिया पर भी जंग तेज है - ट्विटर (X), फेसबुक और यूट्यूब पर दोनों गठबंधन प्रचार अभियान में जुटे हैं।तेजस्वी यादव और चिराग पासवान 'युवा नेतृत्व' के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। महिलाएँ और युवा : सत्ता का नया गणित -इस बार चुनावी परिणामों में महिला और युवा मतदाताओं की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है।

नीतीश सरकार की साइकिल योजना,पोषण आहार और महिला आरक्षण जैसी योजनाएँ अब भी महिला वोटरों के बीच लोकप्रिय हैं।

लेकिन बेरोजगारी और पलायन से जूझ रहे युवाओं में असंतोष विपक्ष के लिए अवसर बन सकता है।

महिलाएँ अब केवल पारंपरिक सोच से नहीं, बल्कि शिक्षा, सुरक्षा और महँगाई जैसे ठोस मुद्दों पर मतदान निर्णय ले रही हैं। एनडीए 'नारी शक्ति-मजबूत बिहार' के नारे पर केंद्रित है,जबकि महागठबंधन 'समान अवसर, समान अधिकार' को मुख्य एजेंडा बना रहा है।

चुनाव आयोग की तैयारियाँ -मुख्य चुनाव आयुक्त और उनकी टीम ने बिहार की प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की है। पूवार्चंल वासियों का महापर्व छठ के बाद दो चरणों में मतदान प्रस्तावित है–6 और 11 नवंबर को होगी , वही मतगणा 14 नम्बर को होगी।सुरक्षा और लॉजिस्टिक कारणों से इस बार बहु-चरणीय मतदान को प्राथमिकता दी गई है।

भविष्य का सियासी गणित -बिहार का मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक है। जाति और धर्म से आगे बढ़कर जनता विकास, रोजगार और शिक्षा पर ध्यान दे रही है। एनडीए के पास मजबूत संगठनात्मक नेटवर्क है–भाजपा की बूथ-स्तरीय मशीनरी और जदयू का प्रशासनिक अनुभव।

वहीं महागठबंधन 'परिवर्तन' के नारे और युवा ऊर्जा के सहारे मैदान में उतरा है।यदि एनडीए चिराग पासवान और मांझी की सीट माँगों को संतुलित ढंग से हल कर लेता है, तो उसकी एकजुटता बनी रह सकती है। अन्यथा मतभेद महागठबंधन को बढ़त दे सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार चुनाव का परिणाम 'माइक्रो कास्ट समीकरण', 'युवा भागीदारी' और 'स्थानीय नेतृत्व की विश्वसनीयता' पर निर्भर करेगा। संक्षेप में बिहार की सियासत का नया अध्याय बिहार में सत्ता की राह हमेशा गठबंधन की राजनीति से होकर गुजरती है।एनडीए के लिए यह चुनाव 'एकता और संयम' की परीक्षा है,जबकि महागठबंधन के लिए 'विश्वसनीयता और वैकल्पिक नेतृत्व' की। जनता का मूड इस बार विकास और भरोसे के इर्द-गिर्द घूमता दिख रहा है।आगामी महीनों में उम्मीदवार चयन और प्रचार रणनीति यह तय करेंगे कि बिहार की जनता स्थिरता चुनेगी या बदलाव। एक बात तय है –2025 का बिहार विधानसभा चुनाव केवल सत्ता का संघर्ष नहीं, बल्कि राज्य की सियासी संस्कृति के पुनर्निर्माण की लड़ाई होगा।

मुद्दा-खाद्यान्न संकट से निपटना बड़ी चुनौती

अविनाश चन्द्र

21वीं सदी में भारत सहित समस्त विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती खाद्यान्नों के संकट से निबटने की होगी। वर्ष 2050 तक दुनिया की आबादी के 9.3 अरब होने उम्मीद है। इतनी बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्तमान में होने वाले कुल वैश्विक उत्पादन की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक खाद्यान्नों के उत्पादन की जरूरत पड़ेगी। दुनियाभर में बने युद्ध के माहौल ने कोढ़ में खाज की ही स्थिति पैदा की है। कई ध्ल्वों में बंट चुकी दुनिया के देशों द्वारा खाद्यान्नों के आायात-निर्यात को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किये जाने के कारण समस्या और विकराल हुई है। इसके अलावा धरती की घटती उर्वरा शक्ति के साथ साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निबटते हùए उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करना सभी देशों के लिए मुश्किलों का सबब बनने वाला है। जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक दुष्प्रभाव जिन देशों पर पड़ सकता है उसमें भारत सबसे संवेदनशील देशों वाले वर्ग में आता है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2024 में भारत का स्थान 127 देशों में 105वें क्रम पर है। जबकि 2050 तक भारत की आबादी के बढ़कर 1.7 अरब होने की संभावना है और देशवासियों की खाद्य जरूरतों को पूरा करने उसे कुल वर्तमान उत्पादन की तुलना में उत्पादन को कम से कम 32 प्रतिशत अधिक बढ़ाना होगा।

मुश्किलों की झलक हमें विगत कùछ वर्षो के दौरान स्पष्ट रूप से देखने को मिलने लगी हैं जब आश्चर्यजनक रूप गर्मी फरवरी-मार्च महीने में ही अपने तेवर दिखाने लगती है। बरसात के बदलते पैटर्न ने भी कृषि कार्य को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। वर्ष 2021 का ही उदाहरण लेते हैं। फरवरी तक जिस गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद की जा रही थी और जिसके बल पर रिकॉर्ड निर्यात की योजना बनाई जा रही थी, मई आते आते कम उत्पादन के कारण उस पर पानी फिर गया। आलम ये बना कि सरकार को गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला लेना पड़ा। गेहूं के अलावा चीनी के निर्यात को भी रोक दिया गया। यह एक दिन या एक वर्ष की बात नहीं है। आज समस्त विश्व के समक्ष बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने की बड़ी चुनौती है। दुनियाभर के नीति निर्धारक और वैज्ञानिक इस समस्या का समाधान तलाशने में अनवरत रूप से जुटे हैं। जागल्कता और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के कारण खाद्यान्नों की सबसे ज्यादा मांग विकासशील और अल्पविकसित देशों से होने की उम्मीद की जा रही है। जबकि जलवायु परिवर्तन की सबसे अधिक मार भी इन्ही विकासशील देशों पर ही पड़ने की उम्मीद है। आसन्न संकट को देखते हुए दुनियाभर के नीति नियंताओं के बीच खाद्यान्न संकट से निबटने के लिए कृषि के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकि के प्रयोग से उत्पादन में वृद्धि और उत्पादों के बेहतर संरक्षण को लेकर सहयोग और सामंजस्य पर सहमति तैयार करने का दौर जारी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करते हुए और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि की चùनौती बड़ी है लेकिन जेनेटिकली मॉडिफाइड यानी अनुवांशिक रूप से संशोधित कृषि उत्पादन तकनीकि से उम्मीद जगती है। इस तकनीक से फसलों को जहां कीट, बीमारी और खरपतवार रोधी बनाए जाने में सफलता प्राप्त हुई है वहीं मौसम जनित विषमताओं को झेलने में भी आसानी हुई है। एक दशक पूर्व विकसित सब1ए प्रकार के धान का पौधा बाढ़ और सूखे दोनों प्रकार की परिस्थितियों को झेलने में सक्षम है वहीं गोल्डन राइस विटामिन ए की प्रचूरता से युक्त है। चूंकि बीजों को विकसित करने के दौरान ही उनके जीन में परिवर्तन कर उन्हें कीट और खरपतवार रोधी बना दिया जाता है इसलिए पूरे फसल चक्र के दौरान इन पर रासायनिक कीटनाशकों के छिड़काव की या तो जरूरत नहीं पड़ती या बहुत कम पड़ती है। इस पद्धति से की जाने वाली खेती में बीज रोपने के लिए खेतों की बहुत अधिक जुताई करने की जरूरत भी नहीं पड़ती है जिससे पेट्रो पदार्थों की खपत और प्रदूषक गैसों के उत्सर्जन में भी कमी आती है। रसायनों के न्यून प्रयोग के कारण पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक प्रभावी है। यही कारण है कि वर्ष 1996 तक दुनियाभर में जीएम फसलों का कुल रकबा जहां 17 लाख हेक्टेयर था वहीं 2019 आते आते यह बढ़कर 1 करोड़ 94 लाख हेक्टेयर तक हो गया। भारतीय किसानों ने भी बीटी कॉटन के प्रयोग से बंपर उत्पादन प्राप्त करने और देश को शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की है। कॉटन उत्पादकों ने बीटी बीज की मदद से उत्पादन में 22 प्रतिशत की वृद्धि और मुनाफे में 68 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जबकि इसी दौरान रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग में 37 प्रतिशत की कमी हुई। बीटी कॉटन की सफलता से उत्साहित भारतीय कृषि विज्ञानियों ने वर्ष 2009 में ही बीटी बैंगन भी तैयार कर लिया। व्यापक परीक्षण के बाद खाद्य नियायम प्राधिकरण द्वारा इसका अनुमोदन भी किया गया लेकिन दो दशक से भी अधिक समय से किसान बीटी बैंगन के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए सरकारी हरी झंडी के इंतेजार में हैं। जबकि पड़ोसी देश बांग्लादेश ने 2014 में बीटी बैंगन के उत्पादन को मंजूरी दे दी और तब से वहां व्यापक रूप से इसका उत्पादन और उपभोग किया जा रहा है। सितंबर 2018 में जीईएसी की बैठक में बांग्लादेश में करीब 50 हजार किसानों द्वारा बीटी बैंगन उगाने की जानकारी दी गई थी। इसमें से 27 हजार से ज्यादा किसान ऐसे थे जिन्होंने पिछली फसल से अपने बीज बचाए थे। इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) और बांग्लादेश एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (बारी) ने बांग्लादेश में बीटी बैंगन की खेती करने और न करने वाले किसानों में 2018 में एक परीक्षण किया और पाया कि बीटी बैंगन की खेती करने वाले किसानों की प्रति किलोग्राम लागत में 31 फीसदी की कमी और प्रति हेक्टेयर कमाई में 27.3 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि कीटनाशकों के प्रयोग में 39 फीसदी की कमी आई और बीटी बैंगन में एफएबीस कीड़े का प्रकोप केवल 1.8 फीसदी था, जबकि दूसरी किस्म के बैंगन में 33.9 फीसदी था। वर्ष 2021 फिलीपिंस में भी बीटी बैंगन को मंजूरी दे दी गई। यही सूरते हाल भारतीय कृषि विज्ञानियों द्वारा विकसित सरसों की जीएम किस्म का भी है। दो दिन पूर्व ही खबर आई कि चीन ने अपने देश में सोयाबीन और मक्का सहित 98 फसलों के जीएम प्राल्प के उत्पादन की अनुमति दे दी है। जबकि भारत में जीएम फसलों का मुद्दा खाद्या९ आपूर्ति से ज्यादा राजनीति का मुद्दा बन चुका है। एक आधारहीन अवधारणा के बल पर यह साबित करने का अनवरत प्रयास चल रहा है कि जीएम खाद्य पदार्थ मानव स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं है। इसके अतिरिक्त इसे विदेशी बीज उत्पादकों के मुनाफे से जोड़कर देसी भावनाओं को भड़काने का काम किया जा रहा है। कुछ सामाजिक संगठनों, कृषि विशेषज्ञों, कीटनाशक उत्पादकों की लॉबी आदि के दबाव में सरकार चाहते हùए भी जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के वाणिज्यिक उत्पादन की अनुमति नहीं दे पा रही है। जबकि लगभग 3 हजार वैज्ञानिक अध्ययनों द्वारा इन फसलों की सुरक्षा का आंकलन किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूरोपीय आयोग और रॉयल सोसाइटी ऑफ मेडिसिन सहित वैश्विक स्तर के 284 संस्थान जीएम फसलों को मानव और पर्यावरण के लिए सùरक्षित मानते हैं। 2016 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंजीनियरिंग और मेडिसिन ने 9 सौ से अधिक प्रकाशनों की समीक्षा की, 80 वक्ताओं को सुना और जनता से 7 सौ से अधिक टिप्पणियां एकत्रित की। वे सभी एक ही निष्कर्ष पर पहुंचे कि गैर जीएम फसलों की तुलना में जीएम उत्पाद मानव स्वास्थ्य के लिए कोई जोखिम पैदा नहीं करते हैं और न ही वे स्पष्ट रूप से किसी पर्यावरणीय समस्या का कारण बनते हैं। यहां तक कि भारत सरकार द्वारा भी संसद में बयान दिया जा चुका है कि जीएम सुरक्षित हैं।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

कांतारा चैप्टर 1 का हिस्सा होना सपने जैसा

रुक्मिणी वसंत साउथ में नाम कमाने के बाद बॉलीवुड में भी कांतारा चैप्टर 1 से चर्चा में हैं। कोविड में आई कांतारा की सुपर सक्सेज के बाद अब इस फिल्म में रुक्मिणी एक न्यू एंट्री हैं। फिल्म को लेकर उत्साहित ये एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी के कई पन्नों को खोल रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा ऋषभ सर पहले मेरी फिल्म 'सप्त सगरदाचे एलो' की तारीफ कर चुके थे और उनके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते थे। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि इससे मुझे इतनी बड़ी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा। जब उन्होंने मुझसे फिल्म में शामिल होने को कहा, तो सच में ये सपना जैसा लग रहा था। जैसे-जैसे मैं कहानी और अपने किरदार को समझने लगी, मेरी उत्सुकता और बढ़ गई। थोड़ी घबराहट भी थी क्योंकि किरदार बड़ा था और कहानी में उसका महत्व काफी था, लेकिन ऋषभ सर का मुझ पर भरोसा देखकर मुझे आत्मविश्वास मिला।

फिल्म में अपने किरदार को निभाने के लिए आपने किस तरह तैयारी की?

ऐसी फिल्म में काम करते वक्त मुझे पूरी तरह संस्कृति में डूब जाना जरूरी लगा, क्योंकि 'कांतारा' सिर्फ कहानी नहीं है ...ये करावली क्षेत्र की परंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई है। मेरे रोल के लिए, भूत-प्रेत और दैव पूजा को गहराई से समझना जरूरी था। लेखकों और ऋषभ सर ने इस प्रक्रिया में मेरी मदद की, सिर्फ रिवाज समझाने तक नहीं, बल्कि ये भी बताया कि ये समाज और लोगों की जिंदगी पर कैसे असर डालते हैं। पूरी फिल्म के दौरान अगर कोई चुनौती थी, तो वो शारीरिक कौशल की थी, जो मुझे अपने किरदार कनकावती को सही ढंग से जीवित दिखाने के लिए सीखनी पड़ी।

सेट पर आपका पहला दिन कैसा था?

पहला दिन हमेशा ही थोड़ी उत्सुकता और थोड़ी घबराहट से भरा होता है। नया सेट, नया माहौल, सब कुछ नया। जब मैं 'कांतारा चैप्टर 1' के सेट पर पहुंची तो टीम पहले से एक महीने से शूट कर रही थी। मुझे उनकी गति में अपना स्थान ढूंढना पड़ा। शुक्र है कि शुरू में कुछ आसान सीन थे। इनमें ज्यादा डायलॉग नहीं थे, जिससे मुझे किरदार की बॉडी लैंग्वेज, नजर और अंदाज पर ध्यान देने का समय मिला। जब डायलॉग वाले सीन आए तो आवाज और दूसरे छोटे-छोटे पैमानों पर काम करना शुरू किया।

'बघीरा', 'मद्रासी', 'कांतारा चैप्टर 1' और आगे 'टॉक्सिक'। पिछला साल आपके लिए एक वरदान जैसा रहा। इस दौर को आप अपने करियर में कैसे देखती हैं?

ये साल मेरे लिए बेहद खास रहा। पिछले अक्तूबर से लेकर अब तक मुझे जो भी फिल्में मिली सभी एक दूसरे से काफी अलग थीं। मेरे लिए यह पूरा दौर प्रयोग और खुद को चुनौती देने वाला रहा है। इस दौरान मैंने दो काम किए, अपनी ताकत और कमजोरियों को जाना और खुद को बेहतर बनाया।

गुलशन देवैया और ऋषभ शेट्टी ने सेट पर आपका कैसे साथ दिया?

ऋषभ सर शुरू से ही बहुत जुड़े रहे। उन्होंने लेखकों की कार्यशाला में भी भाग लिया, जिससे मुझे समझ आया कि एक युवरानी की शारीरिक भाषा कैसी होती है – वह कैसे चलती है, कैसे अपने आप को पेश करती है, उसके बोलने का अंदाज कैसा होना चाहिए? गुलशन सर के साथ काम करना भी बहुत प्रेरणादायक था। मैं हमेशा उनके काम को सराहती रही हूं, चाहे वो 'द हॉन्टिंग' हो या 'मर्द को दर्द नहीं होता'। मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि वह कन्नड़ बेहद खूबसूरती से बोलते हैं। भले ही मैं यह जानती थी कि वह कूर्ग से हैं पर मुझे नहीं पता था कि वह दक्षिण कर्नाटक के इस खास डायलेक्ट में इतने सहज हैं।

शरवरी ने शुरू की वेदांग रैना के साथ नई फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता इम्तियाज अली कर रहे हैं। उनके साथ शरवरी वाघ की अगली फिल्म ने पहले ही फैंस के बीच धूम मचा दी है। वेदांग रैना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग दशहरे के शुभ अवसर पर शुरू हुई है। इस मौके पर अभिनेत्री ने एक भावुक नोट लिखा है। शरवरी वाघ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा सरस्वती पूजा के वक्त घर पर नहीं रह सकी। इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। एक बहुत ही खास निर्देशक और टीम के साथ एक बहुत ही खास फिल्म की शूटिंग शुरू। पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट और फूलों की तस्वीर भी शेयर की।

जन्मदिन पर हुआ फिल्म का एलान

आपको बता दें कि जून में शरवरी के जन्मदिन पर, इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस पल को याद करते हुए उन्होंने उत्साह जाहिर किया। उन्होंने इसे अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन बताया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनका लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने की इच्छा रखती थी।

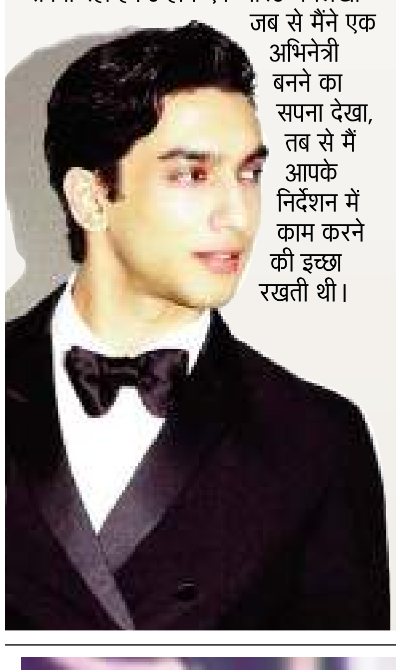

एक्शन फिल्म से हॉलीवुड में डेब्यू करेंगे टाइगर श्रॉफ!

एक्टर टाइगर श्रॉफ जल्द ही हॉलीवुड फिल्म में नजर आ सकते हैं। एक्टर की डेब्यू फिल्म एक ग्लोबल एक्शन फिल्म होगी। इस फिल्म में वो हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर सिल्वेस्टर स्टेलोन और थाई मार्शल आर्ट स्टार टोनी जा के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन एमजीएम एक महत्वाकांक्षी पैन-वर्ल्ड प्रोजेक्ट बनाने पर बातचीत कर रहा है, जिसमें पहली बार तीन एक्शन स्टार्स एक साथ दिखेंगे। रिपोर्ट में सोर्स को कोट करते हुए कहा गया कि यह एक ग्लोबल प्रोजेक्ट है और इसे कई भाषाओं में बनाने पर बात चल रही है। इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है और सूत्र का दावा है कि तीनों एक्टर ने इस प्रोजेक्ट में काम करने की इच्छा जाहिर की है। सूत्र ने कहा है कि टाइगर, सिल्वेस्टर और टोनी जा के साथ पहले राउंड की बातचीत हो गई है। फिल्म के नाम को लेकर डिस्कशन जारी है लेकिन कहा जा रहा है कि मूवी का नाम इंडियन ही होगा। टाइगर श्रॉफ अपने आइडियल सिल्वेस्टर स्टेलोन के साथ इस तरह के पैन-वर्ल्ड एक्शन प्रोजेक्ट में काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। हाल ही में टाइगर की फिल्म बागी-4 रिलीज हुई थी। बता दें कि साल 2017 में टाइगर ने कंफर्म किया था कि वे अपने आइडियल सिल्वेस्टर की क्लासिक फिल्म रेम्बो के हिंदी रीमेक में एक्ट करेंगे। हालांकि, बाद में वह फिल्म नहीं बनी। वहीं, सिल्वेस्टर साल 2009 में अक्षय कुमार और करीना कपूर की फिल्म कमबख्त इश्क में कैमियो रोल कर चुके हैं।

चैप्टर 2 के लिए तैयार हुईं रिया चक्रवर्ती, पांच वर्षों बाद अभिनेत्री को वापस मिला पासपोर्ट

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को लगभग पांच वर्षों के बाद उनका पासपोर्ट मिल गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में सुशांत सिंह राजपूत मामले से जुड़े दस्तावेज वापस करने की इजाजत देते हुए उनके पक्ष में फैसला सुनाया। सुशांत सिंह राजपूत के निधन मामले की जांच के चलते उनका पासपोर्ट जमा कर लिया गया था। पासपोर्ट मिलने पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखी है।
इंस्टाग्राम पर रिया चक्रवर्ती ने अपने कठिन वक्त और अनगिनत संघर्षों को याद करते हुए कहा कि इस दौरान धैर्य ही उनका एकमात्र पासपोर्ट था। अपने संदेश के साथ, उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह एक नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। उन्होंने लिखा पिछले पांच वर्षों से धैर्य ही मेरा एकमात्र पासपोर्ट था। अनगिनत संघर्ष। अनंत आशा। आज, मेरे हाथ में फिर से मेरा पासपोर्ट है। अध्याय 2 के लिए तैयार!
जून 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती सुर्खियों में थीं। उनके और सुशांत के बीच अफेयर की खबरें थीं। 8 सितंबर, 2020 को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उन्हें सुशांत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में हिरासत में ले लिया था। हालांकि, उन्हें एनसीबी के पास अपना पासपोर्ट जमा करने की शर्त पर जमानत मिल गई थी। ल्मों की बात करें तो, रिया आखिरी बार रूमी जाफरी की फिल्म चेहरे में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी और अन्नू कपूर जैसे कलाकारों के साथ काम किया था।

नई जाना गाने ने मेरी पुरानी यादें कर दीं ताजा

पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार नीरू बाजवा का नया गाना नई जाना रिलीज हो गया है। यह उनकी आने वाली फिल्म मधानियां का गीत है। इस गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि इससे उनकी पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं। नई जाना एक पंजाबी गीत है, जिसे मन्नत नूर ने गाया है। मनी औजला ने इसका संगीत दिया है। यह गाना आज के जमाने के म्यूजिक के साथ एक पुराने लोकगीत को पेश करता है। इस गाने में एक शादी का सीन दिखाई दे रहा है। इसमें नीरू बाजवा अपने डांस और खूबसूरती से इस गाने की रौनक बढ़ाती दिख रही हैं। यह गाना पंजाबी शादियों की खुशी और उत्साह को दर्शाता है। गाने के बारे में बात करते हुए नीरू बाजवा ने कहा, 'नई जाना' गाने ने बचपन की शादियों में इसे सुनने की तमाम यादें ताजा कर दीं। मधानियां में इसे परफॉर्म करना बेहद सजीव और मजेदार अनुभव था, क्योंकि यह गाना शरारत, प्यार और हंसी का खूबसूरत मेल है। मैं उत्सुकता से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक भी इसे देखकर वही खुशी महसूस करें, जो हमें इसे फिल्माते वक्त मिली।
नीरू बाजवा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने को शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने हार्ट की इमोजी भी लगाई है। वहीं सिंगर मन्नत नूर ने कहा, यह गाना पूरी तरह से पुरानी यादों को ताजा करता है। पंजाब में हर कोई 'नई जाना' गाने के बारे में जानता है, यह हमारी शादियों और हमारी संस्कृति का हिस्सा है। जब मैंने इसे रिकॉर्ड किया तो मेरा ध्यान उस सार को बरकरार रखने के साथ-साथ आज के श्रोताओं के लिए एक ताजगी लाने पर भी था।

मेरा मुश्किल दौर स्कैम 2003 से मिली शोहरत के बाद शुरू हुआ

वेब सीरीज स्कैम 2003 में अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका के लिए वाहवाही बटोरने वाले एक्टर गगन देव रियार इन दिनों अपनी नई सीरीज 13वीं सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा में हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में आम तौर पर सफलता और शोहरत को मुश्किलों और संघर्ष अंत माना जाता है, पर एक्टर गगन देव रियार का अनुभव बिल्कुल अलग है। हंसल मेहता की चर्चित वेब सीरीज स्कैम 2003 में पेपर घोटाले के मास्टरमाइंड अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका से सुर्खियों में आने वाले एक्टर गगन देव रियार के मुताबिक, उनका सबसे मुश्किल दौर इस सीरीज से मिली सफलता और शोहरत के बाद शुरू हुआ है।

जितना सफल होता हूं, उतना कंफ्यूज होता हूं

करियर के सबसे मुश्किल दौर के बारे में पूछने पर गगन कहते हैं, मेरा सबसे मुश्किल दौर इस वक्त चल रहा है, क्योंकि सफलता को लेकर लोगों का जो नजरिया होता है, जैसे लोग बोलते हैं कि आपने वो हासिल कर लिया, वहां पहुंच गए, तो मुझे समझ में नहीं आता है कि इसके बाद कहां जाना है। ये मेरी पर्सनल जद्दोजहद है। मैं जितना सफल होता जाता हूं, उतना ही कंफ्यूज होता जाता हूं कि आज मेरे पास वो सब है जो मुझे चाहिए था, जिसकी मैंने कल्पना की थी कि घर हो, काम हो, पैसा हो लेकिन वो मकसद कहीं खत्म हो गया है कि मुझे ये करना क्यों था। यह ऊहापोह स्कैम 2003 के बाद शुरू हुई है कि इस सफलता के बाद क्या? आप यहां से कहां जाएंगे?

बहरूपिया बनने में मजा आने लगा

महज 16 साल में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले गगन बताते हैं कि असल में एक्टर बनना उनके पापा का सपना था, जो उन्होंने पूरा किया। बकौल गगन, मैं 16 साल का था। मैंने दसवीं का एग्जाम पास किया था। गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं कि एक दिन पापा ने पूछा, एक्टर बनना चाहते हो? असल में पापा फिल्मों में हीरो बनना चाहते थे। वो बचपन में भागकर यहां आए थे, तो फिल्में हम बहुत देखते थे। शाहरुख खान, जैकी श्रॉफ मुझे भी बहुत पसंद थे, पापा के पूछने पर मैंने कहा-ठीक है। तब उन्होंने मुझे दो महीने का एक एक्टिंग का क्रैश कोर्स कराया, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। लगा कि यह मैं जिंदगी भर कर सकता हूं क्योंकि रोज कुछ नया करने को मिल रहा है। मैं हर रोज एक नया बंदा हूं। वो अलग-अलग रूप धरने में, बहरूपिया बनने में मुझे इतना मजा आने लग गया कि उस कोर्स में 20 बच्चे थे, जिसमें मैं सबसे छोटा था, मगर क्लास में फर्स्ट आया।

जादू की छड़ी जैसी है एक्टिंग

इन दिनों अपनी नई सीरीज 13वीं- सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा बटोर रहे गगन आगे बताते हैं, फिर कॉलेज में जब मैं थिएटर से जुड़ा तो लगा कि एक्टिंग और थिएटर तो एक ही चीज है। मुझे उसमें इतना मजा आने लगा कि मैंने तय कर लिया कि यही करना है। हालांकि, मैं पढ़ाई में होशियार था। चाहता तो बहुत कुछ बन सकता था, मगर एक रूहानी अनुभव जो एक्टिंग में होता है कि आपने कुछ किया, जिससे किसी और को कुछ हुआ। मतलब मैं जो करूंगा, उससे कोई दूसरा हंसता है या रोता है। मुझे ऐसा लगा कि मेरे हाथ में कोई जादू की छड़ी है। मुझे हैपी पॉटर जैसा महसूस हुआ और मैं वो जादूगर बनना चाहता था। बस एक्टिंग का सिलसिला चल पड़ा।

वनडे में 477 रन से जीती टीम

इस खिलाडी ने 97 गेंदों में 217 रन बनाकर उडाया गर्दा

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर 498 रन का है, लेकिन करीब इसके बराबर के अंतर से तो एक टीम 50 ओवरों का क्रिकेट मैच जीत गई. जानिए ये मैच कहां हुआ और जो टीम जीती तो उसने रन कितने ज्यादा बनाए थे.

वनडे इंटरनेशनल में जितना एक टीम का स्कोर नहीं बनता, उससे ज्यादा के अंतर से टीम ने मैच जीता. हालांकि ये अंतर्राष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में नहीं हुआ, लेकिन जिस मैच की बात कर रहे है उसमे बल्लेबाज ने शॉट मार-मारकर गेंदबाजों का बुरा हाल कर दिया. एक ही बल्लेबाज ने 217 रनों की पारी खेली. ये हाई स्कोरिंग मुकाबला 50 ओवरों वाले मलेशियन मेंस अंडर 19 इंटर स्टेट चैंपियनशिप में देखने को मिला. ये मैच पुत्राजया 19 बनाम सालेनगोर 19 था. पहले बल्लेबाजी करते हुए सालेनगोर 19 की टीम ने इतना बडा स्कोर बनाया कि सामने वाली टीम बिखर गई और 477 रनों के बडे अंतर से हार गई.

सालेनगोर 19 ने कितने रन बनाए

आपके मन में सवाल होगा कि कितने रन सालेनगोर ने बनाए जो वो 477 रनों से जीती. बता दें कि पहले बल्लेबाजी करते हुए सालेनगोर कि टीम ने 500 से ज्यादा रन बनाए, टीम ने 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 564 रन बनाए. इतने बडे स्कोर में मुहम्मद अकरम नाम के बल्लेबाज की बडी भूमिका रही, जिन्होंने दोहरा शतक ठोका.

मुहम्मद अकरम ने बनाए 217 रन

अकरम ने 217 रनों की पारी सिर्फ 97 गेंदों में खेली. उनकी इस विस्फोटक पारी के कारण ही सालेनगोर 19 टीम 564 रन बना पाई. जबकि विरोधी टीम के सभी बल्लेबाज मिलकर भी 100 रन नहीं बना पाए.

83 रन पर ऑल आउट हुई पुत्राजया 19

पुत्राजया 19 टीम को जीतने के लिए 565 रनों का लक्ष्य मिला था, जो हासिल करना मतलब नामुमकिन ही था. लेकिन इतने बडे लक्ष्य का पीछा करते हुए इस टीम की इतनी बुरी हालत हो जाएगी, वो भी उन्होंने नहीं सोचा होगा. लक्ष्य का पीछा करते हुए पुत्राजया 19 टीम 21.5 ओवरों में 87 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. इस तरह सालेनगोर 19 ने इस मैच को 477 रनों से जीत लिया.

ROKO के वनडे फ्यूचर पर इस क्रिकेटर की दो टूक

रोहित-विराट को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलने हैं. इस दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान 4 अक्टूबर को किया गया. टी20 टीम में तो ज्यादा फेरबदल नहीं हुआ, लेकिन वनडे टीम बदली-बदली नजर आ रही है. सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीन ली गई है. रोहित की जगह शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया है.

इसके अलावा श्रेयस अय्यर को वनडे उप-कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है.वैसे रोहित शर्मा और विराट कोहली 15 सदस्यीय ओडीआई स्क्वॉड का हिस्सा हैं. रोहित-कोहली आखिरी बार इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में खेले थे. उसके बाद से ये दोनों प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं. टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा कि अगर रोहित और विराट 2027 वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, तो उन्हें लगातार क्रिकेट खेलना होगा.

इरफान का मानना है कि सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि मैच फिटनेस बनाए रखना जरूरी है.

मोहम्मद सिराज का दावा

जसप्रीत बुमराह ओवल में खेलते तो खत्म हो जाता करियर

नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह को साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ में दिक्कत हो गई थी। इसके कारण वह कुछ समय तक मैदान से दूर रहे। वह चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए। आईपीएल 2025 में 12 मैच खेले। इंग्लैंड दौरे पर केवल 3 टेस्ट खेले। एशिया कप में भारत की विजयी अभियान का हिस्सा रहे। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल 3 मैच खेले थे। बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर काफी बहस हुई थी। खासकर तब जब ओवल में आखिरी टेस्ट से पहले भारत 1-2 से पीछे चल रहा था। बुमराह इस मैच में न खेलने के अलावा स्क्वाड से रिलीज हो गए थे। इसके बाद बुमराह की काफी आलोचना हुई और कहा गया वह कौन मैच खेलेंगे और कौन सा नहीं खेलेंगे यह चुनने की उन्हें छूट नहीं दी जानी चाहिए। आइडिया एक्सेंज में ओवल टेस्ट के हीरो मोहम्मद सिराज से बुमराह के न खेलने को लेकर सवाल हुआ। इस पर सिराज ने बुमराह को पीठ की सर्जरी का हवाला देते हुए कहा कि ओवल में वह खेलते तो उनका करियर खत्म हो सकता था। भारतीय फैंस को समझना चाहिए कि बुमराह टीम की रीढ़ की तरह है। उन्होंने बेहतर फैसला लिया।

सिराज ने क्या कहा

बुमराह भाई बाहरी राय की परवाह नहीं करते। उनकी पीठ में गंभीर चोट थी और एक बड़ी सर्जरी भी हुई थी। अगर उन्होंने उस मैच में गेंदबाजी की होती और चोट उभर जाती तो क्या पता वह फिर कभी दोबारा गेंदबाजी कर पाते या नहीं। वह इतनी गंभीर है।

हिकारू नाकामुरा ने डी गुकेश का किंग दर्शकों में फेंका

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज रविवार 5 अक्टूबर 2025 को एक नए विवाद में फंस गया, जब दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा ने टेक्सास के ई-स्पोर्ट्स एरिना अर्लिंग्टन में एक प्रदर्शनी मैच में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराने के बाद उनका किंग दर्शकों के बीच फेंक दिया। प्रदर्शनी मुकाबले में टीम यूएसए ने भारतीय टीम को हराया था।

भारतीय टीम में गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और दिव्या देशमुख जैसे दिग्गज खिलाड़ी थे, लेकिन वे नाकामुरा, फैबियानो कारुआना और कारिसा यिप वाली टीम के खिलाफ 0-5 से हार गए। इस मुकाबले का सबसे बड़ा मुद्दा नाकामुरा द्वारा गुकेश के किंग को दर्शकों के बीच फेंकना था, जिसके बारे में यूट्यूबर लेवी रोजमैन (जिन्हें गोथम शतरंज के नाम से जाना जाता है) जैसे अन्य खिलाड़ियों ने बताया कि खेल के आयोजकों ने ही खिलाड़ियों को ऐसा करने का सुझाव दिया था। इस कृत्य की आलोचना की है, जबकि अनीश गिरी ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इतना हंगामा किस बात का है।

फुटबॉल:

लेवानदॉस्की की चूक से बार्सिलोना को मिली हार, पुलिसिच की गलती से रुका मिलान का जीत का सिलसिला

लंदन, एजेंसी। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रविवार का दिन बार्सिलोना के लिए निराशाजनक रहा। टीम को सेविला के खिलाफ 1-4 की करारी हार झेलनी पड़ी, जो उसकी लगातार दूसरी हार है। इससे पहले बार्सिलोना को चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इस मुकाबले में रॉबर्ट लेवानदॉस्की के पास पेनल्टी के जरिए गोल करने का शानदार मौका था, लेकिन वह गोल पोस्ट को भेद नहीं सके। उनके शॉट को सेविला के गोलकीपर ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया, जिससे टीम के वापसी के मौके लगभग खत्म हो गए। मैच के दौरान टीम के युवा स्टार लेमिन यमाल चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए, जिससे जावी की टीम के लिए मुश्किलें और बढ़ गईं। इस हार के साथ बार्सिलोना अंक तालिका में पिछड़ गई है, जबकि रियल मैड्रिड ने शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रियल मैड्रिड ने शनिवार को विलारियाल को 3-1 से हराकर दो अंकों की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना, जो इस मैच से पहले तक अजेय थी, अब अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले अपनी रणनीति पर गंभीर समीक्षा करेगी।

पुलिसिच की पेनल्टी मिस से रुक गया मिलान का जीत का सिलसिला: इटली की सिरी ए लीग में भी रविवार को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला जब एसी मिलान को यूवेंटस के खिलाफ 1-1 के ड्रॉ पर रुकना पड़ा। इस मैच में स्टार अमेरिकी खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिच ने पेनल्टी का मौका गंवा दिया। पुलिसिच, जिन्होंने इस सीजन में मिलान के लिए छह गोल दागे और दो असिस्ट किए हैं, ने मैच के अहम क्षण में गोल करने का मौका खो दिया। उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से चला गया और टीम को जीत से वंचित कर दिया। यह पुलिसिच के पेशेवर करियर का केवल दूसरा मौका था जब वे पेनल्टी को गोल में नहीं बदल सके। पिछले सीज़न में भी उनके शॉट को टोरिनो के गोलकीपर सर्गेज मिलिनकोविच-साविच ने रोका था।

अंक तालिका में फिसली मिलान, नेपोली और रोमा ने जीते मुकाबले: इस ड्रॉ के साथ एसी मिलान की लगातार पांच जीतों की लड़ी टूट गई है। टीम अब तीसरे स्थान पर खिसक गई है और नेपोली व रोमा से दो अंक पीछे है, जिन्होंने अपने मुकाबले जीतकर शीर्ष की दौड़ में जगह बनाए रखी है। नेपोली ने एक गोल से पिछड़ने के बाद जिनोआ को 2-1 से हराया, जबकि रोमा ने भी फायोरेंटिना को 2-1 से मात दी।

पहले एशिया कप, अब वर्ल्ड कप संडे बना पाकिस्तानियों के लिए बैड डे, टीम इंडिया ने चार बार सिखाया सबक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ वूमेन्स ओडीआई में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा है. भारतीय टीम की महिला वर्ल्ड कप 2025 में ये लगातार दूसरी जीत रही. अब भारतीय टीम 9 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका का सामना करने जा रही है. भारत पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को क्रिकेट के मैदान पर भी लगातार परास्त कर रहा है. अब आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 88 रनों से धो दिया. 5 अक्टूबर (रविवार) को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान के सामने 248 रनों का टारगेट सेट किया था. ये टारगेट पाकिस्तानियों के लिए पहाड़ सरीखा साबित हुआ. पाकिस्तान की पूरी टीम 43 ओवरों में 159 रनों पर ही ढेर हो गई. देखा जाए तो भारत ने बैक टू बैक चार रविवार (संडे) को पाकिस्तानी टीम के खिलाफ मुकाबले जीते हैं. पाकिस्तान के लिए हर रविवार किसी दुःस्वप्न से कम नहीं रहा है. 14 सितंबर, 21 सितंबर और 28 सितंबर- इन तीनों तारीखों को भारत ने मेन्स एशिया कप 2025 में पाकिस्तान को पटखनी दी. अब, 5 अक्टूबर को भारतीय टीम ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को मात दिया. यानी भारत ने लगातार चौथे रविवार जीत का परचम लहराया है. 14 सितंबर को भारतीय पुरुष टीम ने एशिया कप 2025 के ग्रुप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से परास्त किया. फिर 21 सितंबर को पाकिस्तानी टीम भारत के हाथों सुपर-चार मुकाबले में 6 विकेट से पिटी.

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रदर्शन

- 22 पदक, 30 से ज्यादा पर्सनल बेस्ट, 9 स्पर्धाओं में चौथा स्थान, 7 एशियाई और 3 वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की पदक तालिका में मेजबान भारत भले ही 10वें नंबर पर रहा, लेकिन उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने 22 मेडल झटके। भारत के 6 एथलीटों ने स्वर्ण, 9 ने रजत और 7 ने कांस्य पदक झटका। भारत के 30 से ज्यादा एथलीटों ने अपना पर्सनल बेस्ट (सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन) परफॉर्मेंस दिया। 9 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे। 7 खिलाड़ियों ने एशिया का रिकॉर्ड अपने नाम किया। 3 एथलीटों ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप रविवार (5 अक्टूबर) को संपन्न हुआ। मेजबान भारत कुल 22 पदकों के साथ पदक तालिका में दसवें स्थान पर रहा। आखिरी दिन चार पदक जीतने के बावजूद तालिका में स्थान के लिहाज से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं रहा। भारत का तालिका के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले संस्करण में कोबे में रहा था। वह कुल 17 पदकों के साथ छठे स्थान पर रहा था।

आखिरी दिन इन देशों से पिछड़ा भारत

आखिरी दिन से पहले कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड, इटली, स्विट्जरलैंड और थाईलैंड के साथ भारत संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर था, जिनके पास छह-छह स्वर्ण पदक थे। हालांकि, शीर्ष पांच में जगह बनाने की होड़ में ईरान ने तीन स्वर्ण पदक जीते और तीसरे स्थान पर रहा। नीदरलैंड और पोलैंड ने क्रमशः दो और तीन स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष पांच में जगह बनाई, जबकि कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन और इटली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दसवें स्थान पर धकेल दिया।

तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड

भारत ने इस चैंपियनशिप में तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाए। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने एफ64 वर्ग में 71.37 मीटर भाला फेंककर चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता शैलेश कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी42 स्पर्धा में 1.91 मीटर की छलांग लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। पहली बार विश्व चैंपियन बने रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला एफ46 स्पर्धा में 66.37 मीटर की दूरी तय करके चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। भारतीय पैरा एथलीटों ने इस आयोजन में 30 व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किए।

ट्रैक में सबसे ज्यादा पदक

यह विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत द्वारा जीते गए सर्वाधिक ट्रैक पदक हैं। भारत ने नई दिल्ली में छह ट्रैक पदक जीते, जबकि कोबे में पिछले संस्करण में चार पदक जीते थे। सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर टी12 श्रेणी में 100 मीटर में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत पदक झटका। प्रीति पाल ने 100 मीटर और 200 मीटर टी35 श्रेणियों में 100 मीटर में कांस्य और 100 मीटर में रजत झटका। संदीप कुमार पुरुषों की 200 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ विश्व चैंपियनशिप में ट्रैक पदक जीतने वाले पहले पुरुष भारतीय पैरा एथलीट बने।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के लिए पदक विजेता

स्वर्ण

सिमरन शर्मा - महिला 100 मीटर टी12।
शैलेश कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी63।
रिंकू हुड्डा - पुरुष भाला फेंक एफ46।
सुमित अंतिल -पुरुष भाला फेंक एफ64।
संदीप सर्गर - पुरुष भाला फेंक एफ44।
निषाद कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी47।

रजत पदक

सिमरन शर्मा- महिला 200 मीटर टी12।
प्रीति पाल- महिला 200 मीटर टी35।
एकता भयान- महिला क्लब थ्रो एफ51।
दीप्ति जीवनजी- महिला 400 मीटर टी20।
नवदीप सिंह- पुरुष भाला फेंक एफ41।
धरमबीर नैन- पुरुष क्लब थ्रो एफ51।
संदीप- पुरुष भाला फेंक एफ44।
योगेश कथुनिया- पुरुष डिस्कस थ्रो एफ56।
सुंदर सिंह गुर्जर- पुरुष भाला फेंक एफ46।

कांस्य पदक

संदीप - पुरुष 200 मीटर टी44
सोमन राणा - पुरुष गोला फेंक एफ57
प्रवीण कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी64
प्रीति पाल - महिला 200 मीटर टी35
प्रदीप कुमार -पुरुष चक्का फेंक एफ44
अतुल कौशिक - पुरुष चक्का फेंक एफ57
करण सिंह भाटी - पुरुष ऊंची कूद टी63

संक्षिप्त समाचार

जॉर्जिया में चुनाव के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन, प्रदर्शनकारियों ने आगजनी की ; पुलिस ने मिर्च स्प्रे किया

त्बिलिसी एजेंसी। जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में शनिवार को नगरपालिका चुनावों के दौरान सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन के पास सुरक्षा बैरियर तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने कुर्सियों में आग लगा दी और सड़कों पर बैरिकेड्स बनाए। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार, काली मिर्च स्प्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। जॉर्जिया पूर्वी यूरोपीय देश है, जो रूस और तुर्की के बीच स्थित है। यह पिछले साल के संसदीय चुनावों में सत्तारूढ़ जॉर्जियन ड्रीम पार्टी की जीत के दावे के बाद से संकट में है। विपक्षी दलों का कहना है कि उस चुनाव में धोखाधड़ी हुई थी। सरकार ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने की बातचीत को भी रोक दिया है। शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी त्बिलिसी के फ्रीडम स्क्वायर और रुस्तवेली एवेन्यू पर जमा हुए, जिनमें से कई जॉर्जिया, ईयू और यूक्रेन के झंडे लहरा रहे थे। उन्होंने जॉर्जियन ड्रीम पार्टी पर तानाशाही और रूस समर्थक रवैये का आरोप लगाया। कुछ विपक्षी नेताओं ने सरकार को हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पार्टी के 6 नेताओं की गिरफ्तारी की भी मांग की और जनता की इच्छा का सम्मान करने को कहा।

नेपाल में कुदरत का कहर, 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से 18 लोगों की मौत ; कई नदियों का बढ़ा जलस्तर

काठमांडु, एजेंसी। पड़ोसी देश नेपाल में कुदरत का कहर देखने को मिला है। पूर्वी नेपाल के इलम में पिछले 24 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 18 लोगों की जान गई है। दरअसल,रविवार सुबह तक सूर्योदय नगर पालिका में भूस्खलन में कम से कम 5 लोग, मंगसेबुंग नगर पालिका में 3 और इलम नगर पालिका में 6 लोगों की मौत की खबर है। इस आपका के बाद प्रशासन राहत के कामों में लग गया है। बढ़ सकती है मृतकों की संख्या वहीं,एसएसपी पोखरेल ने समाचार एजेंसी एएनआई से फोन पर बातचीत में कहा कि इस आपदा में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। वर्तमान में नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक हमारे पास केवल नुकसान और क्षति का प्रारंभिक विवरण है। प्रभावित इलाकों में सुरक्षा एजेंसियों के तीनों स्तरों (जिसमें नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस शामिल है) को तैनात किया गया है। भारी बारिश और आगे भी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। इस बीच नदियां उफान पर हैं। काठमांडू घाटी के बाढ़ के मैदानों से निवासियों को निकालने के लिए उन्हें तैनात किया गया है। नदियों के किनारे तलाशी अभियान जारी सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को घाटी से होकर गुजरने वाली सभी प्रमुख नदियों के किनारे बसी बस्तियों में तलाशी अभियान चलाया। एजेंसियों ने घर-घर में जाकर तलाशी ली, निवासियों को बाहर निकलने में मदद की और उनके सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की। इन नदियों का जलस्तर बढ़ने की संभावना नेपाल के जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग ने बागमती, हनुमंते, मनोहरा, धोबी खोला, बिष्णुमती, नक्खू और बल्खू नदियों में जलस्तर बढ़ने की जानकारी दी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बाढ़ सड़क किनारे के इलाकों तक पहुंच सकती है और बस्तियों में घुस सकती है। निवासियों और वाहन चालकों से बाढ़ के खतरे के कारण नदी के किनारे यात्रा करने से बचने का आग्रह किया गया है।

असद शासन के तख्तापलट के बाद सीरिया में पहली बार हो रहे संसदीय चुनाव

दश्मिक, एजेंसी। सीरिया में दशकों की तानाशाही और एक लंबे गृहयुद्ध के बाद रविवार को पहली बार संसदीय चुनाव हो रहे हैं। दरअसल, दिसंबर में एक विद्रोही हमले में निरकुंश नेता रहे बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। जिसके बाद यह चुनाव हो रहा है। सीरिया में हो रहा यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि यहां 50 वर्षों से अधिक समय तक असद परिवार ने देश पर कठोर शासन किया था। पिछले 10 वर्षों में सीरिया में हुए गृहयुद्ध ने तबाह कर दिया था। वैसे तो सीरिया में नियमित चुनाव होते रहे थे। जिसमें सभी सीरियाई नागरिक को मतदान करने का अधिकार था। लेकिन असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी हमेशा संसद पर हावी रही, और इन चुनावों को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था।

लोकतांत्रिक प्रकिया पर नहीं हो रहा चुनाव : हालांकि, रविवार को हो रहा चुनाव भी पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर नहीं होगा। बल्कि, पीपुल्स असेंबली की ज्यादातर सीटों पर प्रत्येक जिले के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाएगा, जबकि एक-तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा द्वारा सीधे नियुक्ति की जाएगी। फिर भी चुनाव परिणामों को इस बात का पैमाना माना जाएगा कि अंतरिम सरकारें समावेशिता, खासकर महिलाओं और अल्पसंख्यकों के प्रति, कितनी गंभीर हैं।

कैसे काम करती है यह प्रणाली? : बता दें कि पीपुल्स असेंबली में 210 सीटें हैं, जिनमें से दो-तिहाई रविवार को चुनी जाएंगी और एक-तिहाई नियुक्त की जाएंगी। निर्वाचित सीटों पर देश भर के जिलों के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाता है, और प्रत्येक जिले के लिए सीटों की संख्या जनसंख्या के अनुसार वितरित की जाती है।

चुनावी प्रक्रिया के अनुसार, 60 ज़िलों में कुल 7,000 निर्वाचक मंडल सदस्यों - जिन्हें इस उद्देश्य के लिए नियुक्त समितियों द्वारा प्रत्येक जिले में आवेदकों के समूह में से चुना जाता है। उनको 140 सीटों के लिए मतदान करना चाहिए। लेकिन स्वेदा प्रांत और कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण वाले पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्थानीय अधिकारियों और दमिश्क की केंद्र सरकार के बीच तनाव के कारण चुनाव अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं, जिसका अर्थ है कि ये सीटें खाली रहेंगी। वहीं, करीब 6,000 निर्वाचक मंडल सदस्य 50 जिलों में लगभग 120 सीटों के लिए मतदान करेंगे। व्यक्तिगत रूप चुनाव लड़ रहें नेता गौरतलब है कि असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद अंतरिम अधिकारियों ने सभी मौजूदा राजनीतिक दलों को भंग कर दिया। इसमें अधिकांश असद सरकार से निकटता से जुड़े थे। यहां अभी तक नए दलों के रजिस्ट्रेशन की कोई व्यवस्था नही है। इसलिए सभी उम्मीदवार व्यक्तिगत रूप से चुनाव लड़ रहे हैं।

महिलाओं के लिए कोई रिजर्व कोटा नहीं : संसद में महिलाओं और धार्मिक या जातीय अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व के लिए कोई रिजर्व कोटा नहीं है। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने राष्ट्रीय चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद के हवाले से बताया कि अंतिम सूचियों में शामिल 1,578 उम्मीदवारों में से 14 प्रतिशत महिलाएं थीं। कुछ ज़िलों में, कुल उम्मीदवारों में से 30 या 40 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबकि अन्य में कोई महिला उम्मीदवार नहीं है।

अब हुई देरी, तो भुगतने के लिए तैयार रहना, शांति समझौते को मानने के लिए ट्रंप ने हमास को दी वॉर्निंग

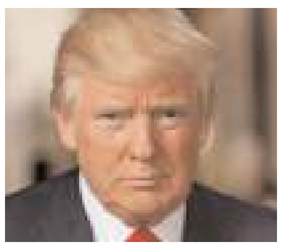

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फलस्तीन में गाजा समूह को चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह (हमास) जल्द से जल्द कदम उठाए और इजरायल के साथ शांति समझौते पर सहमत हो, वरना गाजा में और ताबाही देखने को मिल सकती है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि हमाज को जल्द ही कदम उठाना होगा, वरना सारे दांव बेकार चले जाएंगे। उन्होंने यह भी लिखा कि वह अब देर बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्लान को हमास को मानना चाहिए और इसको जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात की सराहना भी कि इजरायल ने बंधकों की रिहाई और शांति समझौते को पूरा होने का मौका देने के लिए बमबारी अस्थायी रूप से रोक दी है। हालांकि, इस बीच नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि इजरायल ने रात भर में गाजा शहर पर दर्जनों हमले किए।

कोई भी देरी बर्दाश्त नहीं : बताया जा रहा है कि ट्रंप के एक वरिष्ठ दूत बंधकों की रिहाई की जानकारी और को पाने और इस विवरण को अंतिम रूप देने के लिए मिस्र जा रहे थे। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले ही चेतावनी दी है कि इस प्लान में वह देरी बर्दाश्त नहीं करेंगे। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि जेरेड कुशनर और ट्रंप के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ बंधकों की रिहाई के विवरण को अंतिम रूप देने और इजरायल और हमास के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित समझौते पर चर्चा करने के लिए इस क्षेत्र की यात्रा कर रहे हैं।

सभी बंधकों को छोड़ने के तैयार है हमास गौरतलब है कि फलस्तीन में हमास समूह ने शुक्रवार को दो साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने वाली योजना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इस दौरान हमास का कहना है कि वह सभी बंधकों को रिहा करने और समझौते के विवरण पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके बदले में इजरायल से युद्धग्रस्त क्षेत्र पर बमबारी तुरंत रोकने का आह्वान किया, हालांकि क्षेत्र में वाशिंगटन के प्रमुख सहयोगी ने शनिवार को कहा कि उसके सैनिक अभी भी गाजा में सक्रिय हैं।

अमेरिकी पुलिस ने शिकागो में महिला को मारी गोली

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला हुआ है। करीब 10 वाहनों ने उन्हें टक्कर मारते हुए घेर लिया। इस दौरान अमेरिकी संघीय एजेंटों ने एक महिला को गोली मार दी। यह घटना बढ़ते आईसीई विरोधी प्रदर्शन और ट्रंप सरकार द्वारा डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अशांति को कम करने के प्रयासों के बीच हुई है। संघीय एजेंटों का कहना है कि शिकागो के साउथ साइड पर अधिकारियों को फंसाया गया था। डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कम से कम 10 कारों ने अधिकारियों को टक्कर मारी और घेर लिया। उन्होंने आगे लिखा कि एजेंट अपने वाहनों को आगे नहीं बढ़ा पाए और कार से बाहर निकल गए। कानून प्रवर्तन वाहन को टक्कर मारने वाले ड्राइवरों में से एक के पास एक अर्ध-स्वचालित हथियार था। कानून प्रवर्तन को अपने हथियार तैनात करने और एक सशस्त्र अमेरिकी नागरिक पर रक्षात्मक गोलियां चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो खुद ही घावों का इलाज कराने के लिए अस्पताल जा रही थी। मैकलॉघलिन ने पोस्ट के जरिए बताया कि सशस्त्र महिला का नाम पिछले हफ्ते एक खुफिया बुलेटिन में एजेंटों की जानकारी छिपाने और ऑनलाइन पोस्ट करने के लिए दर्ज किया गया था। महिला का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है और शनिवार को उसकी हालत ठीक नहीं थी। इस मामले को लेकर अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज शिकागो में, हमारे बहादुर कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला किया गया - दस वाहनों ने उन्हें टक्कर मार दी और घेर लिया, जिनमें एक अर्ध-स्वचालित हथियार से लैस हमलावर भी शामिल था। मैं घटनास्थल पर नियंत्रण के लिए और विशेष अभियान चला रही हूं। अतिरिक्त बल आ रहे हैं। अगर आज आपको कोई कानून प्रवर्तन अधिकारी मिले, तो उन्हें धन्यवाद दें।

ट्रंप प्रशासन को यूएसफेडरल कोर्ट से बड़ा झटका, पोर्टलैंड में सैनिकों की तैनाती पर लगाई रोक

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी संघीय न्यायालय राष्ट्रपति डोनलड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनानी पर स्थायी रोक लगा दी है। संघीय न्यायालय का कहना है कि हाल के दिनों में हुए विरोध प्रदर्शनों को 'विद्रोह' नहीं कहा जा सकता और यह विरोध कानून-व्यवस्था में गंभीर बाधा नहीं बनती।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया था। लेकिन संघीय जज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को पोर्टलैंड शहर में 200 ओरेगन नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। संघीय न्यायालय द्वारा यह रोक 18 अक्टूबर तक के लिए लगाया गया है। पोर्टलैंड में अमेरिकी जिला जज करिन इमरगुट ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर रोक लगाते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो सके कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन किसी विद्रोह के स्तर तक पहुंचे हों या उन्होंने कानून व्यवस्था में गंभीर बाधा बन रही हो। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि ट्रम्प की तैनाती राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है।

ट्रंप के लिए बड़ा झटका : पोर्टलैंड में अमेरिकी जिला जज करिन इमरगुट का फैसला यह फैसला ट्रम्प के लिए एक झटका है क्योंकि वह उन शहरों में सेना भेजना चाहते हैं। जिन्हें वह अपने डेमोक्रटिक नेताओं की आपत्तियों के बावजूद अराजक बताते हैं। ट्रंप द्वारा अपने पहले कार्यकाल के दौरान नियुक्त किए गए इमरगुट ने ही रिपब्लिकन राष्ट्रपति को कम से कम 18 अक्टूबर तक सेना भेजने से रोक दिया।

वकीलों ने क्या कहा? गौरतलब है कि ट्रंप ने पोर्टलैंड शहर को युद्धग्रस्त बताते हुए नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती करने का आदेश दिया था। लेकिन इस मामले पर ओरेगन अटॉर्नी जनरल कार्यालय के वकीलों ने कहा है कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन छोटे और शांत थे। इसी वजह से 19 जून तक सिर्फ 25 गिरफ्तारियां हुई। जबकि इसके बाद तीन महीनों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

व्हाइट हाउस करेगा अपील करेगा व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने हिंसक दंगों और कानून प्रवर्तन पर हमलों के बाद पोर्टलैंड में संघीय संपत्तियों और कर्मियों की सुरक्षा के लिए अपने वैध अधिकार का प्रयोग किया है। हमें उम्मीद है कि उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दोषमुक्त किया जाएगा।

आपत्तियों के बावजूद सेना भेजने की तैयारी ट्रंप पहले ही लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन डी.सी.।की पुलिसिंग के लिए नेशनल गार्ड भेज चुके हैं, और उन्होंने कहा है कि वह कई अन्य शहरों में भी सेना भेजेंगे। इससे पहले शनिवार को, इलिनॉय के गवर्नर, जो एक डेमोक्रेट हैं, जेबी प्रिट्जकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि ट्रंप उनकी आपत्तियों के बावजूद शिकागो में 300 नेशनल गार्ड सैनिक भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रंप के रोकने के बावजूद गाजा पर हमला कर रहा इजरायल, अटैक में 70 की मौत

येरूसलम, एजेंसी। गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप युद्ध विराम की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इजरायल ने गाजा पर फिर से हवाई हमला शुरू कर दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को हुए इजरायली हमले में कम से कम 70 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। मारे गए नागरिकों में मासूम बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल, ट्रंप हमास-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हमास द्वारा सहमति जताए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल से गाजा पर तुरंत बमबारी रोकने का आदेश दिया था। इसके बाद भी शनिवार को इजरायल द्वारा गाजा पर हमला किया गया है। इस हमले में इजरायली सैन्य ठिकानों के बीच में रहे गाजा शहर के लोग सबसे अधिक हताहत हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वहां 45 लोगों की जान चली गई। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों ने दस लाख से अधिक गाजावासियों को प्रभावित किया है। इजरायल द्वारा किए जा रहे हमले के कारण गाजावासियों को यह इलाका छोड़कर दक्षिणी गाजा की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

हमले से पहले खाली करने का अल्टीमेटम इजरायली सेना ने दक्षिणी गाज़ा में एक विस्थापन शिविर, अल-मवासी पर भी हमले किए हैं। इससे पहले ही इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीनियों को खाली करने के लिए कहा था। इस हमले में दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि कम से कम आठ अन्य घायल हो गए। इसके अलावा तुफाह इलाके में, एक रिहायशी घर पर भी हवाई हमले हुए। जिसमें 18 लोग मारे गए और कई लोग घायल हुए।

ट्रंप ने दी चेतावनी गौरतलब है कि ट्रंप ने इस बात की सराहना की कि इजरायल ने बंधकों की रिहाई के लिए बमबारी अस्थायी रूप से रोक दी, लेकिन हमास को चेतावनी दी कि वह देरी न करे, वरना सब दांव पर लग जाएगा। ट्रंप ने कहा कि मैं देरी बर्दाश्त नहीं करूंगा, जैसा कि कई लोग सोचते हैं कि होगा, या ऐसा कोई भी नतीजा बर्दाश्त नहीं करूँगा जहाँ गाज़ा फिर से ख़तरा पैदा करे। आइए इसे जल्द से जल्द पूरा करें। सभी के साथ उचित व्यवहार किया जाएगा। ट्रंप ने लिखा, जब हमास पुष्टि करेगा, तो युद्धविराम तुरंत प्रभावी हो जाएगा, बंधकों और कैदियों की अदला-बदली शुरू हो जाएगी, और हम वापसी के अगले चरण के लिए परिस्थितियाँ तैयार करेंगे। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, हमास और इजरायल के प्रतिनिधिमंडल भी सोमवार को वार्ता में शामिल होंगे।

कराची में 6 अलग-अलग जगहों पर हुई फायरिंग से दहशत में लोग, 4 की मौत और कई घायल

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में 6 जगहों पर फायरिंग के बाद 4 लोगों की मौत हो गई। यह सभी घटनाएं शनिवार को अलग-अलग जगहों पर दर्ज की गईं। फायरिंग से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। कराची के ओरंगी में कुछ लुटेरों ने इस घटना को अंजाम दिया। इकबाल मार्केट पुलिस स्टेशन में एलपीजी की दुकान पर लूटपाट के दौरान आरोपियों ने दुकानदार पर गोली चला दी और उसकी मौके पर मौत हो गई। दुकानदार ने अपनी जान बचाने के लिए लुटेरे के हाथ से बंदूक छीन ली और उसपर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान आरोपी लुटेरा भी गोली लगने से घायल हो गया और मौके से फरार हो गया। कराची पुलिस के अनुसार, लुटेरे पर पहले से कई गंभीर मामले दर्ज थे। उसपर चोरी, डकैती के अलावा मर्डर का केस भी चल रहा था। वहीं, फायरिंग की दूसरी घटना कराची की शेरपाओ कालोनी में घटी, जहां एक व्यक्ति को सरेआम मौत के घाट उतार दिया गया। व्यक्ति अपनी बाइक से जा रहा था। तभी 2 लोगों ने उसका पीछा किया और बीच सड़क पर उसे गली मार दी। पुलिस का कहना है कि मृतक के सिर में 3 गोलियां मिली हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कराची के मलिर में बकरा पीरी के पास पुलिस एनकाउंटर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक एक पेशेवर लुटेरा था, जिसने कुछ दिन पहले एक दुकानदार की जान ले ली थी। उसका नाम गुलाम कादिर था। एसएसपी के अनुसार, गुलाम समाद काठिवाड़ी नेटवर्क से जुड़ा था और गैंग-वॉर में भी शामिल था। पुलिस को उसके फोन से कई सबूत मिले हैं। न्यू कराची शहर में पुलिस ने एक लुटेरे को गिरफ्तार किया, जो बुरी तरह से घायल था। लोगों ने उसे कराची के निजामाबाद से पकड़ा था और मारपीट कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, एक अन्य हादसे में 3 साल की बच्ची की पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कराची में शनिवार को एक मामला सामने आया था, जिसमें जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट सेंटर में एक महिला को गोली मार दी गई थी।

पाक आर्मी बोली-अब भारत से युद्ध हुआ तो तबाही होगी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को भारत को चेतावनी देते हुए कहा- अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो विनाशकारी तबाही होगी। अगर दुश्मनी का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट से जवाब देंगे। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर कहा कि भारतीय रक्षामंत्री और सेना के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान जंग को बढ़ावा देने की कोशिश है। इसके साथ ही भारतीय आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी पर निशाना साधते हुए पाकिस्तानी सेना ने कहा- जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ से होगा। दरअसल,शुक्रवार को उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था- पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं। अगर अपनी जगह बनानी है, तो उसे आतंकवाद को संरक्षण देना बंद करना पड़ेगा।

ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान के 8 आतंकी ठिकाने तबाह किए : भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया थे। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था।

3 बयान, जिसपर पाकिस्तान ने

प्रतिक्रिया दी : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह (3 अक्टूबर)- जब भी भारत के गौरव और सम्मान की बात आएगी, देश कभी समझौता नहीं करेगा। भारत अपनी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी (3 अक्टूबर)-जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह (3 अक्टूबर)- ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के करीब 12 से 13 विमान तबाह किए गए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट और एक ष्ट-130 (ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट) को जमीन पर तबाह किया। ये विमान पाकिस्तान के एयरबेस और हैंगर (विमानों की पार्किंग) पर खड़े थे। भारत से आ रहे बयान झूठे, उकसाने, बिना सोच-विचार और जंग को बढ़ावा देने वाले हैं। दशकों तक भारत ने खुद को पीड़ित बताकर पाकिस्तान को गलत बताया, जबकि वह खुद हिंसा और आतंक को बढ़ावा देता है। इस साल भारत के कारण दो परमाणु देश युद्ध के कगार पर आ पहुंच गए थे, भारत शायद उन नुकसानों और पाकिस्तान की कड़ी प्रतिक्रियां को भूल गया है। भारतीय रक्षा मंत्री, उसकी सेना और वायु सेना प्रमुखों के भड़काऊ बयानों पर हम चेतावनी देते हैं कि भविष्य में यह टकराव तबाही ला सकता है। अगर दुश्मनी का एक नया दौर शुरू होता है, तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचक के पूरी ताकत और मजबूती से जवाब देंगे। जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ से होगा। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली ने दावा किया है कि पहलगाम आतंकी हमले में शामिल एक आतंकवादी के पास चीनी सैटेलाइट कनेक्शन वाला फोन था, जिससे उसने पाकिस्तान को संदेश भेजे थे। कोंडापल्ली के मुताबिक, पहलगाम इलाके की 120 से अधिक सैटेलाइट स्लाइड्स पाकिस्तान को दी गई थीं। इसका मतलब है कि चीन आतंकवाद पर अपने वादों के बावजूद पाकिस्तान की मदद कर रहा था।

मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से राहुल गांधी ने की बात

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के रायबरेली जिले में मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार देर रात फोन पर बात की। युवक के भाई ने बताया कि राहुल ने उनसे कहा कि परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है। उन्होंने मेरे पिता से उनकी तबीयत के बारे में भी पूछा। इधर, अजय राय ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यूपी में जंगलराज की सरकार है। जो लोग खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं, वे किसी भी तरह बख्शे नहीं जाएंगे। वहीं, पत्नी पिंकी ने कहा कि जैसे मेरे पति की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या की गई, वैसे ही हत्यारों को भी सजा मिलनी चाहिए। मुझे इंसाफ चाहिए। वहीं, बहन ने कहा कि भाई की हत्या साजिश के तहत की गई। हरिओम पासवान की 3 अक्टूबर को हत्या हुई थी। पहले कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं। इसके बाद युवक को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस ने मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि लापरवाही बरतने पर ऊंचाहार कोतवाल संजय कुमार सहित 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है।

निलंबित पुलिस वाहन चालक मंसूर के मामले में एक्शन, आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

कोडरमा (एजेंसी)। झारखंड के कोडरमा जिले के चंदवारा स्थित पुलिस लाइन के निलंबित पुलिस वाहन चालक मंसूर आलम की आत्महत्या मामले ने पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना में जिले के जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह, डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव, पिकेट प्रभारी रमेश मरांडी और एएसआई अरविंद हांसदा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में कांड संख्या 76/25 दर्ज की गई है। मंसूर बीते तीन माह से निलंबित था। मंसूर पर आरोप है कि ड्यूटी के दौरान लापरवाही और शराब सेवन के कारण सस्पेंड किया था। आत्महत्या से पूर्व मंसूर वीडियो जारी कर आरोपित पुलिस अधिकारियों पर झूठा फंसाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया था। वीडियो वायरल होते ही पुलिस मेंस एसोसिएशन और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने घटना को साजिश करार देकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। इधर, मंसूर की पत्नी ने भी निलंबन के बाद वेतन रोकने से उत्पन्न आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव को आत्महत्या का प्रमुख कारण बताया था। उन्होंने थाने में दिए बयान में संबंधित अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। ज्ञात हो कि मंसूर आलम ने गत मंगलवार (30 सितंबर) को सल्फास खाकर जान देने का प्रयास किया था। इलाज के दौरान बुधवार (1अक्टूबर)को रिम्स, रांची में उसकी मौत हो गई थी।

जेएसएल रियल्टी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए

मुंबई (एजेंसी)। जेएसएल रियल्टी से संबंधित कथित धोखाधड़ी और सत्ता के दुरुपयोग से जुड़े मामले के बारे में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार के बाद जाँच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लूय) से लेकर मुंबई अपराध शाखा को सौंप दी गई है। यह आदेश महाराष्ट्र पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा जारी किया गया था। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए.अंखड की पीठ ने एक जाँच अधिकारी को सत्ता के कथित दुरुपयोग के लिए फटकार लगाई। यह पाया गया कि जिस अधिकारी को पहले एक गलत गिरफ्तारी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, वह अभी भी इस मामले को देख रहा था। अदालत ने आईआईएफएल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, और उसने आरोपी ममता सिंह को अंतरिम राहत दी थी, जिन्हें ईओडब्ल्यू ने 10 सितंबर को गिरफ्तार किया था। पीठ ने सिंह की गिरफ्तारी से जुड़ी कई विसंगतियों को उजागर किया। उनका बयान 18 जून को दर्ज किया गया था, लेकिन उन्हें लगभग तीन महीने बाद बिना किसी स्पष्ट कारण के गिरफ्तार किया गया। अदालत ने सवाल किया कि सिंह को दिव्यांग बच्चे के जन्मदिन की पार्टी के दौरान क्यों गिरफ्तार किया गया और उन्हें अन्य आरोपियों के विपरीत आगे नोटिस क्यों नहीं दिए गए। पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी में देरी के कारणों को न बता पाना जाँच के आचरण पर गंभीर सवाल उठाता है। अधिकारी की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण और पारदर्शिता रहित प्रतीत होती है, जिसमें याचिकाकर्ता के परिसर में की गई तलाशी का कोई रिकॉर्ड भी नहीं है। अदालत ने ज़ोर दिया कि गिरफ्तारी का अधिकार निरंकुश नहीं है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

बिष्णुपुर (एजेंसी)। मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक कैडर को बिष्णुपुर जिले के केरेनफाबी मानिंग लेइकाई इलाके से गिरफ्तार किया है। खुमुकचाम बीरेन मेइती (40) पर दुकानदारों, स्कूलों और कॉलेजों से जबरन वसूली करने का आरोप है। वहीं प्रतिबंधित संगठन के एक और स्वयंभू लेफ्टिनेंट को शनिवार को जिले के निंगथौखोंग इलाके से गिरफ्तार किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खानगेमबाम मंगलेम्बा सिंह (46) सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही पर नजर रखता था और अपने संगठन के सदस्यों को सूचना पहुंचाता था। पीएलए मुख्य रूप से पड़ोसी देश म्यांमार स्थित अपने शिविरों से सक्रिय हैं। यह संगठन 19 सितंबर को नाम्बोल सबल लेइकाई में असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले में भी शामिल था, जिसमें दो जवान मारे गए थे। इस बीच, प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को रविवार को इंफाल वेस्ट जिले के नाओरेमथोंग से गिरफ्तार किया गया है।

ठाकरे बंधुओं की मुलाकात: अब निकाले जा रहे मायने, सियासी हलचल तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल शुरु हो गई है। यहां हाल ही में हुई शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चीफ राज ठाकरे की ताजा मुलाकात के बाद दोनों के बीच गठबंधन की अटकलें तेज हो गईं हैं। हालांकि, इसे लेकर किसी भी पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ये मुलाकातें ऐसे समय पर हो रही हैं, जब मुंबई में बीएमसी चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। रविवार को बांद्रा पूर्व स्थित मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन में राज्यसभा सांसद संजय राउत के पोते का नामकरण समारोह था। इस मौके पर राज और उद्धव दोनों ही पहुंचे थे। खास बात है कि यहां पर मुलाकात के बाद राज मातोश्री भी गए। खबर है कि दोनों नेता वहां करीब 40 मिनट तक रहे। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि दोनों के बीच किस मुद्दे पर बात हुई।

वहीं भाजपा नेताओं ने रविवार को हुई दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर कहा कि इसका बीएमसी चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा, भगवान ने उद्धव और राज को एक ही परिवार में भेजा है, लेकिन वे अब भी साथ नहीं रहते। उद्धव द्वारा इस बात पर जोर देने का कोई मतलब नहीं है कि वह और राज एक ही रहेंगे। उन्होंने (उद्धव-राज) दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की साथ रहने की इच्छा को भी नहीं माना था। भाजपा के विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर ने कहा कि उनकी पार्टी को इन चचेरे भाइयों के एक साथ आने से ''कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह पूछे जाने पर कि क्या दोनों के बीच गठबंधन सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए खतरा बन सकता है, दरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इन दावों में कोई सच्चाई है कि सत्तारूढ़ (गठबंधन के) दल इस बात से डरे हुए हैं कि राज और उद्धव गठबंधन कर सकते हैं। यह पूरी तरह से काल्पनिक है। मतदाता चुनाव के दौरान फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मनसे-शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन बीएमसी चुनाव के नतीजों को प्रभावित नहीं करेगा।

इससे पहले 5 जुलाई को हुए एक कार्यक्रम में राज और उद्धव साथ शामिल हुए थे। 27 जुलाई को मनसे प्रमुख मातोश्री पहुंचे थे और उद्धव को 65वें जन्मदिन की बधाई दी थी। इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख अगस्त में गणेश चतुर्थी के मौके पर राज के घर पहुंचे थे।खबर है कि गठबंधन में शुरुआत में मनसे कथित तौर पर 100 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 60 से 70 पर सहमति जता रही है। साल 2012 में मनसे ने 28 सीटें और 2017 में 7 सीटें जीती थीं। बता दें कि साल 2005 में राज ने तब अविभाजित शिवसेना से अलग होकर मनसे का गठन किया था। तब से ही दोनों नेता अलग हैं, लेकिन हाल ही में हुईं कई बैठकों ने गठबंधन की अटकलों को हवा दे दी है। वहीं, दोनों नेता भी अप्रत्यक्ष रूप से इसका समर्थन करते नजर आ रहे हैं। एक ओर जहां उद्धव ने सार्वजनिक रूप से गठबंधन की बात का स्वागत किया था। वहीं, राज ने हाल ही में कहा था कि मराठी माणूस के लिए एकजुट होना मुश्किल काम नहीं है।

परमिशन रद्द होने पर बोले धीरेंद्र शास्त्री- दीदी जब तक रहेंगी पश्चिम बंगाल में नहीं करेंगे कथा

खजुराहो (एजेंसी)। कथा वाचक और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वे ममता बनर्जी के सीएम रहते पश्चिम बंगाल में कथा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने साफ मना कर दिया। परमिशन ही नहीं दी। दीदी जब तक हैं, तब तक बंगाल नहीं जाएंगे, दादा जब आएंगे तो जाएंगे। दरअसल, कोलकाता में 10, 11 और 12 अक्टूबर को धीरेंद्र शास्त्री की कथा होनी थी। बारिश की वजह से इसकी परमिशन रद्द कर दी गई। किसी और जगह पर कथा के लिए भी अनुमति नहीं दी गई, जिसके चलते शास्त्री ने अब इसे स्थगित कर दिया है। शास्त्री ने रविवार को रायपुर में कहा कि हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने हमें साफ मना कर दिया। समझ गए हम किसकी बात कर रहे हैं, नाम नहीं लेना चाहते हैं..., परमिशन भी कैंसिल कर दी गई और दूसरी जगह की परमिशन नहीं दी। जहां की परमिशन थी, वहां पानी भर गया था। फिर किसी ने कहा कि अब क्या कहोगे तो हमने कहा थैंक्यू बोल देना। इसका मतलब ये थोड़ी है कि हम अपना कार्य छोड़ देंगे। दीदी जब तक हैं, तब तक हम पश्चिम बंगाल नहीं जाएंगे। दादा जब आएंगे तो जाएंगे, लेकिन भगवान करे कि दीदी बनी रहे। हमें उनसे कोई दिक्कत नहीं, लेकिन बुद्धि ठीक रखें, धर्म के खिलाफ न जाएं। हम किसी राजनीति के पक्ष में नहीं हैं, न ही विरोध में हैं। हम सनातन के पक्ष में है। शास्त्री ने कहा कि घंटी बजाना, पूजा करना और तिलक लगाना ही धर्म नहीं है, बल्कि अधर्म के खिलाफ आवाज उठाना भी धर्म है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पीछे पूरे भारत के विधर्मी लगे हुए हैं, लेकिन उनका प्रण है कि जब तक तन में प्राण रहेंगे, वे हिंदुत्व के लिए ही जीएंगे।

पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के रास्ते में क्या आ रहा कोट... कांग्रेस नेता का बयान

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होनी है। इस बीच, कांग्रेस नेता वी.हनुमंता राव ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सोमवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था, जिसका उन्होंने कभी विरोध नहीं किया। कांग्रेस नेता राव ने सवाल उठाया कि अब पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मामले में बाधा क्यों डाली जा रही है। उन्होंने कहा, आखिर कोर्ट इस रास्ते में क्यों आ रहे हैं?

कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को हटाने की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने न्यायपालिका से अपील कर कहा, मैं अदालत से अनुरोध करता हूं कि हमारे रास्ते में न आएं। यह बयान स्थानीय निकायों में आरक्षण की नीति पर चल रही बहस को और हवा दे सकता है। तेलंगाना में विभिन्न राजनीतिक दलों और 60 से अधिक पिछड़ा वर्ग संघों के नेताओं ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए बिना किसी समझौते के संघर्ष करने का संकल्प लिया।

हैदराबाद में गोलमेज बैठक में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मंत्री वक्ति श्रीहरि, श्रीनिवास गौड़, गंगुला कमलाकर, वी हनुमंत राव, पुट्टा मधु और आनंद भास्कर सहित वरिष्ठ नेताओं, सांसदों व विधान पार्षदों ने हिस्सा लिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में चल रही कानूनी लड़ाई पर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण की रक्षा के लिए जानेमाने वकीलों की नियुक्ति की जाएगी।

अब तीन दिन देरी से विदा होगा मानसून, अभी करेगा और झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले छह सालों की तरह इस बार भी मुंबई से मानसून की विदाई में दो से तीन दिन तक की देरी हो सकती है। मुंबई में मानसून की वापसी की तारीख 8 अक्टूबर, लेकिन मौसम विभाग ने बताया कि साइक्लोन शक्ति की वजह से इस साल मानसून की वापसी 8 से 11 तारीख के बीच होगी। इसका मतलब है कि अभी और झमाझम बारिश होगी। मुंबई में मानसून हटने तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। सोमवार को मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है।

आईएमडी ने पालघर और ठाणे के लिए मंगलवार को 'येलो अलर्ट' जारी किया है, जिसमें बिजली चमक, हल्की-मध्यम बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी है। चक्रवात शक्ति ने राज्य में मानसून की वापसी के दौरान तूफानी गतिविधियों को कमजोर कर दिया है। इसके अलावा, एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ दक्षिण की ओर आ रहा है, जो शुष्क उत्तरी हवाओं को ला रहा है। इससे संवहनीय गतिविधियां कम हो सकती हैं। शक्ति से राज्य के तटीय इलाकों पर कोई खतरा नहीं है। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात शक्ति और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के कारण मानसून के विदाई में देरी हो रही है। 2018 के बाद से मुंबई में मानसून की सामान्य तारीख पर विदाई नहीं हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को बताया कि चक्रवात शक्ति, जो पहले बंगाल की खाड़ी से शुरू हुआ और अरब सागर में रौद्र रूप लिया, ने राज्य में मानसून की वापसी की प्रक्रिया को बाधित कर दिया है। मुंबई के मौसम ट्रैकर रुशिकेश अग्रे ने कहा, 'बंगाल की खाड़ी में दबाव प्रणाली ने विदाई को टाला था, लेकिन अब यह सक्रिय हो गई है। मानसून की पूरी तरह से विदाई में एक सप्ताह लग सकता है। तब तक मुंबई में हल्की बारिश होती रहेगी।' इस साल मुंबई में मानसून की शुरुआत सबसे जल्दी 26 मई को हुई थी। इस देरी किसानों और शहरवासियों के लिए चुनौती पैदा कर रही है। मुंबई में लगातार वर्षा से जलभराव की समस्या बढ़ सकती है, जबकि ग्रामीण इलाकों में फसलें प्रभावित होंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवात शक्ति का कमजोर पड़ना और पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव मिलकर मानसून को लंबा खींच रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट, बारिश और तेज हवाओं के साथ मौसम बदलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सोमवार को मौसम फिर से बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके तहत हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ छींटे पड़ने और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। इस बदलाव के कारण अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की उम्मीद है, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। पिछले कुछ दिनों की तुलना में यह तापमान थोड़ा कम रहेगा, जिससे ठंडक महसूस होगी। मौसम के इस बदलाव का मुख्य कारण एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ है, जो उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों को प्रभावित कर रहा है। इस प्रणाली के प्रभाव से अगले 48 घंटों तक बादल छाए रहेंगे और तेज ठंडी हवाएं चलेंगी। आईएमडी ने राष्ट्रीय राजधानी और गुरुग्राम के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है, जो मध्यम से गंभीर जोखिम को दर्शाता है, जबकि नोएडा और गाजियाबाद के लिए येलो अलर्ट जारी है। अधिकारियों ने लोगों से बारिश और तेज हवाओं के दौरान सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्होंने खुले स्थानों पर जाने से बचने, गरज-चमक के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने और ढीली वस्तुओं को मजबूती से बांधने की सलाह दी है, ताकि तेज हवा के कारण नुकसान न हो। सोमवार तड़के दिल्ली और आसपास के इलाकों में भारी बारिश भी हुई। मौसम के इस बदलाव से तापमान में गिरावट आएगी और वातावरण ठंडा और ताजा हो जाएगा। मौसम विभाग का कहना है कि यह स्थिति अगले दो दिन तक बनी रहेगी, इसलिए लोगों को सतर्क रहना आवश्यक है।

बारिश और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या हुई 28, मलबे में बह गए कई घर

दार्जिलिंग (एजेंसी)। इस साल भारी बारिश और भूस्खलन के चलते पहाड़ी इलाकों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। बीते रोज दार्जिलिंग में हुई भारी बारिश और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 28 हो गई है। यहां बारिश से बाढ़ आ गई और मलबे के तेज बहाव में कई घर बह गए। सड़कों पर जमा हुए मलबे के कारण आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। हालांकि कहीं-कहीं जेसीबी से रास्ते साफ कर दिए गए जिससे यातायात बहाल हो गया है। इसके अलावा सड़के बह जाने के कारण कई गांवों का संपर्क खत्म हो गया है जिसके कारण सैकड़ों पर्यटकों फंस गए हैं।

राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज आपदा क्षेत्र का दौरा करेंगी। रविवार को उन्होंने अधिकारियों के साथ इमरजेंसी बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'शनिवार रात उत्तर बंगाल में अचानक 12 घंटों में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और भूटान व सिक्किम से भी नदी का पानी बह निकला। इससे यह आपदा आई। हमें यह जानकर सदमा और दुख हुआ है कि हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया हैज्मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और उन्हें तुरंत सभी सहायताएं भेजूंगी। राज्य सरकार युद्ध स्तर पर बचाव कार्य कर रही है ताकि फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज (सोमवार) उत्तरी बंगाल का दौरा करेंगी। वह नुकसान का आकलन करते हुए राहत कार्य का निरीक्षण करेंगी और प्रभावितों से मिलेंगी। भूटान के ताला हाइड्रोपावर बांध तकनीकी खराबी के कारण ओवरफ्लो हो रहा है। अधिकारियों ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएचएम) ने बताया कि ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन ने बांध के गेटों में खराबी की सूचना दी है, जिसके कारण वे नहीं खुल पाए, जिससे नदी का पानी बांध की संरचना के ऊपर फैल गया। भूटान ने आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल सरकार को संभावित निचले स्तर के प्रभाव के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है।

पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इस आपदा पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और केंद्र सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। फिलहाल बचाव और राहत दल मलबे में दबे और फंसे हुए लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

नेपाल में सामान्य हुए हालात... दिल्ली-काठमांडू अंतरराष्ट्रीय बस सेवा फिर से शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पड़ोशी देश नेपाल में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली-काठमांडू अंतरराष्ट्रीय बस सेवा फिर से शुरू हो गई है। ये बस सेवा यात्रियों के लिए बड़ी राहत है, क्योंकि इससे धार्मिक, पर्यटन व व्यावसायिक यात्राएं फिर सुगम हो सकेंगी।

यह सेवा दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) द्वारा चलाई जा रही है। नेपाल में हिंसा के बाद यह सेवा रोक दी गई थी। अब बस सेवा को फिर से शुरू किया गया है, जिससे भारत व नेपाल के बीच लोगों से लोगों के संपर्क को और मजबूत किया जा सके।

बस नई दिल्ली के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल (दिल्ली गेट) से सुबह 10ः00 बजे प्रस्थान कर काठमांडू के स्वयंभू बस टर्मिनल पर अगले दिन सुबह 9ः00 बजे पहुंचती है। रास्ते में बस की निर्धारित हॉल्ट फिरोजाबाद, अयोध्या (उत्तर प्रदेश), सनौली (भारत-नेपाल सीमा), मुग्लिंग (नेपाल) पर होती हैं।

बस में एयर-कंडीशनल लग्जरी कोच है, जिसमें 2×2 आरामदायक सीटें, पर्याप्त लेगरूम, वाई-फाई व जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारतीय व नेपाली नागरिकों को यात्रा के लिए केवल सरकारी फोटो पहचान पत्र (जैसे पासपोर्ट या वोटर आईडी) की आवश्यकता होगी। लेकिन अन्य देशों के नागरिकों को वैध पासपोर्ट व वीजा अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना पड़ता है। इसके साथ ही यात्रियों को निर्धारित प्रस्थान समय से कम से कम एक घंटा पहले टर्मिनल पर रिपोर्ट करना अनिवार्य है। डॉ. अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल, दिल्ली गेट है। 5 वर्ष या उससे अधिक उम्र के यात्रियों का किराया 2800 रुपए प्रति व्यक्ति है। 2 वर्ष तक के बच्चे निःशुल्क है। उनके लिए सीट आरक्षित नहीं होती है। यात्रा तिथि से 60 दिन पहले तक टिकट बुक करने की सुविधा दी जाती है।

एनसीआरबी के चौंकाने वाले आंकड़े, महाराष्ट्र देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या वाला राज्य

मुंबई (एजेंसी)। देश में किसानों द्वारा आत्महत्या करने की संख्या कम होती नहीं दिख रही है। किसानों द्वारा आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले स्थान पर है। अक्सर देखा जाता है कि बाजार में अपने कृषि उत्पादों के दाम न मिलने, कर्ज के बोझ, बच्चों की शिक्षा, शादी जैसी परेशानियों के कारण किसान आत्महत्या का रास्ता चुन रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश भर में कृषि क्षेत्र से जुड़े 10786 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 4690 किसान और 6096 खेतिहर मजदूर शामिल थे। यह आंकड़ा देश के कुल 171418 आत्महत्या पीड़ितों का 6.3 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार 2023 में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 6669 किसानों ने आत्महत्या की, जबकि 4151 किसानों और 2518 खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि 2023 में देश में महाराष्ट्र में आत्महत्या की दर सबसे ज्यादा थी तमिलनाडु में 19,483 (11.4 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए हैं। मध्य प्रदेश में 15,662 (9.1 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में 13,330 (7.8 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल में 12,819 (7.5 प्रतिशत) आत्महत्याएँ दर्ज की गई हैं। इस बीच, एनसीआरबी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल आत्महत्याओं में से 49 प्रतिशत पाँच राज्यों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में हुई हैं। शेष 51 प्रतिशत आत्महत्याएँ 23 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में हुई हैं। देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य (देश की 17 प्रतिशत आबादी के साथ) उत्तर प्रदेश में आत्महत्या की दर अपेक्षाकृत कम है, जो देश में दर्ज कुल मामलों का केवल 5.3 प्रतिशत है।

आत्महत्या के प्रमुख कारण

पारिवारिक समस्याएँ और बीमारी आत्महत्या के प्रमुख कारण थे, जो 2023 में कुल आत्महत्याओं का क्रमशः 31.9 प्रतिशत और 19.0 प्रतिशत था। आत्महत्या के अन्य कारण थे नशीली दवाओं/शराब का दुरुपयोग (7 प्रतिशत), वैवाहिक समस्याएं (5.3 प्रतिशत), प्रेम संबंध (4.7 प्रतिशत), दिवालियापन या कर्ज (3.8 प्रतिशत), बेरोजगारी (1.8 प्रतिशत), परीक्षा में असफलता (1.4 प्रतिशत), किसी प्रियजन की मृत्यु (1.3 प्रतिशत), पेशेवर/कैरियर संबंधी समस्याएं (1.1 प्रतिशत) और संपत्ति विवाद (1 प्रतिशत)।